हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

Koylanchal samvad news

रांची, सोमवार, 14 अक्टूबर, 2024 | वर्ष : 12 अंक : 150

www.koylanchalsamvad.com

मूल्य : 2 रुपए

बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली:मर्डर में उत्तर...

सरकार बेरोजगारों को लाभार्थी नहीं, कामार्थी बनाए

भिंडी की उन्नत खेती करने की सम्पूर्ण जानकारी

संक्षिप्त खबरें

राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक हुए राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी

मुंबई : महाराष्ट्र में अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की शनिवार रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। मुंबई पुलिस के मुताबिक, अज्ञात बंदूकधारियों ने हमला किया। आनन-फानन में बाबा सिद्दीकी को लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचाने में कामयाब नहीं हो सके। पुलिस ने तीन हमलावरों को गिरफ्तार किया है। राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी को राजकीय सम्मान के साथ मुंबई के बड़ा कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी के सुपुर्द-ए-खाक के दौरान प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल और अजित पवार सहित राकांका नेता बड़ा कब्रिस्तान में मौजूद हैं। बाबा सिद्दीकी के घर के बाहर अदा की गई नमाज बांद्रा में बाबा सिद्दीकी के आवास के बाहर नमाज अदा की गई। उनके पार्थिव शरीर को सुपुर्द-ए-खाक के लिए ले जाया जा रहा है, जिसे पूरे राजकीय सम्मान के साथ मुंबई लाइन के कब्रिस्तान में किया जाएगा। बाबा सिद्दीकी के अंतिम संस्कार के लिए बड़ा कब्रिस्तान के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मरीन लाइन्स में बड़ा कब्रिस्तान के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। यहीं पर दिवंगत एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी को सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। जनाजे में बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान आगे चल रहे हैं। महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने राजकीय सम्मान से अंतिम विदाई का आदेश दिया है। बाबा सिद्दीकी 2004 से 2008 तक महाराष्ट्र कैबिनेट में मंत्री रह चुके हैं।

तोपचांची थाना प्रभारी के संदेहास्पद मृत्यु के आरोप से मुक्त हुए डीएसपी होदा

रांची: 17 जून 2016 में तत्कालीन अनुसंधानकर्ता, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी तोपचांची, उमेश कच्छप की संदेहास्पद मृत्यु होने के आरोप से मुक्त हो गये हैं तत्कालीन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बाघमारा मजरूल होदा. श्री होदा अभी झा.सु.पु 08 पलामू में डीएसपी हैं. दरअसल, एक मामले की जांच कर रहे उमेश कच्छप की संदोहास्पद मृत्यु हो गयी थी जिसमें मजरूल होदा की भूमिका संदिग्ध पायी गयी थी. सरकार ने प्रथम दृष्टया आरोपों को देखते हुए उन्हें 18 जुलाई 2016 के द्वारा निलंबित किया था और विभागीय कार्यवाही चलायी.

भाजपा पर कसा तंज, बोले-दिल्ली से आकर लोग 300 घर देने को अपनी उपलब्धि बता रहे

सीएम हेमंत सोरेन की घोषणाः 8 लाख मकान बनवा रहे हैं, अब हर झारखंडी का होगा अपना आवास

हम तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक सबका पक्का छत नहीं होगा

रांची : सीएम हेमंत सोरेन अबुआ आवास को लेकर वड़ी घोषणा की है। अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स से पोस्ट कर हेमंत ने कहा कि हर झारखंडी का अपना आवास होगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह हमने मंईया सम्मान योजना को राज्य के हर घर तक पहुंचाया है, वैसे ही हर झारखंडी परिवार का अपना तीन कमरों का पक्का मकान होगा। सीएम ने कहा कि हम आठ लाख मकान बनवा रहे हैं। साथ ही बाकी के 17 लाख मकानों को बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। झारखंड के लोगों को घर देने के मामले में हम तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक सबका अपना पक्का छत नहीं होगा। उन्होंने अपने ट्वीटर पर ट्वीट कर कहा कि हर झारखंडी का होगा अपना आवास। जैसे हमने मंईया सम्मान घर घर पहुंचाया है – वैसे ही हर झारखंडी परिवार का अपना तीन कमरों का पक्का मकान होगा। दिल्ली से बड़े बड़े मंत्री लोग – झारखंड आ कर 300 घर देने को अपनी उपलब्धि बता ख़ुद की पीठ थपथपा जाते हैं। हम 8 लाख मकान बनवा रहे हैं और साथ ही बाक़ी के 17 लाख मकानों की तैयारी शुरू कर दी है। हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक सबका अपना पक्का छत नहीं होगा।

हेमंत सोरेन के मंत्री रामदास सोरेन ने विजयादशमी पर गुड़ाझोर को दी पुल की सौगात

घाटशिला (पूर्वी सिंहभूम): पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला प्रखंड स्थित नक्सल प्रभावित बाघुड़िया पंचायत के गुड़ाझोर गांव को विजयादशमी के दिन झारखंड के जल संसाधन तथा उच्च तकनीकी शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने पुल की सौगात दी है. गुड़ाझोर के पास पहाड़ से निकले निशि झरना पर बरसों से पुल निर्माण की मांग ग्रामीण कर रहे थे. आखिरकार विजयदशमी के दिन हेमंत सोरेन सरकार के मंत्री रामदास सोरेन ने उस पुल का शिलान्यास किया. मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के तहत 1.62 करोड़ रुपए की लागत से इस पुल का निर्माण होगा.

ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल करवाएगा पुल का निर्माण

ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल इस पुल का निर्माण करवाएगा. सुजीत कुमार को इस पुल का ठेका मिला है. शनिवार को मंत्री अपने समर्थकों के साथ बीहड़ गांव में पहुंचे और पुल निर्माण का शिलान्यास किया. मौके पर ग्राम प्रधान रामचंद्र सिंह के

साथ अनेक ग्रामीण और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकर्ता उपस्थित थे.

नंशि झरना से निकले नाला का मंत्री रामदास सोरेन ने किया निरीक्षण

मौके पर मंत्री ने निशि झरना से निकले नाला का निरीक्षण भी किया. मंत्री ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया के पुल के साथ वे अपने कोष से यहां करीब 2 किलोमीटर लंबी सड़क का भी निर्माण कराएंगे. पुल नहीं रहने की वजह से बरसात में इस गांव के लोग मुख्यधारा से कट जाते थे. पुल के शिलान्यास से ग्रामीणों में खुशी की लहर है.

महिलाएं बोलीं- नहीं मिलता मंईयां सम्मान का पैसाः मौके पर मंत्री रामदास सोरेन ने गुड़ाझोर के ग्रामीणों की समस्या भी सुनी. यहां कई महिलाओं ने उन्हें बताया कि उनका राशन कार्ड नहीं बना है. राशन कार्ड नहीं होने की वजह से वे सभी मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि से वंचित हैं. एक विधवा महिला ने गुहार लगाई की पति की मौत के बाद उन्हें विधवा पेंशन नहीं मिलती. मंत्री ने वहीं से फोन पर बीडीओ से जानकारी ली और कहा कि जल्द ही उनकी समस्या का निदान हो जाएगा. गुड़ाझोर गांव से सटे पहाड़ से निकला निशि झरना का पानी नाला की तरह गांव से होते हुए बह रहा है. झरना का पानी सिंचाई का प्रमुख स्रोत बन गया है. नाला कच्चा होने के कारण बरसात में मिट्टी और कचरा भरा जाता है, जिससे ग्रामीणों को परेशानी होती है. इसी नाला के पानी से इस बार यहां बेहतर धान की खेती हुई है. इसका निरीक्षण भी मंत्री ने किया. ग्रामीणों की मांग पर उन्होंने कहा कि इस नाला को पक्का करवा देंगे, ताकि मिट्टी और कचरा न भर पाए. उन्होंने कहा कि इसके बाद ग्रामीण इस झरने के पानी का उपयोग सिंचाई के लिए बड़े पैमाने पर कर सकेंगे.

मनरेगा कर्मियों के मानदेय बढ़ोतरी का लाभ ,आज आ सकता है प्रस्ताव

रांची: सूबे के पांच हजार से अधिक मनरेगा कर्मियों को सोमवार को होने वाली कैबिनेट की बैठक में तोहफा मिल सकता है. राज्य सरकार उनके मानदेय वृद्धि पर निर्णय ले सकती है. चुनाव पूर्व प्रोजेक्ट भवन में दिन के 12 बजे से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में संविदा कर्मियों के हर साल नवीकरण कराने की बाध्यता से भी पीछा छूट सकता है, उनकी नियुक्ति 60 वर्ष तक सीधे करने की भी तैयारी चल रही है. कैबिनेट की बैठक को देखते हुए रविवार को भी मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग, ग्रामीण विकास विभाग सहित अन्य विभाग के कुछ सेक्शन खुले रहे है. कैबिनेट से जुड़े संलेख तैयार किए गये हैं. झारखंड मनरेगा कर्मचारी संघ और ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के बीच हुए समझौते के अनुरूप मनरेगा कर्मियों को 30 फीसदी मानदेय में बढ़ोतरी करने का निर्णय कैबिनेट में लिया जा सकता है. यानि रोजगार सेवक, बीपीओ, कनीय अभियंता, सहायक अभियंता, कंप्यूटर ऑपरेटर, लेखापाल इत्यादि के मानदेय में वृद्धि की जायेगी. इसके अलावा पांच लाख का स्वास्थ्य बीमा व सामाजिक सुरक्षा के तहत 20 लाख का दुर्घटना बीमा का भी लाभ दिया जा सकता है.

6 दिनों के अंदर दूसरी कैबिनेट बैठक

झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान चुनाव आयोग जल्द कर सकता है. इसलिए ऐसी संभावना जतायी जा रही है कि सोमवार को हेमंत सोरेन सरकार की इस कैबिनेट में कई लोकलुभावन फैसले लिये जा सकते हैं. यह 6 दिनों के अंदर में सरकार की दूसरी कैबिनेट बैठक है. इससे पहले 8 अक्टूबर को भी कैबिनेट की बैठक बुलायी गयी थी. जिसमें 81 प्रस्तावों पर मुहर लगी थी. इससे पहले 8 अक्टूबर की बैठक में भी कई लोकलुभावन फैसले लिये गये थे. जिसमें मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना में संशोधन करने सहमति बनी. इसके तहत अब हर 25 की जगह 50 मेधावी विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए विदेश जा सकेंगे.

शुक्रवार को रातू रोड बिरला मैदान में इंद्रपुरी रावण दहन समिति के द्वारा रावण, मेघनाथ एवं कुंभकरण दहन का कार्यक्रम प्रथम बार किया गया

रांचीः शुक्रवार को रातू रोड बिरला मैदान में इंद्रपुरी रावण दहन समिति के द्वारा रावण, मेघनाथ एवं कुंभकरण दहन का कार्यक्रम प्रथम बार किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुख्य संरक्षक मृत्युंजय सिंह, मुख्य संयोजक उत्तम यादव, नीरज कुमार अशोक श्रीवास्तव उपस्थित थे। प्रथम वर्ष पर दशहरा के शुभ अवसर पर रावण दहन का कार्यक्रम रखा गया था जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं पुरुष एवं छोटे-छोटे बच्चे रावण दहन कार्यक्रम देखने के लिए उमार पड़े। बिड़ला मैदान में अलग-अलग कार्यक्रम होती आ रही है लेकिन इस बार जो हमारे नौजवान जो भटकाओं की ओर है चरस अफीम ब्राउन शुगर के चपेट में हैं महिलाएं के साथ बलात्कार की घटनाएं हो रही है ऐसे लोगों को मुख्य धारा में लाने एवं बुराई पर अच्छाई की जीत हो या पुतला दहन का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में अजय तिर्की, रमेश सिंह, सूरज टोप्पो, दिलीप गुप्ता, सुरेश केडिया, प्रकाश सिंहा, मंटू सिंह मनजीत सिंह, सरवन साहू सकलदीप मुख्य रूप से उपस्थित थे।

नदी में डूबने से बच्चे की हुई मौत

बरकट्ठा(हजारीबाग)।बरकट्ठा में एक बच्चे की नदी में डूबने से मौत हो गई। घटना रविवार कि दोपहर कुंडिलवा नदी में नहाने के दौरान हुआ। इस हादसे में ग्राम चपनाडीह कोडरमा निवासी परमवीर कुमार यादव 10 वर्ष पिता जयकुमार यादव गहरे पानी में डूब गया।जिसको देखकर लोगों ने उसे नदी से बाहर निकाल कर बरकट्ठा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां चिकित्सक ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। मृतक के मामा बाल्मीकि यादव ने बताया कि परमवीर कुमार दुर्गा पूजा में अपने ननिहाल बरकट्ठा डीह गांव आया हुआ था। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

14 अक्टूबर को बापू वाटिका में लगेगा छात्र अदालत पहुंचेंगे एक लाख छात्र

रांचीः सत्याग्रह स्थल से इमाम सफी ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा 14 अक्टुबर को झारखंड के सभी 24 जिला से एक लाख छात्र मोरहाबादी पहुंचेंगे और लगेगा छात्र अदालत। यहीं परीक्षा को रद्द करवाने की रणनीति तैयार की जाएगी। उन्होंने जेएसएससी सीजीएल व अन्य परीक्षार्थी से अपील की है की 14 अक्टुबर सोमवार को चट्टानी एकता का परिचय दें 26 और 30 सितंबर की तरह एकजूटता दिखाएंगे। पहले जैसी गलती नहीं दौहराएंगे इस बार निर्णायक लड़ाई है सरकार को वार्ता के लिए बाध्य करेंगे। चंदन कुमार ने कहा 14 अक्टुबर को सुबह ग्यारह बजे ज्यादा से ज्यादा अभ्यर्थी मोरहाबादी पहुंचे वहीं पर सर्व सहमति से विवादित परीक्षा रद्द कराने की अंतिम निर्णय लिया जाएगा। डां कहकशां कमाल ने कहा जेएसएससी कार्यालय में दो बार आन्दोलन हो चुका है कोई परिणाम नहीं आया इसलिए इस बार मोरहाबादी में छात्र महाजुटान होना है और अंततः परीक्षा रद्द कराएंगे। मौके पर महेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार,अजय कुमार महतो आदि मौजूद रहे।

चौपारण प्रखंड में शांति और सौहार्द के साथ संपन्न हुआ दुर्गा पूजा

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग) प्रखंड में दुर्गा पूजा का महापर्व शांति और सौहार्द के साथ संपन्न हुआ। प्रखंड में कई स्थानों पर मां जगजननी दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना की गई। कई जगह प्रवचन एवं भक्ति जागरण के भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। दशहरा के दिन भव्य मेले का आयोजन किया गया। पूजा स्थलों पर श्रद्धालु श्रद्धा के साथ पूजा अर्चना के निमित्त जूटे। पूरा प्रखंड इस शारदीय नवरात्र में भक्ति और आस्था में डूबा रहा। मौके पर प्रशासन चुस्त दुरुस्त रहा। बड़ी ही श्रद्धा के साथ मां दुर्गे की प्रतिमा का विसर्जन स्थानीय जलाशय में किया गया। रामपुर, पांडेबारा, चौपारण, जवनपुर, दैहर, हथिंदर समेत प्रखंड के कई स्थानों पर शारदीय नवरात्र का आयोजन किया गया। प्रखंड में शांतिपूर्वक धूमधाम के साथ शारदीय नवरात्र का समापन हुआ कहीं से किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं है।

चतरा जिले में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ दुर्गा पूजा

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतराः जिले में शारदीय नवरात्र का महापर्व दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण ढंग से हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। सनातन आस्था से जुड़ा हुआ यह महापर्व जिले के विभिन्न प्रखंडों में श्रद्धा पूर्वक मनाया गया। कई स्थानों पर कई प्रकार के धार्मिक आयोजन किए गए। चतरा, हंटरगंज, वशिष्ठ नगर, लावालौंग, सिमरिया, इटखोरी, पत्थलगड़ा, गिद्धौर और मयूरहंड प्रखंड समेत दूर दराज के कई गांवों में विशेष रूप से दुर्गा पूजा का आयोजन किया गया। कई स्थानों पर धार्मिक प्रवचन एवं भक्ति जागरण का भी आयोजन किया गया। 10 दिन तक चलने वाले दशहरा के इस माह पर्व में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते बना। जिला प्रशासन के तरफ से सुरक्षा के व्यापक प्रबंधक किए गए थे। कई स्थानों पर दशहरा के दिन भव्य मेले का भी आयोजन किया गया। कई स्थानों पर बुराई के प्रतीक रावण का भी पुतला दहन किया गया। कुल मिलाकर पूरे जिले में आस्था का यह महापर्व शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ कहीं से किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं है।

नेवरी में तहरीक मकातिबे फ़िक्र का हुआ बैठक,3 नवंबर को तकरीर का होगा मुकाबला, मुकाबले में प्रथम स्थान लाने वाले को साइकिल देकर सम्मानित किया जाएगा

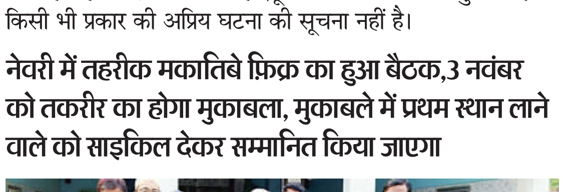

ओरमांझी(मोहसीनआलम)ःनेवरी के सिरात नगर में रविवार क़ो तहरीक मकातिबे फ़िक्र रांची झारखंड की बैठक कमेटी के अध्यक्ष जाकिर अंसारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई,बैठक में आगामी 3 नवंबर और 10 नवंबर को तहरीक मकातिबे फ़िक्र की जानिब से होने वाले प्रोग्राम को सफल बनाने पर चर्चा की गई, बैठक में फैसला लिया गया कि इलाके के सभी मकतब के बच्चों को इस तालीमी इनामी मुकाबले के प्रोग्राम में शामिल किया जाए,जिसके लिये गांव की जिम्मेदार और मकतब के उस्ताद से मुलाकात कि जाए,वही फैसला लिया गया कि 3 नवंबर को तकरीर का इनामी मुकाबले का प्रोग्राम आयोजित किया जाएगा.पहले तकरीर का प्रोग्राम 10 नवंबर को होने का था लेकिन अब लिखित परीक्षा के दिन इरबा के हेरात मैरिज हॉल में किया जायेगा,वही कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए वालंटियर तैयार करने, कार्यों का बंटवारा करने,एवं प्रतिभागियों को समय निर्धारित पर परीक्षा स्थल पर लाने,और प्रोग्राम का समय निर्धारित किया गया. वही समापन कार्यक्रम 10 नवंबर के प्रोग्राम में अतिथि क़ो आमंत्रित करने के लिए सूची तैयार किया गया,बैठक में मुख्य रूप से ओरमांझी के पूर्व उप प्रमुख मुन्ताज़िर अहमद रजा,एकता मंच के सदर असफाक खान,कारी मोईन अंसारी, हाफिज अतरह इमाम, पूर्व उप मुखिया नसीम अंसारी,सदर मुश्ताक आलम, मास्टर फिरोज अंसारी, मोहसिन आलम एहसान अंसारी, इमरान अंसारी दानिश अंसारी सहित अनेकों लोग मौजूद थे।

भुखे और जरुरतमंद को भोजन खिलाने से बड़ा कोई भी पुण्य का कार्य नहीं

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : संस्था की वरिष्ठ सदस्या विधा देवी अग्रवाल ने आज विजयदशमी पापांकुशा एकादशी व्रत के उपलक्ष्य मे मंदिर मे श्री राज श्यामा जी को चंदन वंदन कर वहा उपस्थित सभी श्रद्धालुओ एव गुरु महाराज के शिष्यों को चंदन वंदन कर 171वें निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का वितरण प्रारंभ किया। उसके पश्चात 171 वाँ श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का प्रसाद भगवान श्री राज श्यामा जी एवं गुरू महाराज को अर्पित कर 1300 श्रद्धालुओ के बीच वितरण किया गया मंदिर परिसर मे आये हुए सभी धर्म प्रेमीजनो एवं श्रद्धालुओ ने शांति पूर्वक कतार मे लगकर 171 वाँ निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया आज रविवार दिनांक 13 अक्टूबर 2024 को 171 वाँ निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का संचालन पापांकुशा एकादशी व्रत एव दशहरे के सुअवसर पर अपने पुत्र राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल विजय,नवल योगेश नितिन श्रेष्ठ एव अग्रवाल परिवार के सौजन्य से की गई। गुरू महाराज के जनसेवा को समर्पित जीवन के स्वर्णिम 52 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आज रविवार दिनांक 13 अक्टूबर 2024 को रांची शहर के पुंदाग स्थित संस्था के निर्माणाधीन मंगल राधिका सदानंद दिव्यांग सेवाधाम आश्रम के प्रांगण मे (श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर) पुंदाग T.O.P. के पीछे, पुंदाग,राँची के प्रांगण मे वहाँ के जरूरतमंद ग्रामीण मंदिर के आस पास के रहने वाले लगभग 900 श्रद्धालुओ, जरुरतमंद परिवार के सदस्यों एवं सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम(सत्य-प्रेम सभागार) मे रहने वाले मंदबुद्धि प्रभु जी एवं उनके देखरेख करने वाले सेवा साथियोंसमेत के सामने के गुजरने वाले राहगीरों एवं बच्चों के बीच 171 वें निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भोजन भंडारे के प्रसाद में पुडी, कचोडी, दाल मखानी,आलु टमाटर मिश्रित सब्जी, भेजिटेबल पुलाव एवम मिठाई में केसरिया खीर,आलु चिप्स सभी आये हुए श्रद्धालुओको विधिवत उद्घाटन कर वितरण शुरू किया। आज के अन्नपूर्णा भोजन प्रसाद भंडारे की सेवा के महान कार्य में विशेष रूप संस्था के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल उपाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, सचिव मनोज कुमार चौधरी,विजय अग्रवाल, पंकज पोद्दार,नवल अग्रवाल, रंजीत गाडोदिया,बिष्णु सोनी, विशाल जालान,मनीष सोनी, सुरेश कुमार अग्रवाल,ओम प्रकाश सरावगी, शिवभगवान अग्रवाल,संजय अग्रवाल,पवन पोद्दार,चन्द्रदिप साहु,महेश वर्मा,अशोक ठाकुर,परमेश्वर साहु महिला समिति की विधा देवी अग्रवाल,संतोष देवी अग्रवाल, पुनम अग्रवाल एव इनके अलावा संस्था के और भी बहुत से सदस्य उपस्थित थे।

प्रतिमा विसर्जन के साथ दुर्गा पूजा महोत्सव संपन्न,विश्रामपुर मे सम्मान समारोह आयोजित

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू): विश्रामपुर नगर परिषद व आंचलिक क्षेत्र में प्रतिमा विसर्जन के साथ दुर्गा पूजा महोत्सव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। डंडिला खुर्द सहित रेहला क्षेत्र के ज्यादातर पंडालों का प्रतिमा 12 अक्तूबर दसवीं को ही रेहला कोयल नदी में विसर्जित किया गया। वहीं विश्रामपुर नगर परिषद मुख्यालय में वर्षो से चली आ रही राज परंपरा के अनुसार 13 अक्तूबर एकादशी को प्रतिमा विसर्जित किया गया। दशहरा के दिन कई पूजा कमेटियों ने गणमान्य लोगों को सम्मान समारोह का आयोजन कर अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। विश्रामपुर चंद्रवंशी- गढ़ मुहल्ला सार्वजनिक दुर्गा मंडप पूजा कमेटी द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष राकेश केशरी व संचालन युवा समाजसेवी विजय कुमार रवि ने किया। समारोह में मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह आरसीयू के कुलाधिपति डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी उर्फ मुन्ना चंद्रवंशी,थाना प्रभारी सैराभ चौबे,सामाजिक सेवा समिति के अध्यक्ष संजय पांडेय,युवा समाजसेवी प्रेम शंकर दुबे,विधायक प्रतिनिधि राजन पांडेय,संत पॉल कान्वेंट स्कूल के निदेशक एस एम एस्से,पार्षद पूनम देवी,सुनील कुमार चौधरी,शमशेर आलम,श्याम किशोर चंद्रवंशी,इदरीश हवारी,यदुनी राम,हरे कृष्णा सिंह,इसरार अंसारी,उखमजी यादव,बिनोद सिंह सहित कई गणमान्य लोगों,स्थानीय पत्रकारों व प्रशासनिक पदाधिकारियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा सोरडीहा के आदर्श कला केंद्र पूजा समिति व बाजार मुहल्ला नव युवक संघ पूजा समिति द्वारा भी सम्मान समारोह का आयोजन कर अतिथियों को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया।वहीं क्षेत्र के कई पूजा पंडालों द्वारा दशहरा के दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजित किया गया। मौके पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष बबन राम,रजनीश चंद्रवंशी,संजय साह,मुकेश चौधरी,संतोष केशरी,सुमंत चंद्रवंशी,शशिभूषण चंद्रवंशी सहित कई लोग मौजूद थे।

सोनबिरहा बूढ़ी जतरा महोत्सव इरबा में ढोल नगाड़ों की थाप पर लोगों ने खूब नाचे गये

आदिवासियों क़ो अपने सभ्यता और संस्कृति को बचाए रखने के लिए आगे आना होगा ःराजेश कच्छप

ओरमांझी(मोहसीन आलम)ःसोनबिरहा बूढ़ी जतरा महोत्सव इरबा में रविवार क़ो आयोजित किया गया।मेला जतरा का़फ़ी धूमधाम से लगा,जहाँ मुख्य अतिथि के रूप में खिजरी विधायक राजेश कच्छप शामिल हुए,इस जतरा महोत्सव में महिलाएं एवं पुरुष नृत्य मंडली के साथ नाचते गाते आदिवासी पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे थे,जहां पहुंचकर लोगों ने ढोल नगाड़ों की थाप पर खूब नाचे गए,मौके पर मुख्य अतिथि विधायक राजेश कच्छप ने अपने संबोधन में कहा की जतरा मेला झारखंड की संस्कृति व संस्कृति को बचाने में अहम रोल अदा करती है,आदिवासी समाज संगठित होकरअपने अधिकार व न्याय के लिए संघर्ष करें विधायक राजेश कच्छप आपके साथ हैं,जल जंगल जमीन की रक्षा में आदिवासी समुदाय का सराहनीय योगदान रहा है.वही आदिवासी वक्ताओं ने अपने-अपने संबोधन में कहा कि झारखंड में सरना कोर्ट सरकार लागू करें,क्योंकि झारखंड आदिवासियों के लिए ही बना था,मेला में खूब मिठाई और कतारी और खिलौने बिक रहे थे,वहीं नागपुरी आर्केस्ट्रा का आयोजन किया गया था.जिसमें मस्ताना म्यूजिक ग्रुप के कलाकारों ने धूम मचा दिया,मेला जतरा में मुख्य रूप से ओरमांझी प्रखंड विकास पदाधिकारी कामेश्वर बेदिया,थाना प्रभारी अनिल कुमार तिवारी, जिला परिषद सदस्य कमिश्नर मुंडा, क्षेत्रीय सरना समिति के अध्यक्ष सह झारखंड मुक्ति मोर्चा के युवा नेता बच्चन उरांव,उप प्रमुख रिजवान अंसारी,मेला कमेटी के अध्यक्ष गोपाल मुंडा कार्यकारी अध्यक्ष सुरेंद्र उरांव,सचिव रोहित पाहन,उपाध्यक्ष दिलीप उरांव कोषाध्यक्ष विनीता कुजूर, संरक्षक काशीनाथ पाहन,मुखिया लखेश्वर उरांव,महावीर मुंडा,शनिचरवा उरांव, समुन्द्र पाहन,अबरार ओहदार औरंगजेब आलम, तारिक एकबाल उर्फ़ डब्लू,सहित अनेकों गणमान्य लोग मौजूद थे।

विधायक अकेला ने तीन सड़कों का शिलान्यास व एक ट्रांसफर का उद्घाटन किया

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चौपारण : प्रखण्ड में विधायक सह निवेदन समिति के सभापति उमाशंकर अकेला के प्रयास से लगातार विकास के कार्यों में गति देने का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को विधायक श्री अकेला ने तीन सड़क व एक ट्रांसफर के उद्घाटन के साथ तीन अन्य सड़क का शिलान्यास किया। सबसे पहले विधायक ने मुख्य पथ से लखावर से अमरनाथ राम के घर तक 1 किमी पीसीसी पथ निर्माण का शिलान्यास,उसके बाद कैरी पिपराही में मुख्य पथ से तिलक भुईयां घर तक पीसीसी पथ निर्माण का उदघाटन,उसके बाद प्राथमिक विद्यालय भदान तक पीसीसी पथ निर्माण का उदघाटन ,फिर दैहर में पांती आहार जीर्णोद्धार का शिलान्यास , दैहर के प्रयाग मोहल्ला में ट्रांसाफार्मर का उदघाटन, दैहर में पीसीसी पथ निर्माण का उदघाटन ,और अंतिम में उच्च विद्यालय डेबो में विद्यालय उन्नयन कार्य का शिलान्यास विधायक ने अपने कर कमलों से किया। साथ मे चौपारण-2 जिप सदस्य रवि शंकर अकेला, नवीन यादव, सोनू कुमार, अजय यादव, संजय यादव, प्रमोद यादव, प्यारी चौधरी, बिनोद यादव, डब्लू अंसारी, सतीश सिंह, कोठारी सिंह, बब्लू मियां, अमीत सिंह, प्रहलाद सिंह, मुखिया ब्रह्मदेव भुईयां, मुखिया प्रतिनिधि नागेंद्र कुमार, रामकुमार सिंह, विक्रम प्रजापति, मुकेश राय, संजय यादव नारायण यादव,शम्भू यादव,महेश यादव, सहित सैंकड़ों लोग मौजूद रहे।

आपकी विकास पार्टी ने जारी की पांच विधानसभा सीटों के उम्मीदवारों की सूची

रांचीः झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र, आपकी विकास पार्टी ने आज प्रेस क्लब, रांची में एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता का आयोजन किया। इस दौरान पार्टी ने पांच विधानसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की और पार्टी के चुनावी चिह्न 'निब पेन' का अनावरण किया।

प्रेस वार्ता का मुख्य उद्देश्य पार्टी की चुनावी रणनीति को उजागर करना और चुनाव में पार्टी की भागीदारी के प्रति जनता को आश्वस्त करना था। आपकी विकास पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य के विकास और प्रगति के लिए पूरी तरह से समर्पित है।

पार्टी की नई नीतियों पर जोर

पार्टी पदाधिकारियों ने राज्य के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और बताया कि उनकी नीतियां शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी ढांचे के सुधार पर केंद्रित होंगी। उन्होंने कहा कि पार्टी ज्वलंत समस्याओं के समाधान के लिए ठोस नीतियों के साथ चुनावी मैदान में उतरेगी।

चुनावी चिह्न निब पेन का अनावरण

प्रेस वार्ता के दौरान पार्टी के चुनावी चिह्न निब पेन का आधिकारिक रूप से अनावरण किया गया। यह चिह्न पार्टी की पहचान बनेगा और राज्य के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाएगा। पार्टी के नेताओं ने भरोसा जताया कि जनता इस चिह्न के माध्यम से उनकी पार्टी के विजन को समझेगी और व्यापक समर्थन प्रदान करेगी।

पांच विधानसभा सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा

विकास पार्टी ने गांडेय से नौशाद आलम, नाला से जयंतो बनर्जी, डुमरी से रकीब आलम, कोडरमा से कहकशां कमाल, और धनवार से मोहम्मद सगीर को अपना उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा बड़कागांव से मोहम्मद खिताब अनवर की उम्मीदवारी की भी घोषणा की गई है। यह प्रेस वार्ता झारखंड के राजनीतिक परिदृश्य में विकास पार्टी की सक्रियता का संकेत देती है। अब देखना यह है कि पार्टी अपनी नीतियों और योजनाओं को जनता तक किस हद तक पहुंचा पाती है और चुनावी मुकाबले में किस तरह का प्रदर्शन करती है।

दुमका में विजयादशमी की धूम, महिलाओं में दिखा सिंदूर खेला का उमंग, नाच-गाकर दी माता को विदाई

दुमकाः झारखंड की उपराजधानी दुमका में विजयादशमी की धूम है. मां दुर्गा के मंदिरों और पूजा पंडालों में सुहागिनों ने सिंदूर खेला खेलकर माता रानी को विदाई दी और उनसे अपने पति की लंबी उम्र की कामना की. साथ ही साथ मंदिरों से भक्त कलश लेकर ढाक - ढोल के साथ नाचते - गाते तालाब पहुंचे और कलश विसर्जन किया.

विजयादशमी पर दुमका में वातावरण पूरी तरह से भक्तिमय नजर आया. मां दुर्गा की जय-जयकार से माहौल हर तरफ गुंजयमान हो रहा है. ढाक - ढोल की आवाज चारों ओर सुनाई दे रही है. वैसे तो सभी लोगों में काफी उमंग है पर महिलाओं में काफी उत्साह नजर आया. मंदिरों और पूजा पंडालों में सिंदूर खेल कर उन्होंने एक दूसरे को बधाई दी. सुहागिन महिलाएं एक दूसरे के चेहरे पर सिंदूर लगाकर गले मिली. उन्हें विजयादशमी की बधाई दी. महिलाओं ने मां दुर्गा से अपने पति की लंबी उम्र की कामना की और समस्त समाज के लिए सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की.

विजयादशमी के मौके पर मंदिरों में स्थापित कलश की विशेष पूजा की गई और फिर मां दुर्गा को विदाई दी गई. बाद में धूमधाम से नाचते गाते से श्रद्धालुओं के द्वारा नवरात्र पर स्थापित कलश को जलाशय में विसर्जित किया गया. दुमका में मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन रविवार को किया गया।

घाघीडीह सेंट्रल जेल में विराजमान हुईं मां दुर्गा, कैदियों ने लिया माता का आशीर्वाद, धूमधाम से निकला विसर्जन जुलूस

जमशेदपुर । घाघीडीह सेंट्रल जेल में आयोजित दुर्गा पूजा के दशमी के दिन मां दुर्गा का विसर्जन किया गया. विसर्जन से पहले मां दुर्गा की प्रतिमा को ढाकी की धुन के साथ जेल के अंदर ले जाया गया. इस दौरान सेंट्रल जेल पूजा समिति के सदस्य मौजूद रहे. आपको बता दें कि सेंट्रल जेल प्रबंधन और जेल कर्मियों के सहयोग से जेल परिसर में मां दुर्गा की पूजा की जाती है. पूजा के दौरान भोग का भी वितरण किया जाता है. जेल में बंद कैदियों के बीच भोग का भी वितरण किया गया . पूजा का खर्च जेल प्रबंधन और जेल कर्मियों द्वारा वहन किया जाता है. विजयादशमी के दिन प्रसाद का वितरण किया गया . फिर मां की प्रतिमा को एक बड़े वाहन में सजाकर जेल के अंदर ले जाया जाता है. यह जेल के अंदर सभी वार्डों से होकर गुजरती है. जेल अधीक्षक और जेलर की मौजूदगी में यह आयोजन होता है. जेल के अंदर भ्रमण के बाद मां की प्रतिमा को बाहर लाया जाता है. इस दौरान मूर्ति को जेल कॉलोनी में घुमाया जाता है, जहां जेल अधीक्षक, जेलर और जेल कर्मियों के परिवार के सदस्य मां की पूजा करते हैं और उन्हें विदाई देते हैं.

बरकट्ठा प्रखंड में हर्षोल्लास व भक्ति-भाव के साथ मनाया गया दुर्गा पूजा का त्यौहार

संवाददाता सहबाज़ खान

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)।दुर्गा पूजा का त्यौहार बरकट्ठा प्रखंड में हर्षोल्लास व भक्ति-भाव के साथ मनाया गया। दुर्गा मंदिर बरकट्ठा में श्रद्धालुओं की भीड़ पूजा अर्चना के लिए उमड़ पड़ी थी।बरकट्ठा में शनिवार 12 अक्टूबर दशमी को भव्य मेला का आयोजन किया गया। मेला में खिलौने, मिठाई,चाट छोला, फास्ट फूड, जेनरल स्टोर, चप्पल जुता समेत विभिन्न प्रकार कि दुकानें लगाई गई थी।मेला में बरकट्ठा के अलावे आस पास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग सपरिवार मेला घूमने पहुंचे।पर्व को लेकर दुर्गा पूजा समिति बंडासिंघा मोड़ के द्वारा नवमी कि रात भक्ति जागरण का आयोजन किया गया. शुभारंभ मुखिया ललीता देवी ने किया।इस मौके पर बरकट्ठा सीओ श्रवण कुमार झा, गोरहर थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह, झारखंड आंदोलनकारी धीरेंद्र पांडेय, जिप सदस्य प्रतिनिधि सीके पांडेय मौजूद थे।

एल5 एल6 के वेतन पुन संरचना की जाएः सुनील कुमार साह

रांची : झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के महामंत्री सुनील कुमार साह ने मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन, झारखंड सरकार द्वारा विगत 08,10,24 को संपन्न कैबिनेट के इस निर्णय जिसमे सेवा शर्तों में विसंगति समाधान के लिए कमिटी बनाई जाएगी। इस निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग महासंघ माननीय मुख्यमंत्री महोदय झारखंड सरकार से किया है। वर्ष 2016 में ही सातवा वेतन आयोग की सिफारिश जिसमे कई संवर्गो का वेतनमान ,भत्ते की सुधार की गई थी, केंद्र सरकार द्वारा कई तिथियों में सुधार की गई,परंतु आज तक झारखंड में केंद्र के अनुरूप हू बहु सभी संवर्गो को वेतनमान, भत्ते, अन्य सुविधाएं नही दी जा रही है, वेतनमान, भत्ते ,एसीपी की सुधार के लिए पूर्व में भी कमिटी बनाई गई थी,आज तक कोई सुधार नहीं हुई। 8/,9,वर्षो से महासंघ कई संवर्गो का वेतनमान केंद्र के अनुरूप हू बहु देने की मांग करते रहा, माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन झारखंड सरकार से महासंघ को उम्मीद थी की सरकार वेतनमान / भत्ते,/ एसीपी को देने की घोषणा किया जाता,परंतु किमिटी बनाने की घोषणा कर महासंघ को घोर निराशा हुई है, राज्य कर्मियो के प्रति न्याय संगत निर्णय यही होता की राज्य सरकार मांगो को जो केंद्र के अनुरूप अनुशंसित है उसे तत्काल देने की घोषणा की जाती । विदित है सरकार के अधीन कुछ मुठ्ठी भर संवर्ग के लोग बिना कमिटी के ही वे लोग अपना सुधार राज्य सरकार से करा लेने में सफल रहे,परंतु क्षेत्रीय कर्मचारियों को मांगो को लेकर राज्य सरकार द्वारा केवल पीत पत्र/ पत्र देकर उम्मीद कायम की जाती रही है। कार्मिक विभाग में एक वर्ष से पीत पत्र पर आज तक कारवाई लंबित हैं,हाल में ही , माननीय मुख्यमंत्री महोदय के वरीय आप्त सचिव,श्री सुनील श्रीवास्तव द्वारा भी दिनांक 25,09,24 को पुनः सचिव, कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग झारखंड सरकार, को 21 सूत्री मांगो पर कारवाई हेतु पत्र भेजी गई है इसके साथ ही सचिव सहकारिता विभाग, झारखंड सरकार,,प्रधान सचिव, स्वास्थ्य विभाग , झारखंड सरकार, सचिव, ग्रामीण विकास विभाग झारखंड सरकार , उपायुक्त जामताड़ा,को लंबित मांगों पर कारवाई हेतु पत्र माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन झारखंड सरकार के निदेशानुसार भेजी गई है।महासंघ उम्मीद जताई है कि माननीय मुख्यमंत्री,झारखंड सरकार द्वारा आगामी कैबिनेट की बैठक जो संभवत दिनांक 14 ,10 , 24को होगी उक्त बैठक में सरकार के अधीन कार्यरत सहकारिता प्रसार पदाधिकारी संवर्ग/ निरीक्षक संवर्ग / पर्यवेक्षक संवर्ग को संशोधित वेतनमान 6500रु देने, ग्रेड पे 4600 रु देने , तथा एसीपी 8000- 13500 ग्रेड पे 5400 देने की घोषणा की जाएगी। इसके साथ ही JSLPS में कार्यरत डाटा एंट्री ऑपरेटर को मानव संसाधन नियमावली लेवल 7 में जोड़ने, ऑफिस बॉय/ ऑफिस अटेंडेंट जो चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी है उन्हे भारत सरकार द्वारा संशोधित मजदूरी 738 रु दिया जाय, इन कर्मियो को स्थाई समायोजन किया जाए। डाटा एंट्री ऑपरेटर को एकमुश्त मानदेय 34,800 रु राज्य सरकार के निर्णय के आलोक में दिया जाए। पंचायत सचिव संवर्ग को 2400 रु ग्रेड पे दिया जाय। एमपीडब्ल्यू कर्मचारी को स्थाई समायोजन किया जाए ।एल5 एल6 के वेतन पुन संरचना की जाए। आजीविका सीआरपी संवर्ग को 25000 मानदेय देने, सभी कर्मियो केंद्र के अनुरूप परिवहन भत्ता,शिक्षण भत्ता ,नही दी गई हैं,देने की कृपा की जाए। जनसेवक संवर्ग को उचित मांगो को लागू की जाय। सभी संविदा कर्मियो/ अनुबंध कर्मियो तथा सभी दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को स्थाई समायोजन करने की कृपा की जाए। इनकी सेवा 60 वर्ष की गारंटी की जैसी। राज्य में कार्यरत सभी संविदा कर्मी,अनुबंध कर्मी, दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को भी स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ देने की कृपा की जाए।महासंघ के 21सूत्री मांगों को अविलंब लागू की जाय। महासंघ के महामंत्री सुनील कुमार साह, अध्यक्ष देव नारायण सिंह मुंडा, संरक्षक गणेश प्रसाद सिंह, सम्मानित अध्यक्ष मुक्तेश्वर लाल,सचिव मन्नू प्रसाद तिवारी,उपाध्यक्ष सुरेश हाजरा,घर भरन राम, गणेश राम, करन गुप्ता, पंकज कुमार श्याम लाल पासवान, भरत उराव, रिंकू कुमार, ,रिजवान आलम, सनातन कुमार,रीना सिंह, अमरेंद्र कुमार, पवन कुमार, तोफिक आलम, मंगल हेंब्रम, अनिल कुमार, अशोक कुमार, बिनोद कुमार, आशिर्वाद महतो कौशल प्रसाद सिन्हा, अखिलेश कुमार अम्बाष्ट ,तब्बासु नाज, दुर्गेश चंद्रवंशी, सोनी कुमारी , शिवानी कुमारी आदि ने माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन, झारखंड सरकार जिनपर महासंघ को पूरी ,उम्मीद भरोसा है की वे राज्यकर्मियों की उचित मांगो पर आगामी कैबिनेट की बैठक में लागू करने की कृपा करेंगे।

रांची में ट्रक की चपेट में आकर दो युवकों की मौत, एक की हालत गंभीर

रांची : रांची के बुढ़मू प्रखंड में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गयी. घटना शुक्रवार दोपहर तिलैया घाटी की है. मृतकों की पहचान खपिया गांव का रहने वाला पवन शर्मा और पंकज शर्मा के रूप में हुई है, जबकि बहन रेखा कुमारी घायल हो गयी. जानकारी के अनुसार उनकी मोटरसाइकिल को एक ट्रक ने अपनी चपेट में ले लिया. जिससे उनकी जान चली गयी. फिलहाल पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई में जुट गयी है.

पीछे से आ रही ट्रक ने लिया चपेट में

जानकारी के अनुसार मृतक पवन, पंकज अपनी बहन के साथ बाइक पर सवार होकर नवाडीह से खपिया की ओर जा रहे थे. इस दौरान पीछे से आ रही एक ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया. जिससे दोनों युवकों की मौत घटनास्थल पर ही हो गयी. स्थानीय लोगों की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया. जबकि घायल युवती रेखा कुमारी को सीएचसी बुढ़मू में इलाज के लिए भर्ती कराया.

प्राथमिक इलाज के बाद घायल युवती को रिम्स रेफर किया गया

प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रिम्स रांची रेफर कर दिया. जहां उसका इलाज चल रहा है, लेकिन स्थिति नाजुक है. घायल युवती के सिर और पैर में गहरी चोट लगी है. पुलिस ट्रक को जब्त कर आगे की कार्रवाई कर रही है. वहीं, वाहन चालक घटना के बाद ट्रक को घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गया है. पुलिस की छानबीन जारी है.

झारखंड में हजारीबाग के रास्ते मानसून की विदाई:अब ठंड की होगी एंट्री; आज बंगाल से सटे कुछ इलाके में हो सकती है बारिश

रांची: झारखंड में धीरे-धीरे मानसून की विदाई शुरू होने लगी है। यह विदाई हजारीबाग के रास्ते हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले दो दिनों में हल्की-फुल्की बारिश के साथ ही मानसून पूरी तरह से विदा हो जाएगा। मानसून के विदा होने के साथ ही राज्य में ठंड की शुरुआत हो जाएगी। दिन में हल्की धूप तो रात में सिहरन महसूस होगी। मौसम विभाग ने अधिकतम तापमान को लेकर रिपोर्ट जारी की है, जिसमें बताया गया है कि अगले पांच दिनों तक राज्य के अधिकतम तापमान में विशेष बदलाव की संभावना नहीं है। वहीं, लो प्रेशर की वजह से पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां के अलावा सिमडेगा में हल्की बारिश हो सकती है। झारखंड में बंगाल की सीमा से सटे चार जिलों में आज बारिश के आसार नजर आ रहे हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि बंगाल की खाड़ी में एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बन रहा है। यह आज या कल तक लो प्रेशर एरिया में बदल सकता है। ऐसा होने का असर झारखंड के कुछ जिलों में पड़ सकता है। जिस वजह से बारिश की संभावना बन रही है।

24 घंटे में हुई हल्की बारिश

मौसम विज्ञान केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक 24 घंटे में झारखंड में कुछ जगहों पर ही हल्के दर्जे की बारिश हुई है। आंकड़ों के मुताबिक सबसे अधिक बारिश गुमला के रायडीह में हुई। यहां का आंकड़ा 6.4 मिमी दर्ज किया गया है। इस दौरान सबसे अधिक तापमान सरायकेला-खरसावां जिले के सरायकेला में और सबसे कम तापमान राजधानी रांची में रिकॉर्ड किया गया। सरायकेला का उच्चतम तापमान 36.3 डिग्री और रांची का न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

राजधानी में एसटी छात्र-छात्राओं को रहने के लिए बेड की कमी नहीं होगी, वीमेंस कॉलेज व करमटोली में बनेगा हॉस्टल

रांचीः राजधानी रांची में पठन-पाठन करने के लिए आने वाले अनुसूचित जनजाति छात्र-छात्राओं के लिए जल्द ही दो नये हॉस्टल बनेंगे. दोनों छात्रवासों को मिलाकर करीब 1028 बेड

उपलब्ध हो जायेंगे. सरकार से इसकी मंजूरी मिल गयी है. अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग विभाग ने आदिवसी हॉस्टल करमटोली चौक में छात्रों के लिए 520 श्यया व वीमेंस कॉलेज साइंस ब्लॉक में छात्राओं के लिए 528 श्य्या वाले छात्रवास निर्माण की स्वीकृति दी है. इन छात्रवासों में संबंधित कोटि के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए निःशुल्क आवासन की सुविधा दी जायेगी. करमटोली में बने छात्रों के लिए छात्रवास जी प्लस छह होगा. वहीं गर्ल्स हॉस्टल जी. प्लस सेवन होगा. दोनों छात्रवासों के निर्माण में करीब 49 करोड़ खर्च किए जायेंगे. इन छात्रवासों में फायर फाइटिंग सिस्टम, पेयजल की सुविधा सहित तमाम आधुनिक सुविधा उपलब्ध होगी. कैंटिन भी होगा.

14वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024: रांची में 19 अक्टूबर को हॉकी झारखंड का ट्रायल

रांचीः 04 से 15 नवम्बर तक चेन्नई (तमिलनाडु) में 14वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 का आयोजन होना है. इसमें झारखण्ड हॉकी टीम की भी भागीदारी होनी है. इसके लिए झारखंड के हॉकी खिलाड़ियों का चयन ट्रायल 19 अक्टूबर को सुबह 09.00 बजे से मरांग गोमके जयपाल सिंह अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम मोरहाबादी, रांची में होगा. इस ट्रायल में झारखंड के कोई भी पुरुष हॉकी खिलाड़ी भाग ले सकते हैं. चयन ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ी अपने साथ आधार कार्ड, नगर निगम या पंचायत द्वारा निर्गत जन्म प्रमाण पत्र तथा हॉकी इंडिया का आईडी कार्ड साथ में लाएंगे.

विस चुनाव पहले ऑनलाइन आवेदन करने वाले 1487 पुलिसकर्मियों का तबादला

रांचीः झारखंड पुलिस मुख्यालय ने विधानसभा चुनाव से पहले बड़े पैमाने पर पुलिस कर्मियों का तबादला किया है. पुलिस मुख्यालय ने क्यूआर कोड के जरिये ऑनलाइन आवेदन करने वाले 1487 पुलिसकर्मियों का ट्रांसफर किया है. इनमें सिपाही और हवलदार स्तर के पुलिसकर्मी शामिल हैं. गौरतलब है कि बीते दिनों पुलिस मुख्यालय ने आदेश जारी कर कहा था कि गढ़वा, पलामू, लातेहार, चाईबासा, चतरा, लोहरदगा, सिमडेगा, खूंटी, गुमला, साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़ और जामताड़ा के अलावा जंगल वार फेयर स्कूल नेतरहाट और सीटीसी मुसाबनी में सिपाही और हवलदार को पदस्थापित किया जाना है. जो पुलिसकर्मी इन जगहों पर जाने को इच्छुक हैं, वो क्यूआर कोड लिंक के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बटन दबाकर किया रावण दहन, कहा - भगवान राम के आदर्शों को अपनाएं

रांचीः झारखंड की राजधानी रांची में विजयदशमी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया. इस अवसर पर ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में बुराई के प्रतीक रावण का पुतला दहन किया गया. इस साल पंजाबी हिंदू बिरादरी रांची की ओर से रावण दहन के लिए 70 फीट ऊंचा रावण का पुतला बनाया गया था, जिसका दहन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया. इस अवसर पर उन्होंने राज्यवासियों को दशहरा की हार्दिक बधाई दी और भगवान राम के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया.

शनिवार को मोरहाबादी में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम से पहले राम दरबार सजा. मुख्य अतिथि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भगवान श्री राम, माता जानकी सीता, लक्ष्मण और हनुमान को तिलक लगाने के बाद उनकी आरती उतारी. मुख्यमंत्री के बाद केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ, रांची के विधायक सीपी सिंह ने भी राम दरबार की आरती उतारी. इसके बाद मुख्यमंत्री को पगड़ी पहनाकर, चुनरी ओढ़ाकर, मोमेंटो यानी स्मृति चिह्न देकर उनका स्वागत किया गया. संजय सेठ, सीपी सिंह का भी पंजाबी हिंदू बिरादरी की ओर से स्वागत किया गया. स्वागत समारोह के बाद रामलीला का संक्षिप्त मंचन किया गया, जिसमें रावण वध की झांकी दिखाई गई.

इससे पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रांची और झारखंड के सभी लोगों को दशहरा की शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कि रावण दहन से राज्य और देश को ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान से एक संदेश जाएगा. उन्होंने कहा कि रावण दहन बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है. यह संदेश देता है कि असत्य पर हमेशा सत्य की विजय होती है.

हेमंत सोरेन ने यह भी कहा कि भगवान श्रीराम ने एक संदेश दिया था. आज भी वह संदेश ब्रह्मांड में गूंज रहा है. हमें रावण दहन के अवसर पर इस बात का संकल्प लेना होगा कि हम भगवान श्रीराम के आदर्शों का पालन करें.

इससे पहले 5 मिनट से अधिक देर तक शानदार आतिशबाजी हुई. रावण दहन से पहले भगवान हनुमान ने सोने की लंका का दहन किया. इसके बाद रांची के विधायक सीपी सिंह ने मेघनाद के पुतले का दहन किया. फिर रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कुंभकर्ण और सबसे अंत में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रावण के पुतले का दहन किया.

रावण दहन से पहले कुंभकर्ण को जलाया गया.

इस दौरान मंच से लेकर ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में मौजूद श्रद्धालुओं ने जय श्री राम के नारे लगाए. पंजाबी हिंदू बिरादरी रांची के अध्यक्ष ने अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम के समापन के बाद दशहरा कमेटी के अध्यक्ष ने धन्यवाद ज्ञापन किया.

रांची में ईडी ने फिर की कार्रवाई:सुजाता चौक के पास प्रदीप गुप्ता के यहां कार्रवाई, छोटे बेटे को साथ ले गई टीम

रांची : ईडी ने फिर कार्रवाई की है। यह कार्रवाई पैसे लेकर ईडी से केस मैनेज करने के मामले को लेकर की गई है। पैसे लेकर केस मैनज करने का आरोप अधिवक्ता सुजीत कुमार पर लगा है। आज सुबह पांच बजे से टीम ने कार्रवाई की। प्राप्त जानकारी के मुताबिक ईडी ने सुजाता सिनेमा के बगल में स्थित पटेल कंपाउंड पहुंची। जानकारी के मुताबिक यहां प्रदीप गुप्ता नाम का व्यक्ति रहता है। इसका संपर्क आरोपी अधिवक्ता सुजीत कुमार से है। टीम यहां सुबह पांच बजे पहुंची। लगभग पांच घंटे तक जांच-पड़ताल और पूछताछ के बाद टीम लगभग 10 बजे वापस चली गई। सूचना के मुताबिक जांच टीम कार्रवाई समाप्त कर प्रदीप गुप्ता के छोटे बेटे को अपने साथ लेकर गई है।

मंगलवार को की थी कार्रवाई

बीते मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय ने ईडी के अफसरों को मैनेज करने के नाम पर हुई 6 करोड़ रुपए की ठगी मामले में आठ ठिकानों पर छापेमारी की

थी। छापेमारी के दायरे में कांके अंचल के वर्तमान सीओ जयकुमार राम, पूर्व सीईओ प्रभात भूषण और दिवाकर द्विवेदी के अलावा अधिवक्ता सुजीत कुमार और जमीन कारोबारी संजीव पांडे का नाम शामिल है। ठगी का यह प्रकरण जमीन कारोबारी कमलेश सिंह के खिलाफ ईडी द्वारा दायर मामले से संबंधित है। कार्रवाई के दौरान जमीन में गड़बड़ी से संबंधित दस्तावेज भी जप्त किए गए थे।

छापेमारी के पीछे की कहानी समझिए

पूरा मामला रांची में जमीन घोटाले की जांच कर रही ईडी को मैनेज करने के लिए मांगे गए करीब 6 करोड़ की राशि से जुड़ा है। जमीन घोटाले की जांच में कांके सीओ जय कुमार राम और तत्कालीन नामकुम सीओ प्रभात कुमार सिंह के अलावा धनबाद डीटीओ और कांके के तत्कालीन सीओ सीपी दिवाकर द्विवेदी पर 5.71 करोड़ रुपए में डील करने का आरोप लगा है। जमीन कारोबारी संजीव कुमार पांडे ने पंडरा ओपी में वकील सुजीत कुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है, जिसमें इस बात का जिक्र किया गया है।

ईडी को मैनेज करने के लिए मांगे 5.71 करोड़

जमीन कारोबारी ने बताया है कि ईडी को मैनेज करने के लिए कांके सीओ जय कुमार राम से 3.40 करोड़, नामकुम के तत्कालीन सीओ प्रभात कुमार सिंह से 1.05 करोड़ और धनबाद डीटीओ व कांके के तत्कालीन सीओ सीपी दिवाकर द्विवेदी से एक करोड़ समेत कुल 5.71 करोड़ रुपए लिए थे। कांके सीओ जय कुमार राम ने अपने परिचित अमन और धनबाद डीटीओ सीपी दिवाकर द्विवेदी ने अपने भाई के माध्यम से पैसा दिए। ईडी की चार्जशीट में जब सभी के नाम सामने आए तो वह नामकुम के तत्कालीन सीओ प्रभात कुमार सिंह, धनबाद डीटीओ व कांके के तत्कालीन सीओ सीपी दिवाकर द्विवेदी और कांके सीओ जय कुमार राम के परिचित अमन के साथ 2 अक्टूबर की सुबह वकील के पंडरा स्थित कार्यालय पहुंचे और पैसे वापस करने को कहा। वकील ने एसबीआई खाते के 54 चेक काट कर दिए। वकील ने यह लिख कर भी दिया कि 4 किश्त में सारा पैसा चुका देंगे। संजीव कुमार पांडे ने प्राथमिकी में बताया है कि कांके सीओ जय कुमार राम ने अपने परिचित अमन के माध्यम से वकील को पैसे के अलावा एक आईफोन भी दिया है।

रांची में मोबाइल टावर में लगी आग, मची अफरा-तफरी

रांची: राजधानी के कोतवाली थाना क्षेत्र में स्थित एक मोबाइल टावर में आग लग गई, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई. समय पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया.

क्या है पूरा मामला

रांची के अल्बर्ट एक्का चौक के पास स्थित राम कृष्ण अपार्टमेंट में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अपार्टमेंट की छत पर लगे मोबाइल टावर में अचानक आग लग गई. टावर में आग लगने के कारण आसपास के घरों पर चिंगारियां गिरने लगीं. जिसके बाद हर तरफ अफरा-तफरी मच गई.

मामले की सूचना सबसे पहले फायर ब्रिगेड और फिर थाने को दी गई. मौजूद लोगों ने भी अपार्टमेंट की बिजली काटकर आग पर काबू पाना शुरू कर दिया. इसी बीच फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया. कोतवाली थाना प्रभारी रंजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है. आग से सिर्फ मोबाइल टावर को नुकसान पहुंचा है.

मोबाइल कंपनी को दी गई सूचना

अपार्टमेंट की छत पर लगे टावर में आग लगने के कारण टावर पूरी तरह से काम करना बंद कर दिया है. अपार्टमेंट के केयरटेकर ने मोबाइल नेटवर्क कंपनी को इसकी सूचना दे दी है.

शॉर्ट सर्किट से लगी आग

स्थानीय लोगों ने बताया कि अचानक टावर से कुछ चिंगारियां निकलती दिखाई दीं और देखते ही देखते आग लग गई. अब तक की जांच में पता चला है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी.

रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर: 3.76 किमी में से 2.33 किमी मुख्य फ्लाईओवर बना, अब 5 फरवरी तक पूरा होगा काम

रांचीः चार जनवरी 2025 तक रातू रोड फ्लाईओवर का काम पूरा होता नहीं दिख रहा है. इस वजह से एनएचएआई झारखंड ने केंद्र सरकार से इसे पूरा कराने के लिए तय समय से कुछ अधिक एक्सटेंशन मांगा है. एनएचआई के अधिकारियों ने कहा कि वर्तमान प्रगति को देखते हुए जनवरी में इसे पूरा कराना मुश्किल है, सर्विस रोड, ड्रेन, रैंप सहित फ्लाईओवर के काम बाकी हैं, ऐसे में फरवरी-मार्च तक ही इसे पूरा कराया जा सकेगा. हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि 2025 के अंत तक ही काम पूरा हो पायेगा. मिली जानकारी के अनुसार 3.76 किमी लंबे इस एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण कार्य 2.33 किमी तक पूरा हो गया है. यानी इनमें उपर से रोड को पूरी तरह से ढाल दिया गया है. अभी इटकी रोड में काम बाकी है. रातू रोड रेडियो स्टेशन से राजभवन तक काम चल रहा है, जिसमें अभी समय लगेगा. लगभग 1.43 किमी फ्लाईओवर के बचे हुए पार्ट को अगले पांच माह में बनाने का प्रयास चल रहा है. बता दें कि, इस एलिवेटेड कॉरिडोर पांच सौ करोड़ से अधिक लागत में केसीसी बिल्डकॉन बनवा रहा है. यह पूरी तरह से फोरलेन फ्लाइओवर होगा जो राजधानी के एनएच 75 में बन रहा है. रायपुर-धनबाद कॉरिडोर का भी हिस्सा होगा. इसके पूर्ण होने की तिथि है चार जनवरी 2025. एनएचएआई यह मान कर चल रहा है कि अगर एक माह का एक्सेटेंशन मिलेगा, तो पांच फरवरी 2025 तक मुख्य फ्लाईओवर बनकर तैयार हो जायेगा,लेकिन अन्य कार्य को करने में और समय लगेगा. मेंबर सचिव भारत सरकार ने हर हाल में मुख्य एलिवेटेड कॉरिडोर को तय समय पर पूरा करने का निर्देश एनएचएआइ के अधिकारियों को दिया है.

मुख्य फ्लाईओवर के अलावा सर्विस रोड, नाली निर्माण इत्यादि का काम करना है. परियोजना में विलंब होने में अतिक्रमण, स्ट्रक्चर को हटाने, मंदिर को हटाने सहित अन्य निर्माण कार्य में स्थानीय विरोध का भी सामना करना पड़ा जिसे स्थानिय जिला प्रशासन की सहयोग से दूर किया गया. इसके बावजूद तय समय सीमा से करीब दो-तीन माह नाली निर्माण व सर्विस रोड इत्यादि बनाने में लग जायेंगे. टाइम एक्ससेंटन व नाली-निर्माण इत्यादि अन्य कार्य अवधि बढ़ाने के लिए नये सिरे से प्रस्ताव भेजने की तैयारी की जा रही है.

मनरेगा कर्मियों ने प्रोजेक्ट भवन में प्रवेश की अनुमति मांगी

झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ ने राज्य सरकार से 14 अक्टूबर को कैबिनेट की बैठक के दिन प्रोजेक्ट भवन में संघ के कर्मियों को प्रवेश की अनुमति मांगी है. महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष महेश सोरेन ने बताया कि कैबिनेट के अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्री और राज्य के मुख्यमंत्री को इस अवसर पर धन्यवाद दिया जाएगा. अनुबंध कर्मचारी महासंघ के अंग झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के करीब 500 लोगों को प्रोजेक्ट भवन में प्रवेश दिलाने की मांग की गई है.

रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता के पिता की चाकू से गोदकर हत्या

रांची : रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता के पिता की हत्या कर दी गयी है. यह घटना जिले के चान्हो थाना क्षेत्र के मसमानो गांव की है, जहां रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता सुशांत सिंह के पिता अशोक सिंह की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गयी. पुलिस ने शनिवार को रिम्स में शव का पोस्टमार्टम करवाया. इसके बाद गांव लेकर पहुंचे और शनिवार देर शाम पुलिस की निगरानी में अंतिम संस्कार किया गया. बताया जाता है कि अशोक सिंह की हत्या जमीन विवाद में हुई है. इस मामले में पुलिस ने छह से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है और सभी से पूछताछ चल रही है. घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि 62 वर्षीय अशोक सिंह शुक्रवार को घर से 50 मीटर की दूरी पर अपनी भैंस को बांध रहे थे. उसी समय कई लोग आये और अशोक सिंह की चाकू गोदकर हत्या कर दी. घटना को अंजाम देने के बाद सभी फरार हो गये. जैसे ही घटना की जानकारी अन्य लोगों को मिली, वहां भीड़ जुटने लगी. पुलिस भी सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा. पोस्टमार्टम के बाद शनिवार देर शाम शव को गांव लाया गया और पुलिस की निगरानी में अंतिम संस्कार किया गया. बताया जाता है कि अशोक सिंह की हत्या जमीन विवाद में हुई है.

चंपाई सोरेन ने किया 71 फीट ऊंचे रावण का दहन, बोले- अत्याचार-दुराचार फैलाने वालों को रावण की तरह जला देना है

रांची/सरायकेला: जिले के कांड्रा एसकेजी मैदान में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी विजयादशमी के उपलक्ष्य पर रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के

रूप में रावण दहन करने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा नेता चंपाई सोरेन पहुंचे. रावण दहन कार्यक्रम के मौके पर चंपाई सोरेन ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि अत्याचारी रावण को जलाकर असत्य पर सत्य की जीत हुई. विजयादशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है. प्रतिवर्ष हम रावण को जलाते हैं. ठीक उसी प्रकार समाज में अत्याचार-दुराचार फैलाने वाले लोगों को रावण की तरह जला देना है. चंपाई ने कहा कि अच्छाई का यह प्रतीक हमें संदेश देता है कि समाज में मिलजुल कर रहना है. आपसी भाईचारे को बढ़ाना है. चंपाई ने कहा कि कांड्रा रावण दहन कमेटी अच्छाई के प्रतीक को समाज में फैला रहा है, जो काबिले तारीफ है. चंपाई सोरेन ने कहा कि असत्य के मार्ग पर चलने वालों को समाज कभी अपना नहीं सकता. रावण दहन के मौके पर कांड्रा एसकेजी मैदान में भव्य आतिशबाजी का कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसे देखने दूर दराज क्षेत्र से हजारों की संख्या में लोग यहां पहुंचे. रावण दहन देखने के लिए मैदान में उमड़ी भीड़ का उत्साह देखने लायक था. कार्यक्रम में मुखिया पियो हांसदा, राम हांसदा, पिंकी मंडल, बबलू सोरेन आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे.

एनसीपीसीआर ने राज्यों से मदरसों को बंद करने और उनके वित्त पोषण बंद करने का किया आग्रह

रांचीः राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखा है. एनसीपीसीआर ने अपने पत्र में मुख्य सचिवों से मदरसा बोर्डों को बंद करने और मदरसों व मदरसा बोर्डों को राज्य वित्त पोषण बंद करने की सिफारिश की है. साथ ही मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों को औपचारिक स्कूलों में नामांकित करने को कहा है. एनसीपीसीआर ने यह पत्र एक हालिया रिपोर्ट के साथ भेजा है, जिसका शीर्षक है 'विश्वास के संरक्षक या अधिकारों के दमनकर्ता- बच्चों के संवैधानिक अधिकार बनाम मदरसे'. इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मदरसे बच्चों के शैक्षिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं. आयोग की इस सिफारिश पर कांग्रेस ने कहा कि वह पत्र पढ़ने के बाद टिप्पणी करेगी, लेकिन पार्टी के कर्नाटक में

इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, बायोटेक, ग्रामीण विकास और पंचायती राज के कैबिनेट मंत्री ने कहा कि आयोग को राज्यों से वित्त पोषण बंद करने और मदरसों को बंद करने के लिए कहने के बजाय, आदर्श रूप से उपाय देना चाहिए. उन्होंने एक अंग्रेजी दैनिक अखबार को बताया कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा मदरसा शिक्षकों के वेतन को तीन गुना करने का फैसला करने के कुछ दिनों बाद यह विकास देखना बहुत विरोधाभासी है.

केंद्र में बीजेपी की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी के प्रवक्ता एके बाजपेयी ने कहा कि अगर कोई मदरसा अवैध रूप से चल रहा पाया जाता है तो उसे बंद कर दिया जाना चाहिए. लेकिन अंधाधुंध कुछ नहीं किया जाना चाहिए. उन्होंने अंग्रेजी दैनिक द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि उन्हें पता नहीं था कि एनसीपीसीआर ने राज्यों से कोई प्रतिकूल रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद पत्र लिखा था या नहीं. सभी मदरसों का उचित सर्वेक्षण किया जाना चाहिए ताकि पता चल सके कि कोई अनियमितता तो नहीं है. और अगर कोई अवैधता पाई जाती है तो उन्हें खुद को समझाने का पर्याप्त अवसर दिया जाना चाहिए. समाजवादी पार्टी के सांसद और प्रवक्ता आनंद भदौरिया ने कहा कि एनसीपीसीआर का पत्र राजनीतिक रूप से प्रेरित लगता है और इसका उद्देश्य समाज में घृणा और विभाजन पैदा करना है. कई मदरसे उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं और विद्वान तैयार कर रहे हैं, लेकिन लंबे समय से भ्रांति पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है. इसके अलावा आर्थिक रूप से गरीब परिवारों के बच्चे यहां पढ़ते हैं. इसलिए इस हास्यास्पद पत्र को वापस लेना होगा.

पत्र में दावा किया गया है कि धार्मिक संस्थानों को आरटीई अधिनियम, 2009 से छूट देने के कारण केवल धार्मिक संस्थानों में पढ़ने वाले बच्चों को औपचारिक शिक्षा प्रणाली से बाहर कर दिया गया और जबकि संविधान के अनुच्छेद 29 और 30 अल्पसंख्यक अधिकारों की रक्षा करते हैं. इन स्कूलों के बच्चे आरटीई अधिनियम के तहत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की समान पहुंच से वंचित थे. इसमें कहा गया है कि जो बच्चों को सशक्त बनाने के लिए था, उसने अंततः गलत व्याख्या के कारण वंचितता और भेदभाव की नई परतें बनाईं.

प्रियांक खड़गे ने कहा कि एएसईआर जैसी रिपोर्टें भी राज्य भर में सरकारी स्कूलों में खामियों की ओर इशारा करती हैं. क्या इसका मतलब है कि आप उन्हें बंद कर दें और सरकारें उन्हें चलाना बंद कर दें? रिपोर्ट कानून नहीं है. राज्य सरकार रिपोर्ट का विस्तार से अध्ययन करेगी, उसके निष्कर्ष, कार्यप्रणाली और उसके आधार पर कॉल लेगी.

दशहत फैलाने का शौक, पूजा पंडाल में की अंधाधुंध फायरिंग, 4 घायल

आरा(ईएमएस)। बिहार में अपराधों की कोई कमी नहीं है। दावे और हकीकत में जमीन आसमान का अंतर है। यहां आए दिन हत्याएं हो रहीं है। नवादा थाना क्षेत्र के मौलाबाग स्थित पूजा पंडाल में रविवार की सुबह बाइक सवार हथियारबंद बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। फायरिंग के दौरान पूजा समिति के सदस्य सहित चार लोगों को गोली लग गई। घटना को अंजाम देने के बाद बाइक सवार बदमाश हथियार लहराते हुए मौका से फरार हो गए। सभी ज़ख्मियों को इलाज के लिए आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल लाया गया. जहां उनका इलाज कराया जा रहा है।घायलों का इलाज कर रहे सर्जन चिकित्सक डॉक्टर विकाश सिंह ने बताया कि गोली से जख्मी

हालत में चार लोग यहां आए थे। जिनमें दो लोगों को पेट,एक को थाई एवं एक को पैर में गोली लगी है। जिन दो लोगों को पेट में गोली लगी है, उनमें से एक ऑपरेशन कर बुलेट निकाल दिया गया है और दूसरे का ऑपरेशन चल रहा है। दो लोग हैं, जिसमें एक को पैर और दूसरे को जांघ में गोली लगी है। उनका भी बुलेट निकाल दिया गया है और सभी स्टेबल है। घटना की जानकारी मिलते ही गश्ती में तैनात दरोगा वाहिद अली

घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच में जुट गई है।

पुलिस आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। जख्मी सुनील कुमार यादव ने बताया कि वे लोग रविवार की सुबह पंडाल में कुर्सी लगाकर बैठे हुए थे। तभी दो बाइक पर सवार कुछ हथियारबंद बदमाश पंडाल में आए और अंधाधुंध फायरिंग करनी शुरू कर दी। जिसमें सभी लोगों को गोली लग गई। इसके बाद वे लोग वहां से फरार हो गए।

संक्षिप्त ख़बरें

दो बाइकें भिड़ीं 4 की मौत

नालंदा(ईएमएस)। नालंदा जिले के सरमेरा थाना इलाके के बढ़िया मोड़ के पास तेज रफ्तार से आ रही दो बाइकों की आमने सामने भिड़ंत हो गई। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। जबकि दोनों बाइक पर तीन तीन लोग सवार थे। मृतकों में तीन शेखपुरा के रहने वाले थे। दोनों बाइक पर सवार सभी लोग दशहरा मेला घूमने आए थे। इसी दौरान यह भीषण हादसा हुआ है। मृतकों की पहचान 22 साल के राजन कुमार, शशि रंजन कुमार, सोनू कुमार और बॉस कुमार के तौर पर हुई है। बॉस कुमार के बारे में बताया जा रहा है कि वो गया का रहने वाला था।पुलिस ने बताया है कि गस्ती के दौरान पुलिस को इस हादसे की सूचना मिली। हादसे के बाद सभी के घरवालों को सूचना दी गई थी। चार लोगों की मौत से घरवालों के बीच मातम पसर गया। मृतकों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों ही मोटरसाइकिलों के परखचे उड़ गए। हादसे के बाद पुलिस ने सभी को इलाज के लिए बिहारशरीफ के सदर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया था लेकिन चार लोगों की मौत हो गई। हादसे में दो युवक घायल हैं और उनका इलाज चल रहा है। घायलों की पहचान सूरज कुमार और राज हंस के रूप में हुई है। दोनों घायलों का इलाज पावापुरी मेडिकल अस्पताल विम्स में चल रहा है। बताया जा रहा है कि दोनों की स्थिति नाजुक बनी हुई है।

2 आरोपियों की रहस्यमयी मौत

जहानाबाद(ईएमएस)। बिहार के जहानाबाद में काला जादू करने के आरोपी दो व्यक्ति रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान काशी चंद्रवंशी और रामबली यादव के रूप में हुई है, दोनों को गोली लगी है। वास्तविक कारण अज्ञात है। वहीं, ग्रामीणों का दावा है कि दोनों काले जादू में शामिल थे। मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच की जा रही है। काको थाने के एसएचओ सुनील कुमार ने शुक्रवार को यह जानकारी दी है।पुलिस का कहना है कि मामले में एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं, ग्रामीणों का दावा है कि दोनों काले जादू में शामिल थे। काको थाने के एसएचओ सुनील कुमार ने बताया, ग्रामीणों के अनुसार, चंद्रवंशी और यादव गुरुवार रात से लापता थे। शुक्रवार सुबह हमें जिले के एनवा गांव में एक तालाब के पास झाड़ी में दो शव पड़े होने की सूचना मिली। हम मौके पर पहुंचे और शवों को कब्जे में लिया, जिन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बता दें कि बिहार के औरंगाबाद जिले में जादू-टोना करने के संदेह में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई थी।

बाबा सिद्दीकी की हत्या ने 'चरमराती' कानून व्यवस्था की स्थिति को उजागर किया : यादव

पटना,(ईएमएस)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या पर दुख व्यक्त करते हुए रविवार को कहा कि इस घटना ने महाराष्ट्र में 'चरमराती' कानून-व्यवस्था की स्थिति को उजागर कर दिया है।तेजस्वी यादव ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि यह घटना चौंकाने वाली और दुखद है। मैं बाबा सिद्दीकी को व्यक्तिगत रूप से जानता था क्योंकि वह बिहार के गोपालगंज जिले के मूल निवासी थे। अगर मुंबई जैसे शहर में, खासकर बांद्रा इलाके में ऐसी घटना हो सकती है तो फिर कहा जा सकता है कि वहां कोई भी सुरक्षित नहीं है।उन्होंने आगे कहा कि यह महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था की चरमराती स्थिति को दर्शाता है। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं बाबा सिद्दीकी के परिवार के साथ हैं। हम चाहेंगे कि इसका जो मास्टरमाइंड वह जल्द से जल्द पकड़ा जाए और उसे कड़ी सजा दी जाए।

मेला देखने गई महिला से छेड़छाड़ मारपीट में गर्भवती महिला समेत 9 घायल

पटना,(ईएमएस)। बिहार के विकास नगर में महिला से छेड़खानी को लेकर बवाल हो गया। दो पक्ष आमने-सामने आ गए। मारपीट में दोनों पक्ष के नो लोग घायल हो गए हैं। घायलों में एक गर्भवती महिला भी है। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पुलिस के मुताबिक पीड़िता ने बताया कि चोन्दी मोहल्ले में पति के साथ किराए के घर में रहती है। दशहरे यानी विजयदशमी के दिन पति, बच्चों और परिजनों के साथ मेला देखने पंचशील नगर आई थी। घर लौटते समय तीन लोगों ने उसके साथ छेड़खानी कर दी। विरोध करने पर पति के साथ मारपीट करने लगे। मेरा मायके भी पास में ही था। बच्चों ने घटना की सूचना परिजनों को दी, जिसके बाद सभी मौके पर पहुंच गए। पीड़िता के भाई ने बताया कि जब हमलोग घटनास्थल पर पहुंचे तो 10 से 12 लोग मेरे बहनोई के साथ मारपीट कर रहे थे। हम लोगों से मारपीट करने लगे। मारपीट में अक्षय कुमार, गौरव कुमार, सौरव कुमार, राहुल कुमार, मिथुन कुमार घायल हो हुए हैं।वहीं, दूसरे पक्ष के बिट्टू ने बताया कि वह आपस में बातचीत कर रहे थे। महिला को लगा को उसके बारे में बात कर रहे हैं। इस बीच अचानक महिला के समर्थन में कुछ लोग वहां आ गए और मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव में कुसुम देवी, शर्मीला देवी, सुशीला देवी और पम्मी कुमारी घायल हो गईं। पम्मी गर्भवती है, उसे भी नहीं छोड़ा। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में मौजूद बाढ़ थाना के एएसआई धर्मेंद्र कुमार ने इस मामले में कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया।

रावण दहन करते समय हुआ बैकफायर सांसद पप्पू यादव के पेट में घुसा रॉकेट

पूर्णिया,(ईएमएस)। बिहार के पूर्णिया में दशहरे पर रावण दहन के दौरान एक हादसा हो गया जिसमें पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव विजयादशमी पर रावण दहन कार्यक्रम में शामिल हुए। रावण दहन के लिए पप्पू यादव ने जैसे ही पटाखे में आग लगाई तो रॉकेट से बैकफायर हुआ और उनके पेट में घुस गया, जिससे पप्पू यादव की शर्ट में आग लग गई। वह बाल-बाल बच गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।राहत की बात यह रही कि इस दौरान किसी भी तरह का हादसा नहीं हुआ, लेकिन पप्पू यादव की शर्ट में आग लग गई। इस घटना से कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया था।इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पप्पू यादव के हाथ में पटाखा जलता हुआ देखा जा सकता है। उनके साथ पुलिस अधिकारी भी पटाखे को हाथ में पकड़े हैं तभी अचानक वह रॉकेट से बैकफायर हो जाता है और पप्पू यादव के पेट पर जाकर लगता है और उनकी शर्ट में आग लग जाती है। इस दौरान लोग पप्पू यादव को बचाने की कोशिश करते हैं। उनकी आंखों को हाथों से ढंकते हैं। हालांकि पप्पू यादव उस पटाखे को छोड़ते नहीं हैं। इसके बाद स्थिति सामान्य हुई हो रावण दहन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

दवाओं की सामग्री बनाने वाली फैक्ट्रियों की जाँच बारीकी से करें : कलेक्टर

ग्वालियर (ईएमएस) | अंग्रेजी, आयुर्वेदिक एवं अन्य चिकित्सा पद्धतियों की दवाओं व लिकर इत्यादि के निर्माण में उपयोग में लाई जाने वाली सामग्री तैयार करने वाली फैक्ट्रियों की बारीकी से जाँच करें। जाँच के दौरान खासतौर पर देखें कि फैक्ट्री में जिसकी अनुमति है, उसके अलावा कोई अन्य नशीला ड्रग्स तो तैयार नहीं किया जा रहा। साथ ही निर्धारित मात्रा से अधिक स्टॉक तो नहीं है। यदि फैक्ट्री में कोई संदिग्ध वस्तु पाई जाए तो शासन के प्रावधानों के तहत कानूनी कार्रवाई की जाए। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने गूगल मीट के जरिए जिले के सभी एसडीएम एवं इन फैक्ट्रियों की जाँच के लिए गठित किए गए दलों में शामिल पुलिस, आबकारी, खाद्य, औषधि प्रशासन, नगर निगम, जिला उद्योग केन्द्र एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए। गूगल मीट में पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार, श्री कुमार सत्यम व श्री टी एन सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए। ज्ञात हो जिले में संचालित ऐसी फैक्ट्रियों जिनमें अंग्रेजी व आयुर्वेदिक दवाओं व लिकर अथवा अन्य प्रकार की दवाओं के निर्माण में उपयोग में लाई जाने वाली सामग्री का निर्माण किया जाता है, उन सभी फैक्ट्रियों का अभियान बतौर निरीक्षण के लिये संबंधित एसडीएम के नेतृत्व में पाँच दल गठित किए हैं। इन दलों द्वारा ऐसी सभी फैक्ट्रियों की जाँच के दौरान खासतौर पर यह देखा जाएगा कि इनमें नशीली दवाईयाँ बनाने में उपयोग होने वाली कच्ची सामग्री का निर्माण तो नहीं किया जा रहा है। भोपाल की फैक्ट्री में नशीले पदार्थ एमडी ड्रग्स का निर्माण, विक्रय तथा नशीली दवाईयाँ बनाने में उपयोग में होने वाली कच्ची सामग्री पाए जाने की घटना संज्ञान में आने पर कलेक्टर श्रीमती चौहान ने जिले की फैक्ट्रियों के जाँच के लिए आदेश जारी किया है।

मेले में झूला झूलते समय किशोर की मौत

गोपालगंज : गोपालगंज जिले के कुचायकोट थानाक्षेत्र के जलालपुर बाजार में दुर्गा पूजा मेले के दौरान एक हादसे में 12 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। मृत बच्चे की पहचान नेचुआ पांडेय टोला गांव निवासी अरशद अंसारी के बेटे रियान अंसारी के रूप में हुई है। रियान सातवीं कक्षा का छात्र था। वह अपने दोस्तों के साथ मेला देखने गया था। झूला झूलने के दौरान उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उसे आनन-फानन में नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक वह अचेत हो चुका था। जानकारी के मुताबिक, शनिवार रात को रियान अपने दोस्तों के साथ जलालपुर बाजार में लगे मेले में गया था। जहां उसने झूला झूलने का फैसला किया। झूला चलते ही उसकी तबीयत खराब हो गई और उसे तुरंत नीचे उतारकर एक निजी चिकित्सक के पास ले जाया गया। चिकित्सक ने रियान को मृत घोषित कर दिया। यह दुखद खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। वहीं, रविवार को किशोर के परिजनों ने स्थानीय लोगों के सहयोग से उसका अंतिम संस्कार कर दिया। बताया जा रहा है कि रियान अपने परिवार का चहेता और कक्षा का मेधावी छात्र था। उसके निधन से न सिर्फ परिवार बल्कि पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

गया और मुंबई के मध्य एक नई ट्रेन का परिचालन

केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री ने दिखाई हरी झंडी

हाजीपुर, (ईएमएस)। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, विधायक डॉ. नीरा यादव तथा अमित कुमार यादव द्वारा ट्रेन संख्या 02358 गया-लोकमान्य तिलक उद्घाटन स्पेशल को कोडरमा स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया और लोकमान्य तिलक टर्मिनल, मुंबई के मध्य एक नई ट्रेन सेवा का शनिवार को शुभारंभ किया गया। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि नई ट्रेन का नियमित परिचालन गाड़ी सं. 22358/22357 गया-लोकमान्य तिलक-गया एक्सप्रेस द्वारा किया जायेगा। यह नई ट्रेन झारखंड और बिहार को मुंबई से संपर्क बढ़ाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इस ट्रेन के शुरू होने से झारखंड एवं बिहार के विभिन्न धार्मिक और पर्यटन स्थलों तक पहुंचना आसान हो जाएगा। त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों के लिए यह कदम एक अतिरिक्त लाभ होगा। यह सेवा मार्ग पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने में भी मदद करेगी, जिससे स्थानीय व्यवसायों, पर्यटन और आस-पास के क्षेत्रों में व्यापार को लाभ होगा।

गया से यह ट्रेन सप्ताह के प्रत्येक बुधवार को तथा लोकमान्य तिलक टर्मिनल से सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार को परिचालित किया जाएगा। इस ट्रेन में प्रथम वातानुकूलित श्रेणी का 01 कोच, द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के 02 कोच, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 03 कोच, तृतीय वातानुकूलित इकॉनोमी श्रेणी के 03 कोच, शयनयान श्रेणी के 06 कोच तथा साधारण श्रेणी के 04 कोच होंगे। गाड़ी सं. 22358 गया-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस गया से प्रत्येक बुधवार को 19.00 बजे खुलकर शुक्रवार को 05.50 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनल पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी सं. 22357 लोकमान्य तिलक टर्मिनल-गया एक्सप्रेस लोकमान्य तिलक टर्मिनल से प्रत्येक शुक्रवार को 13.15 बजे खुलकर शनिवार को 22.50 बजे गया पहुंचेगी। अप एवं डाउन दिशा में यह ट्रेन गया और लोकमान्य तिलक टर्मिनल के मध्य कोडरमा, हजारीबाग टाउन, बरकाकाना, मेसरा, रांची, हटिया, राउरकेला, झारसुगडा, रायगढ़, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया, नागपुर, वर्द्धा, बडनेरा, अकोला, भुसावल, जलगांव, नासिक रोड एवं कल्याण स्टेशनों पर रूकेगी।

कलश विसर्जन के बाद युवक पर चाकू से हमला, घायल

बेतिया : बेतिया जिले के मझौलिया थानाक्षेत्र में कलश विसर्जन कर लौट रहे एक युवक को कुछ अज्ञात तत्वों ने चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। यह घटना महेशरा पुल के पास हुई और घायल युवक की पहचान सरिसवा बाजार निवासी वीरेंद्र कुमार (24) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, शनिवार की शाम को वीरेंद्र कुमार अपने दोस्तों के साथ कलश विसर्जन कर लौट रहा था। इसी दौरान कुछ युवकों ने उसके समूह पर अबीर फेंकने को लेकर आपत्ति जताई। विवाद बढ़ने पर उन युवकों में से कुछ ने वीरेंद्र पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से वीरेंद्र कुमार को जीएमसीएच बेतिया में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। इस घटना की जानकारी मिलने पर चनपटिया के भाजपा विधायक उमाकांत

सिंह अस्पताल पहुंचे और उन्होंने घायल युवक के परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। विधायक ने बताया कि घटना को अंजाम देने वाले एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी हैं।मझौलिया थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार मिश्रा ने पुष्टि की कि वीरेंद्र कुमार के फर्द बायन पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है। सदर एसडीपीओ-वन विवेक दीप ने बताया कि पुलिस घटना की गंभीरता से जांच कर रही है। लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और विधि व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर एक आरोपी बुलेट पटेल को गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापामारी कर रही है।

माता को कंधे पर उठाकर नचाकर किया विसर्जन

समस्तीपुर : समस्तीपुर जिले के पतैली दुर्गा स्थान मंदिर में रविवार अहले सुबह 500 वर्षों से चली आ रही परंपरा का पालन करते हुए माता दुर्गा की प्रतिमा का भव्य विसर्जन किया गया। इस परंपरा के तहत माता की प्रतिमा को कंधे पर उठाकर नचाते हुए जमुआरी नदी तक ले जाया गया और वहां विसर्जन किया गया।

यह अनूठी प्रथा पतैली गांव और आसपास के क्षेत्रों में वर्षों से चली आ रही है और इसमें बड़ी संख्या में लोग उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हैं। जानकारी के मुताबिक, हर साल की तरह इस साल भी माता दुर्गा की प्रतिमा को भव्य तरीके से विदाई दी गई। पतैली गांव के अलावा आसपास के गांवों से भी लोग इस जुलूस में शामिल हुए। परंपरा के अनुसार, माता की प्रतिमा को मंदिर से निकालकर एक किलोमीटर लंबा पैदल जुलूस निकाला गया। इस दौरान भक्तों ने माता को अपने कंधे पर उठाया और पूरे जोश के साथ जय माता दी के नारे लगाते हुए उन्हें नदी तट की ओर ले गए। मंदिर के प्रांगण में माता की प्रतिमा को विशेष रूप से नचाया गया। लोगों ने अपने कंधों पर रस्सी की सहायता से प्रतिमा को उठाकर नचाया, जिसे देखने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंचे थे। स्थानीय बुजुर्गों का कहना है कि अगर नवरात्रि के दौरान किसी कारण माता के दर्शन नहीं हो पाते.

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के वक्त बड़ा हादसा, ट्रैक्टर पलटने से युवक की मौत, कई लोग घायल

सारण : सारण जिले के मकेर थानाक्षेत्र में दुर्गा प्रतिमा के विसर्जन के बाद घर लौटने के दौरान बड़ा हादसा हो गया। गंडक नदी के बांध पर ट्रैक्टर पलटने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान डीही गांव निवासी बच्चू राय के बेटे रंजीत कुमार (24) के रूप में हुई है। रंजीत अविवाहित था और गुजरात में ट्रक चालक का काम करता था। हादसे की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया और स्थानीय लोग सदमे में हैं। जानकारी के मुताबिक, डीही गांव से सैकड़ों लोग ट्रैक्टर पर सवार होकर गंडक नदी के रेवाघाट पर दुर्गा प्रतिमा का विसर्जन करने गए थे। विसर्जन के बाद लौटते समय ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित हो गया और बांध पर पलट गया। चश्मदीदों और घायलों ने बताया कि चालक ट्रैक्टर को तेज और लापरवाही से चला रहा था, जिसके बावजूद कई बार मना करने पर भी उसने गति कम नहीं की। वहीं, हादसे के बाद ग्रामीणों ने ट्रैक्टर चालक को पकड़कर उसकी पिटाई की, लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया। इस हादसे में घायल लोगों में अजय कुमार, अमर कुमार, मुन्ना राय, पंकज कुमार, राहुल कुमार, अमरजीत कुमार और भूपेंद्र राय शामिल हैं। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।इधर, घटना की जानकारी मिलते ही मकेर थानाध्यक्ष रवि रंजन कुमार मौके पर पहुंचे और ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक रंजीत कुमार का बड़ा भाई भी दो महीने पहले एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था, जिसके बाद रंजीत घर आया हुआ था।

चलती बाइक में लगी आग

बक्सर : बक्सर जिले के नावाडेरा के पास एक चलती बाइक में आग लग गई, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस दौरान बाइक सवार ने अपने सामान को बचाने के लिए संघर्ष किया और किसी तरह खुद को भी बचाने में सफल रहा। जानकारी के मुताबिक, यह घटना रविवार की है। दरअसल, यूपी के कन्नौज के शेखपुरा मोहल्ला निवासी मो. रुखसार (32) अपनी बाइक से बिहार के नया भोजपुर आ रहे थे। वह अपनी बाइक पर कपड़े और अन्य सामान लादकर फेरी का काम करते हैं। जब वह अपने गंतव्य स्थान के करीब पहुंचे, तभी उनकी बाइक में अचानक आग लग गई। इसके बाद मो. रुखसार ने तुरंत बाइक को खड़ा किया और उसपर रखे सामान को जैसे-तैसे बचाने की कोशिश की। लेकिन आग तेजी से फैलने लगी, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई। आग लगने का कारण संभवतः लंबे सफर के कारण इंजन का गर्म होना बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलने के बाद नया भोजपुर थाना और एनएचएआई की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने आग पर काबू पाने के लिए पानी का टैंकर बुलाया। हालांकि, तब तक बाइक पूरी तरह से जलकर खाक हो चुकी थी। नया भोजपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि जलती हुई बाइक को बुझा दिया गया है। इस घटना में किसी प्रकार से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मो. रुखसार ने अपनी सूझबूझ से न केवल अपने सामान को बचाया, बल्कि खुद को भी बचाने में सफल रहे।

तेज रफ्तार कार ने महिला को कुचला

छपरा : छपरा में राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या-722 (छपरा-मुजफ्फरपुर) पर रविवार की अहले सुबह भेल्दी थानाक्षेत्र के सरायबक्स गांव के पास एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में एक 55 वर्षीय अज्ञात महिला की मौत हो गई। घटना के वक्त महिला गंगा स्नान करने के बाद अकेली ही घर लौट रही थी, तभी तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और महिला को अस्पताल ले जाने की कोशिश की, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेज दिया है। दुर्घटना के बाद कार गड्ढे में लुढ़क गई और पुलिस ने उसे जब्त कर लिया। हालांकि, अब तक मृत महिला की पहचान नहीं हो सकी है, जिससे पुलिस को थोड़ी परेशानी हो रही है। भेल्दी थाना के थानाध्यक्ष संदीप कुमार ने बताया कि घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर कार को जब्त कर लिया है। साथ ही चालक की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी गई है। महिला की पहचान के लिए सड़क पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। प्रारंभिक जांच में ऐसा लग रहा है कि कार चालक की आंख झपकने से गाड़ी अनियंत्रित हो गई और महिला को रौंद दिया। पुलिस फिलहाल महिला के बारे में जानकारी जुटाने और घटना की विस्तृत जांच में लगी हुई है।

पुलिस ने समय पर पहुंचकर बचाई युवक की जान

वैशाली : वैशाली जिले के हाजीपुर में डायल 112 की पुलिस टीम ने अपनी तत्परता से एक युवक की जान बचा ली। राजापाकर थानाक्षेत्र के बैकुंठपुर गांव में पिता मुकेश साह से झगड़े के बाद बेटा राजेश कुमार साह (20) फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास कर रहा था। जैसे ही उसके परिजनों को इसकी जानकारी मिली, उन्होंने तत्काल स्थानीय पुलिस और डायल 112 को सूचित किया। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम तेजी से मौके पर पहुंची और युवक को फांसी लगाने से पहले ही रोक लिया। पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया और उसकी स्थिति का आकलन किया। पूछताछ के दौरान पता चला कि पिता द्वारा डांट लगाए जाने के बाद गुस्से में आकर युवक ने यह घातक कदम उठाने का फैसला किया था। राजापाकर थाना प्रभारी वीना कुमारी ने बताया कि पिता-पुत्र के बीच हुए विवाद के बाद युवक ने आत्महत्या करने की कोशिश की थी। डायल 112 की पुलिस समय पर पहुंची और उसकी जान बचा ली। युवक अब सुरक्षित है और पुलिस ने परिजनों को भी समझाइश दी है।

सलमान की फैमिली ने की दोस्तों और करीबियों से अपील, अभी ना मिलें

मुंबई,(ईएमएस)। बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। बांद्रा में उनके गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर सुरक्षा और बढ़ा दी गई है। वहीं सलमान खान के परिवार ने उनके इंडस्ट्री में मौजूद कई दोस्तों और करीबियों से अपील की है कि वह सलमान से ना मिलें। जानकारी के मुताबिक अपने बेहद करीबी दोस्त बाबा सिद्दीकी को खोने के बाद सलमान खान बहुत दुखी हैं। बाबा सिद्दीकी, सलमान खान के लिए सिर्फ दोस्त ही नहीं बल्कि परिवार के सदस्य जैसे थे। हाल ही में जब बाबा सिद्दीकी अपने बेटे जीशान के साथ सलमान खान से मिलने उनके घर पहुंचे थे, तो उनका बहुत प्यार से स्वागत किया गया था। सलमान भी एक सच्चे दोस्त की तरह इस दुखद घटना के बाद परिवार से मिलने पहुंचे। हालांकि, कल देर रात लीलावती अस्पताल से घर लौटने के बाद सलमान सो नहीं पाए और लगातार जीशान और परिवार का हालचाल पूछते रहे। बाबा सिद्दीकी परिवार के एक करीबी सूत्र ने बताया कि सलमान खान फोन पर अंतिम संस्कार की तैयारियों और हर छोटी-बड़ी जानकारी ले रहे हैं। उन्होंने अगले कुछ दिनों के लिए अपनी सभी निजी मुलाकातें रद्द कर दी हैं। खबरों के मुताबिक सलमान खान के करीबी परिवार के सदस्य भी इस नुकसान से उतने ही दुखी हैं। अरबाज खान और सोहेल खान भी बाबा के बहुत करीब थे और बाबा के इन आयोजन में अक्सर जाया करते थे।

रुस में मेडिकल छात्रा की मौत, शव भारत लाने परिवार ने की सीएम से अपील

भोपाल,(ईएमएस)। रूस में एक सड़क दुर्घटना में मध्य प्रदेश की एमबीबीएस छात्रा की मौत हो गई। इस हादसे के बाद पीड़ित परिवार ने मध्यप्रदेश सरकार से शव को भारत वापस लाने की अपील की, जिसके बाद सीएम डॉ मोहन यादव ने उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार उनकी हरसंभव मदद करेगी।रूस में उफा के बश्किर विश्वविद्यालय से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही कुमारी सृष्टि शर्मा के साथ यह घटना तब घटी जब कार का टायर फट गया, जिससे गाड़ी की खिड़की खुल गई और सृष्टि कार से नीचे गिर कर कर लट गई। कार से वह कई मीटर तक घसीट गई जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। बाद में अस्पताल में इलाज के दौरान सृष्टि की मौत हो गई। दुर्घटना के वक्त सृष्टि ने सीट बेल्ट नहीं लगाया था। कार में सृष्टि के अलावा अन्य मेडिकल छात्र भी मौजूद थे, जो सुरक्षित हैं। इस दुखद घटना के बाद छात्रा के परिवार ने मध्यप्रदेश सरकार से शव को भारत लाने की मदद की अपील की थी। सीएम मोहन यादव ने इस मामले में तुरंत कार्रवाई की दिशा में कदम उठाया। एक अधिकारी ने जानकारी दी कि सीएम यादव ने राज्य गृह विभाग को निर्देश दिया है कि वह केंद्र सरकार से मदद लेकर शव को भारत लाने की प्रक्रिया शुरू करें। इसके अलावा, विदेश मंत्रालय से भी मदद मांगी गई है। सीएम मोहन यादव ने इस मुद्दे पर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा- मध्य प्रदेश सरकार ने रूस में अध्ययन कर रही कुमारी सृष्टि शर्मा के शव को भारत लाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। इस बयान से पीड़ित परिवार को राहत मिली है, और सरकार की ओर से पूरी मदद का भरोसा दिया गया है। राज्य सरकार और संबंधित अधिकारी शव को भारत लाने के लिए कदम उठा रहे हैं ताकि परिवार को इस कठिन समय में मदद मिल सके।

कंगुवा के मेकर्स ने पेन मरुधर के साथ नॉर्थ इंडिया रिलीज का किया ऐलान

मुंबई,(ईएमएस)। स्टूडियो ग्रीन की अपकमिंग फिल्म कंगुवा इस साल की मच अवेटेड फिल्मों में से एक है। इसका मकसद इंडियन सिनेमा के स्टैंडर्ड को ऊपर उठाना और कल्कि 2898 एडी द्वारा शुरू किए गए ट्रेंड को आगे बढ़ाना है, जिसने साउथ इंडियन फिल्मों की लिमिट्स को आगे बढ़ाया जा सके। यहां यह कहना गलत नहीं होगा की फिल्म कंगुवा सिनेमा-जगत में अपना बड़ा प्रभाव डालने के लिए तैयार है। जैसे-जैसे इसकी रिलीज के लिए एक्साइटमेंट बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे कंगुवा के मेकर्स भी अपनी अनाउंसमेंट के जरिए सभी का उत्साह बढ़ा रहे हैं। ऐसे में अब उन्होंने अनाउंस किया है कि फिल्म को नॉर्थ इंडिया में पेन मरुधर के साथ साझेदारी में रिलीज किया जाएगा, जो आरआरआर और स्त्री 2 जैसी हिट फिल्मों के पीछे की टीम है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मेकर्स ने एक थ्रिलिंग वीडियो शेयर किया है और उन्होंने पेन मरुधर के साथ अपने नॉर्थ इंडियन रिलीज की अनाउंसमेंट की है। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा है, कि 'कंगुवा इस साल की सबसे बड़ी और सबसे महंगी फिल्म है। 350 करोड़ से ज़्यादा के अनुमानित बजट के साथ यह पुष्पा, सिंघम और कई दूसरी बड़ी फिल्मों में से भी बड़ी है। फिल्म की शूटिंग अलग-अलग कॉन्टिनेंट्स के 7 अलग देशों में की गई है। मेकर्स के दिमाग में फिल्म के लिए एक अपनी तरह का लुक है, क्योंकि यह प्रीहिस्टोरिक पीरियड को दिखाने वाली अनोखी फिल्म है। मेकर्स ने टेक्निकल डिपार्टमेंट जैसे एक्शन और सिनेमेटोग्राफी के लिए हॉलीवुड एक्सपर्ट्स को हायर किया है।

कांग्रेस की हार के लिए हुड्डा जिम्मेदार : गुरनाम

कुरुक्षेत्र,(ईएमएस)। किसान नेता और संयुक्त संघर्ष पार्टी के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी ने हरियाणा में कांग्रेस की हार के पीछे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को जिम्मेदार ठहराया है। चढूनी ने कहा, कि उन्होंने पहले ही चेतावनी दी थी कि हुड्डा कांग्रेस के लिए नुकसानदेह साबित होंगे, और अब यह सच साबित हो गया है। किसान नेता चढूनी ने कहा कि कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में एक टिकट देने का वादा किया था, लेकिन बाद में भूपेंद्र सिंह हुड्डा इस वादे से मुकर गए। अगर वे अभय चौटाला के साथ समझौता करते और एक टिकट देते, तो उनकी पार्टी को हरियाणा में 9 सीटें मिल सकती थीं। चढूनी के अनुसार, विधानसभा चुनाव में भी हुड्डा ने उनके साथ गद्दारी की, जब उन्होंने उन्हें रोहतक सीट पर समर्थन देने के लिए कहा, जबकि पूरे हरियाणा के लिए बात करनी चाहिए थी। चढूनी ने आरोप लगाया कि हुड्डा ने कई बड़े नेताओं को किनारे कर दिया, जिनमें किसान नेता रमेश दलाल, हर्ष छिकारा, बलराज कुंडू, कुमारी शैलजा, किरण चौधरी और रणदीप सुरजेवाला शामिल हैं। उनका कहना है कि हुड्डा सभी को किनारे करते-करते खुद भी किनारे लग गए। चढूनी ने कांग्रेस पर बड़ा हमला करते हुए कहा कि राजनीति में पैसे का खेल आम है, लेकिन कांग्रेस के अहंकार ने उसे नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रियंका गांधी अगर कांग्रेस की कमान संभालें, तो पार्टी को संजीवनी मिल सकती है। अन्यथा, भाजपा का राज हरियाणा में कायम रहेगा। इसके साथ ही चढूनी ने कांग्रेस हाईकमान से अपील की कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा को नेता प्रतिपक्ष न बनाएं, क्योंकि पिछले 10 सालों में उन्होंने विपक्ष की भूमिका नहीं निभाई। किसान नेता की यह स्थिति कांग्रेस के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकती है, और उनकी विचारधाराओं और सुझावों को लेकर पार्टी के भीतर भी विचार-विमर्श होना जरूरी है। किसान आंदोलन के संदर्भ में चढूनी का कहना है, कि आंदोलन अब गलत हाथों में चला गया है।

बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली:मर्डर में उत्तर प्रदेश और हरियाणा के शूटर्स शामिल

मुंबई: मुंबई में एनसीपी(अजित गुट) के नेता बाबा सिद्दीकी की शनिवार रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। सिद्दीकी इसी साल फरवरी में कांग्रेस छोड़कर अजित पवार के साथ आए थे। हत्या के 28 घंटे बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने सोशल मीडिया पोस्ट कर हत्या की जिम्मेदारी ली। लिखा, "सलमान खान और दाऊद की मदद करने वालों को छोड़ेंगे नहीं।" इस पोस्ट में लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप और अनमोल बिश्नोई को हैशटैग किया गया है। पुलिस इस पोस्ट की जांच कर रही है। लॉरेंस अभी गुजरात की साबरमती जेल में बंद है। उसने 14 अप्रैल को सलमान के घर के बाहर फायरिंग कराई थी। जेल में लॉरेंस से पूछताछ कराई जाएगी। सलमान खान की सिक्योरिटी भी बढ़ा दी गई है। हरियाणा और यूपी के शूटर्स ने हत्या की। 3 शूटर्स में से 2 को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। एक फरार है। एक शूटर हरियाण और 2 उत्तर प्रदेश के बहराइच के रहने वाले हैं। ये 40 दिन से मुंबई में ही ठहरे थे और सिद्दीकी के घर और बेटे के ऑफिस की रेकी कर रहे थे। इसके अलावा चौथा व्यक्ति जो लोकल है, उसकी भी तलाश जारी है। सिद्दीकी को Y-सिक्योरिटी मिली थी, लेकिन घटना के वक्त उनके साथ कोई कॉन्स्टेबल नहीं था। स्ट्रीट लाइट्स और सीसीटीवी भी बंद थे। बांद्रा के खेर नगर में शनिवार रात करीब 9.30 बजे विधायक बेटे जीशान के ऑफिस के बाहर 3 बदमाशों ने फायरिंग की थी। सूत्रों के मुताबिक, ऑटो से आए 3 शूटर्स ने दो बंदूकों से 6 राउंड फायरिंग की। इनमें बाबा को 3 गोलियां लगीं। 2 गोलियां उनके पेट और 1 सीने पर लगी। तीनों ने मुंह पर रूमाल बांधा हुआ था।

मुंबई पुलिस ने कॉन्ट्रैक्ट किलिंग की पुष्टि की है। हत्या में शामिल आरोपियों के नाम शिव, धर्मराज और गुरमेल हैं। शिव और धर्मराज यूपी के बहराइच के रहने वाले हैं, दोनों का कोई पुराना क्रिमिनल रिकॉर्ड नहीं है। गुरमेल हरियाणा का रहने वाला है। धर्मराज और गुरमेल को गिरफ्तार किया गया है। शिव फरार है। बताया जा रहा है कि उसे ही हत्या का कॉन्ट्रैक्ट दिया गया था। शिव करीब 5-6 साल से पुणे में स्क्रैप व्यापारी के यहां काम कर रहा था। कुछ महीने पहले उसने धर्मराज को भी पुणे में बुला लिया। हत्या का कॉन्ट्रैक्ट देने वाले व्यक्ति ने शिव, धर्मराज की मुलाकात गुरमेल से कराई थी। गुरमेल कैथल जिले का रहने वाला है। उसने अपने दोस्त के भाई की बर्फ के सुए से 52 वार कर हत्या कर दी थी। जेल में वह गैंगस्टर लॉरेंस के गुर्गों के संपर्क में आ गया। जमानत मिलने के बाद वह मुंबई चला गया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, लॉरेंस गैंग ने ही उसे मुंबई बुलाया था।

दाऊद ने बाबा सिद्दीकी को धमकाया था-तुम्हारी फिल्म बनवा दूंगा:बिहार में पिता घड़ी सुधारते थे; बांद्रा से शुरू की पॉलिटिक्स

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री रहे एनसीपी(अजित गुट) के नेता बाबा सिद्दीकी की मुंबई में शनिवार रात 9.15 बजे गोली मारकर हत्या कर दी गई। उनका पूरा नाम बाबा जियाउद्दीन सिद्दीकी था। अपनी इफ्तार पार्टियों के लिए मशहूर बाबा सिद्दीकी के पॉलिटिकल करियर में सुनील दत्त का अहम रोल था। पॉलिटिक्स के साथ उनका इंडस्ट्री में भी दबदबा था। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद से धमकी भी मिली थी।

पटना में जन्मे, पिता घड़ी सुधारते थे, परिवार में पत्नी और दो बच्चे

बाबा सिद्दीकी का जन्म बिहार के पटना में अब्दुल रहीम सिद्दीकी और राजिया सिद्दीकी के घर हुआ था। पिता घड़ी सुधारने का काम करते थे और बाबा भी उनकी मदद करते। इसके बाद वे मुंबई आ गए। उन्होंने 12वीं की पढ़ाई मुंबई के सेंट एनेस हाईस्कूल से और ग्रैजुएशन एमएमके कॉलेज मुंबई से किया। बाबा की पत्नी का नाम शहजीम सिद्दीकी है। उनके दो बच्चे हैं। बेटी अर्शिया सिद्दीकी डॉक्टर हैं, जबकि बेटे जीशान सिद्दीकी कांग्रेस विधायक हैं।

बाबा सिद्दीकी ने स्टूडेंट पॉलिटिक्स से करियर शुरू किया। 1977 से 1980 तक वे कांग्रेस की स्टूडेंट विंग एनएसयूआई के मेंबर रहे। 1982 में वे बांद्रा यूथ कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी बनाए गए। 1988 में मुंबई युवा कांग्रेस के अध्यक्ष बने। 1993 में वे बीएमसी में कॉरपोरेटर (पार्षद) चुने गए थे। साल 1999 में बाबा कांग्रेस के टिकट पर पहली बार बांद्रा वेस्ट सीट से विधायक बने। इसके बाद वे 2014 तक लगातार तीन बार इस सीट से विधायक रहे। बाबा साल 2004 से 2008 तक राज्य के खाद्य और श्रम राज्य मंत्री भी रहे। हालांकि साल 2014 में वे चुनाव हार गए। इसी साल उन्हें मुंबई क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष और 2019 में महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संसदीय बोर्ड में शामिल किया गया।

उद्धव बोले- महायुति अपना सीएम कैंडिडेट बताए:फिर हम ऐलान करेंगे, शरद पवार ने कहा- लोगों को मौजूदा सरकार से छुटकारा दिलाना है

मुंबई: महाविकास अघाड़ी के मुख्यमंत्री उम्मीदवार के बारे में पूछे जाने पर शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे ने कहा कि यह चुनाव एमवीए और महायुति के बीच मुकाबला होगा। पहले महायुति अपना मुख्यमंत्री उम्मीदवार बताए, फिर हम कैंडिडेट बताएंगे। वहीं, नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र के लोग बदलाव चाहते हैं और उन्हें भरोसा है कि विधानसभा चुनाव के नतीजों में इसका असर दिखेगा।

मुंबई में महाविकास अघाड़ी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में शरद पवार ने कहा कि पहले महाराष्ट्र का प्रशासन देश में सबसे अच्छा माना जाता था, लेकिन अब यह कमजोर हो गया है। हम लोगों को मौजूदा सरकार से छुटकारा दिलाना चाहते हैं और मुझे उम्मीद है कि लोग हमारा सपोर्ट करेंगे। बीजेपी अपने पुराने कार्यकर्ताओं को सम्मान नहीं दे रही है और उनकी उपेक्षा कर रही है।

शरद पवार बोले- मोदी ने बंजारा समाज के बारे में गलत जानकारी दी

शरद पवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंजारा समाज के बारे में गलत जानकारी दी। उन्होंने 'बंजारा विरासत' के उद्घाटन के दौरान दावा कियाथा कि कांग्रेस और पिछली सरकारों ने बंजारा समाज को कोई अवसर नहीं दिया। शरद पवार ने इस दावे का खंडन करते हुए बताया कि कांग्रेस ने बंजारा समाज को महाराष्ट्र में नेतृत्व के महत्वपूर्ण अवसर दिए हैं। इसी समुदाय के वसंतराव नाइक 11 साल तक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे। सुधाकरराव नाइक ने तीन साल तक मुख्यमंत्री पद संभाला। मनोहर नाइक कांग्रेस सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे। पवार ने कहा कि बंजारा समाज कांग्रेस का आभारी है, क्योंकि इसने इस समुदाय के लोगों को राज्य का नेतृत्व करने का मौका दिया।

उद्धव ठाकरे ने हरियाणा चुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि कांग्रेस और बीजेपी के बीच वोटों का अंतर कम था, फिर भी बीजेपी को ज्यादा सीटें मिलीं। जम्मू-कश्मीर चुनावों में बीजेपी को ज्यादा सीटें क्यों नहीं मिलीं।

महाराष्ट्र में 26 नवंबर के पहले होंगे विधानसभा चुनाव

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने 28 सितंबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने कहा था कि महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है। इसके पहले चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। तारीखों का ऐलान अगले महीने होने की उम्मीद है। राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एसएस संधू दो दिन के महाराष्ट्र दौरे पर आए थे। उन्होंने यहां विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन ऑफिसर, सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस समेत अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की थी।

इसके अलावा उन्होंने शिवसेना, शिवसेना यूबीटी, मनसे, बसपा, आप समेत 11 पार्टियों से मुलाकात की। सभी पार्टियों ने मांग की थी कि दिवाली, देव दिवाली और छठ पूजा जैसे त्योहारों को ध्यान में रखकर चुनाव की तारीखों का ऐलान किया जाए।

- महाराष्ट्र में इस वक्त बीजेपी-शिवसेना (शिंदे गुट) की सरकार है। इसका कार्यकाल नवंबर 2024 को खत्म हो रहा है। अक्टूबर 2024 में चुनाव हो सकते हैं।

कोलकाता रेप-मर्डर, एक और डॉक्टर की हालत गंभीर

कोलाकाता: कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर के विरोध में 5 अक्टूबर से अनशन पर बैठे ट्रेनी डॉक्टरों में से 1 और डॉक्टर की हालात क्रिटिकल हो गई है। हड़ताल पर बैठे डॉक्टरों ने बताया कि उनके साथी डॉ. अनुस्तुप मुखर्जी को शनिवार रात को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया है। प्रोटेस्ट कर रहे एक डॉक्टर ने बताया कि मुखर्जी के स्टूल से खून आ रहा था। उन्हें पेट में तेज दर्द की भी शिकायत थी। 3 डॉक्टरों की हालत बिगड़ने के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार है, क्योंकि सरकार हमारी सभी मांगें नहीं मान रही है। वहीं, पश्चिम बंगाल के कल्याणी जेएनएम अस्पताल के 77 डॉक्टरों ने सामूहिक इस्तीफे की धमकी दी है। डॉक्टरों ने ईमेल भेजकर बंगाल हेल्थ यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार को जानकारी दी है कि वे 14 अक्टूबर से काम बंद करने वाले हैं।

डॉक्टरों का कहना है कि वे मानसिक रूप से परेशान हैं और ऐसे हालात में काम नहीं कर सकते हैं। वे अपनी मांगों को लेकर बंगाल सरकार के रवैये से भी परेशान हैं, इसलिए जूनियर डॉक्टरों का साथ देने के लिए वे इस्तीफा देने को तैयार हैं।

दरअसल, आरजी कर अस्पताल में 8 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप और मर्डर किया गया था। 9 अगस्त को विक्टिम की बॉडी मेडिकल कॉलेज में मिली थी। इसके अगले दिन से जूनियर डॉक्टरों ने 42 दिन तक विरोध प्रदर्शन किया था। राज्य सरकार ने डॉक्टरों की मांगें नहीं मानीं। जिसके चलते डॉक्टरों ने 5 अक्टूबर की शाम से भूख हड़ताल शुरू की। इसमें कुल 10 डॉक्टर शामिल हैं, आज भूख हड़ताल का आठवां दिन है।

खड़गे ने कर्नाटक सरकार को जमीन लौटाई:ट्रस्ट के लिए दी गई थी 5 एकड़ जमीन; मडा स्कैम की जांच के बीच उठाया कदम

बेंगलुरु: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके परिवार ने कर्नाटक सरकार को पांच एकड़ जमीन लौटाने का फैसला किया है, जो खड़गे परिवार के सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को दी गई थी। खड़गे ने यह कदम मैसुरु अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी (मडा) स्कैम की जांच के बीच उठाया है। यह पांच एकड़ जमीन खड़गे के बेटे राहुल एम खड़गे को कर्नाटक इंडस्ट्रियल एरियास डेवलपमेंट बोर्ड की तरफ से बागालुर के हाई-टेक डिफेंस एंड एयरोस्पेस पार्क में हार्डवेयर सेक्टर में दी गई थी। इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती बी. एम. ने 30 सितंबर को मडा को 14 प्लॉट वापस करने की बात कही थी। इसे लेकर सिद्धारमैया ने कहा कि मेरे खिलाफ चल रहे राजनीतिक षड्यंत्र से आहत होकर मेरी पत्नी ने प्लॉट वापस करने का फैसला लिया है।

दरअसल, ईडी ने 30 सितंबर को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी, साले और अन्य के खिलाफ FIR दर्ज की थी। इससे पहले मैसूरु लोकायुक्त ने 27 सितंबर को सभी के खिलाफ केस दर्ज किया था। लोकायुक्त ने 1 अक्टूबर से मामले की जांच शुरू कर दी है।

मार्च 2024 में खड़गे के बेटे को दी गई थी

जमीन विवाद की शुरुआत मार्च 2024 में हुई, जब कर्नाटक कांग्रेस सरकार ने सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को जमीन आवंटित की। खड़गे के बेटे राहुल इस ट्रस्ट के अध्यक्ष थे। भाजपा ने इसकी आलोचना की थी। पार्टी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने सरकार पर 'सत्ता का दुरुपयोग' और 'परिवारवाद' का आरोप लगाया। यह पांच एकड़ जमीन सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को अनुसूचित जाति कोटे के तहत आवंटित की गई थी। इस ट्रस्ट में कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे, उनके दामाद और कलबुर्गी के सांसद राधाकृष्ण और उनके बेटे राहुल खड़गे सहित खड़गे परिवार के कई सदस्य ट्रस्टी हैं। यह जमीन 45.94 एकड़ इलाके का हिस्सा है, जिसे केआईएडीबी ने हाई-टेक डिफेंस एयरोस्पेस पार्क के लिए रिजर्व कर रखा था। एक्टिविस्ट दिनेश कल्लाहल्ली ने कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत के पास औपचारिक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने जमीन की आवंटन प्रक्रिया में अनियमितताओं और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। कल्लाहल्ली ने कर्नाटक के उद्योग मंत्री एमबी पाटिल के खिलाफ मुकदमा दायर करने की इजाजत भी मांगी, ताकि वे राज्य के लोकायुक्त के पास शिकायत दर्ज कर सकें। मंत्री पाटिल ने इन आरोपों का खंडन किया है और कहा कि राहुल खड़गे ने कोई फ्रॉड नहीं किया। उन्हें मेरिट के आधार पर इस जमीन के लिए पारदर्शी, सिंगल-विंडो अप्रूवल प्रक्रिया के जरिए से मंजूरी दी गई थी।

आंध्र में सास-बहू से गैंगरेप: 5 आरोपियों पतियों को बंधक बनाकर घटना को अंजाम दिया

हैदराबाद: आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साईं जिले में अंडर कंस्ट्रक्शन पेपर मिल में महिला और उसकी बहू से गैंगरेप की घटना सामने आई है। घटना 11 अक्टूबर की रात चिलमंथुर थाना क्षेत्र की है। पुलिस अधीक्षक वी रत्न ने बताया कि दोनों के पति नल्लबोमनी पल्ली इलाके में अंडर कंस्ट्रक्शन मिल में चौकीदारी करते हैं और उसी के कंपाउंड में रहते हैं। 11 अक्टूबर की रात उनके घर के बाहर पांच बाइक सवार हंगामा कर रहे थे। जब उन्हें रोका गया तो उन लोगों ने उन पर हमला कर दिया। दोनों महिलाओं के पतियों की पिटाई की और चाकू के बल पर बंधक बना लिया। इसके बाद चार लोग दोनों महिलाओं (सास-बहू) को घर के अंदर घसीट ले गए। उनके साथ रेप किया और फरार हो गए। पुलिस ने बताया परिवार बेल्लारी जिले का रहने वाला है और पांच महीने पहले ही वहां रहने आया था।

पूर्व सांसद नवनीत राणा को गैंगरेप की धमकी: लिखा- पाक जिंदाबाद; 10 करोड़ की फिरौती भी मांगी

अमरावती: महाराष्ट्र के अमरावती से पूर्व सांसद और भाजपा नेता नवनीत राणा को धमकी भरा लेटर मिला है। लेटर में नवनीत को गैंगरेप की धमकी दी गई है। साथ ही कहा कि उनके घर के सामने गाय को काटा जाएगा। पत्र भेजने वाले ने खुद का नाम आमिर बताया है। उसने 10 करोड़ की फिरौती भी मांगी है। साथ ही पाकिस्तान जिंदाबाद भी लिखा। आरोपी ने लेटर में अपना फोन नंबर भी लिखा है। लेटर में नवनीत राणा को लेकर कई आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। साथ ही उनके पति रवि राणा के लिए अभद्र बातें लिखी गईं। रवि राणा के निजी सहायक विनोद गुहे ने राजापेठ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

नवनीत राणा एक फिल्म एक्ट्रेस और राजनेता हैं। नवनीत ने हिंदी, तेलुगु, कन्नड, मलयालम और पंजाबी की कई बड़ी फिल्मों में काम किया। साल 2014 में एनसीपी के टिकट से अमरावती से लोकसभा चुनाव लड़ा, लेकिन जीत हासिल नहीं कर पाईं। साल 2019 में निर्दलीय चुनाव लड़ा। इस बार उन्होंने शिवसेना के दिग्गज नेता आनंद अडसुल को हराकर लोकसभा चुनाव जीता। 2024 लोकसभा चुनाव में वह बीजेपी में शामिल हुईं। महाराष्ट्र की अमरावती सीट पर कांग्रेस के बलवंत वानखेड़े ने नवनीत राणा को 19,731 वोटों से हराया।

रतन टाटा के बाद सौतेले भाई नोएल संभालेंगे टाटा ट्रस्ट:पहले ही दो फैमिली ट्रस्ट में शामिल, पारसी कम्युनिटी की पसंद; कहा- विरासत को आगे बढ़ाऊंगा

मुंबई: 66 साल के नोएल टाटा अब 'टाटा ट्रस्ट' के चेयरमैन होंगे। वे पहले ही दो फैमिली ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं। नोएल रतन टाटा के सौतेले भाई हैं। 9 अक्टूबर को रतन टाटा के निधन के बाद नोएल इकलौते दावेदार थे। हालांकि उनके भाई जिम्मी का नाम भी चर्चा में था, लेकिन वे पहले ही रिटायर हो चुके हैं। मुंबई में ट्रस्ट की मीटिंग में नोएल के नाम पर सहमति बनी। टाटा ट्रस्ट ने आधिकारिक बयान में कहा, 'उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी।'

नोएल टाटा ने कहा-

मेरे साथी ट्रस्टियों ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है, उससे मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं रतन टाटा और टाटा ग्रुप के संस्थापकों की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हूं। एक सदी से भी पहले स्थापित, टाटा ट्रस्ट सामाजिक भलाई के काम करने का एक यूनिक माध्यम है। हम परोपकारी पहल को आगे बढ़ाने और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए खुद को फिर से समर्पित करते हैं।

नवल टाटा की दूसरी पत्नी के बेटे हैं नोएल

नोएल नवल टाटा की दूसरी पत्नी सिमोन के बेटे हैं। वहीं रतन टाटा और जिम्मी टाटा नवल और उनकी पहली पत्नी सूनी की संतान हैं। नोएल ने यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स से पढ़ाई की है। नोएल ने टाटा इंटरनेशनल से अपने करियर की शुरुआत की। 1999 में वे ग्रुप की रिटेल शाखा ट्रेंट के मैनेजिंग डायरेक्टर बनाए गए। इसे उनकी मां सिमोन ने शुरू किया था। 2010-11 में उन्हें टाटा इंटरनेशनल का चेयरमैन बनाया गया। इसके बाद उनके ग्रुप के चेयरमैन बनाए जाने पर चर्चा शुरू हो गई। इस बीच सायरस मिस्त्री ने खुद टाटा ग्रुप का चेयरमैन बनाए जाने की बात कही। इसके बाद सायरस मिस्त्री को टाटा संस के चेयरमैन पद से हटा दिया गया और रतन टाटा ने ग्रुप की कमान संभाली। 2018 में उन्हें टाइटन का वाइस चेयरमैन बनाया गया और 2017 में उन्हें ट्रस्ट के बोर्ड में शामिल किया गया।

नोएल भाई रतन टाटा की तरह शांत व संयमित

नोएल अपने बड़े भाई रतन टाटा की तरह शांत व संयमित आचरण के लिए जाने जाते हैं। उनकी खूबी लो-प्रोफाइल नेतृत्व शैली है, जो रतन टाटा के ज्यादा सार्वजनिक रहने के नजरिये के उलट है। जहां रतन को एविएशन से लेकर ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री तक काम करने का अनुभव था। वहीं, नोएल के पास अनुभव की कमी है। जब 2011 में समूह में रतन टाटा के उत्तराधिकारी की तलाश चल रही थी, तब एक विदेशी मीडिया को दिए इंटरव्यू में रतन टाटा ने कहा था कि नोएल के पास अनुभव का अभाव था। इसलिए उनके नाम पर विचार नहीं किया गया। अंततः उनके बहनोई साइरस मिस्त्री ने उनकी जगह ली। मिस्त्री के हटने के बाद टीसीएस प्रमुख एन चंद्रशेखरन टाटा सन्स के चेयरमैन बने।

13.8 लाख करोड़ के रेवेन्यू वाले टाटा ग्रुप में टाटा ट्रस्ट की 66% हिस्सेदारी

टाटा ट्रस्ट की अहमियत और आकार इस तरह समझ सकते हैं कि यह टाटा ग्रुप की परोपकारी संस्थाओं का समूह है। ये 13 लाख करोड़ रुपए के रेवेन्यू वाले टाटा ग्रुप में 66% की हिस्सेदारी रखता है। टाटा ट्रस्ट में सर रतन टाटा ट्रस्ट और एलाइड ट्रस्ट और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और एलाइड ट्रस्ट शामिल हैं। गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने वाले ये ट्रस्ट, रतन टाटा की विरासत का अभिन्न अंग हैं।

सरकार बेरोजगारों को लाभार्थी नहीं, कामार्थी बनाए

भारत में बेरोजगारी बहुत बड़ी समस्या है। पिछले तीन दशक में डिग्री से नौकरी और रोजगार की परिकल्पना का तेजी के साथ विस्तार हुआ। वैश्विक व्यापार संधि के बाद भारत में उधार के धन का प्रवाह बढ़ा है। पिछले 30 वर्षों में दुनिया के सभी देशों की आर्थिक और व्यापारिक गतिविधियां बड़ी तेजी के साथ बढ़ीं हैं। सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में सारी दुनिया एक तरह से सोचने लगी। आर्थिक एवं सामाजिक विकास को लेकर सारी दुनिया में एकरूपता आई। औद्योगिक विकास को ही सबसे बड़ा विकास मान लिया गया। भौतिक आवश्यकताओं का एक नया पैमाना विकसित हुआ। डिग्री के आधार पर नौकरी और रोजगार के सृजन को मान लिया गया। शिक्षा का व्यवसायीकरण हो गया। किताबी ज्ञान कभी वास्तविक ज्ञान का स्वरूप नहीं ले सकता है। किताबी ज्ञान की डिग्री कभी कोई काम नहीं आ सकती है। करोड़ों डिग्री धारी युवाओं को वर्षों से रोजगार नहीं मिल रहा है। बड़ी-बड़ी डिग्रियां होने के बाद भी उन्हें 10 से 15000 रुपए की नौकरी नहीं मिल पा रही है। जिसके कारण अब युवाओं में उच्च शिक्षा और डिग्रियों के प्रति अरुचि दिखने लगी है। औद्योगिक क्रांति से मशीनों को तो काम मिल सकता है, लेकिन आबादी को काम नहीं मिल पाता है। पिछले 20 वर्षों में बैंकिंग सेक्टर काफी तेजी के साथ आगे बढ़ा। बैंकों में उपभोक्ताओं की संख्या कई गुना बढ़ गई। बैंकों की कमाई कई गुना बढ़ गई। लेकिन बैंकिंग सेक्टर में काम करने वाले लोगों की संख्या घटती चली गई। यही हाल रेलवे का है। यही हाल गवर्नमेंट सेक्टर का है। उद्योग और व्यापार में जिस तरह से कॉरपोरेट कंपनियों ने अपना एकाधिकार बनाते हुए स्थानीय रोजगारों को समाप्त करने का काम किया है। पूंजी का प्रवाह कुछ बड़े उद्योगपतियों और कारोबारियों तक सीमित होकर रह गया, जिसके कारण मध्यवर्ग और निम्न वर्ग की बचत खत्म हो गई। निम्न और मध्यम वर्ग पर कर्ज बड़ी तेजी के साथ बढ़ गया। देश में डिग्री लेकर नौकरी की मांग करने वाले युवाओं की संख्या साल दर साल बढ़ती चली गई। जो स्थानीय रोजगार और धंधे थे, वह पूरी तरह समाप्त होते चले गए। भारत जैसे देश में जिसकी आबादी 140 करोड़ से ज्यादा हो गई है। 30 करोड़ से ज्यादा उच्च शिक्षित पढ़े-लिखे युवा बेरोजगार हैं। इन्हें बाबू और चपरासी की नौकरी भी नहीं मिल पा रही है। पिछले वर्षों में रोजगार के अवसर स्थानीय आधार पर उपलब्ध थे आर्थिक विकास के नाम से वह छीन लिए गए हैं। सभी रोजगार व्यवसाय और उद्योग में कॉर्पोरेट का कब्जा होता जा रहा है। जिसके कारण बेरोजगारी की समस्या दिन- प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। बेरोजगारी की समस्या से निपटने के लिए बेरोजगारों को लाभार्थी बनाने के लिए सरकार प्रतिमाह कुछ राशि देकर बेरोजगार युवाओं के गुस्से को शांत करना चाहती है। बेरोजगार युवाओं को सरकारी सहायता पर निर्भरता बढाई जा रही है। यह स्थिति आर्थिक, सामाजिक विकास की दृष्टि से भविष्य में बहुत नुकसान पहुंचाने वाली साबित होगी। भारत की युवा आबादी ने भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में अपने ज्ञान और मेहनत के बल पर एक अलग जगह बनाई है। अब डिग्रियां होते हुए भी नौकरी या काम नहीं मिलने के कारण भारतीय युवा निराश और हताश है। हरियाणा पंजाब तमिलनाडु केरल और गुजरात जैसे राज्यों से युवा चोरी-छिपे रोजगार की तलाश में अवैध रूप से विदेशों में जा रहे हैं। इजराइल जैसे युद्धग्रस्त देश में भी मजदूरी करने के लिए तैयार हैं। युवाओं को भारत में रोजगार उपलब्ध नहीं हो रहा है। बाहर के देशों में भी अनुभव नहीं होने के कारण काम नहीं मिल रहा है। 1970 के बाद बड़ी तेजी के साथ देश में लघु एवं मध्यम उद्योग विकसित हुए थे। जिस तरह का सामाजिक और आर्थिक ढांचा स्थानीय रोजगार पर आधारित था, पिछले 10 वर्षों में रिटेल सेक्टर में कारपोरेट कंपनियों का कब्जा हो जाने से वह पूरी तरह से टूट गया है। युवाओं के पास डिग्री है। उनके पास नौकरी और रोजगार के अवसर नहीं हैं। नौकरी और रोजगार के लिए जो ज्ञान आवश्यक है, वह उन्हें पढ़ाई के दौरान नहीं मिला। पिछले 30 वर्षों में जिस तरह से विदेशी पूंजी भारत में आई है। हर धंधे में बड़ी-बड़ी कंपनियों का एकाधिकार होता चला गया। हर क्षेत्र में मशीनों और ऑनलाइन सर्विस की बाढ़ आ गई है। उसके कारण युवाओं को नौकरी और रोजगार के कोई अवसर नहीं मिल रहे हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों को स्थानीय स्तर पर रोजगार और नौकरी के अवसर बढ़ाने होंगे। कृषि क्षेत्र लघु एवं मध्यम उद्योगों को पुनर्स्थापित करने की नीतियां बनानी होंगी। मिडिल और हाई स्कूल की पढ़ाई के साथ उन्हें विभिन्न कामों का प्रशिक्षण पढ़ाई के साथ मिल सके। जो उन्हें रोजगार उपलब्ध करा सके। मिडिल और हाईस्कूल की शिक्षा में हिंदी-अंग्रेजी भाषा का ज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और संचार माध्यमों का उपयोग करने की शिक्षा, हाई स्कूल की पढ़ाई के दौरान मिले, इसकी व्यवस्था करनी होगी। स्थानीय स्तर पर नौकरी और रोजगार के अवसर पैदा हों, ऐसा हुआ तो भारत के युवाओं को भारत के साथ-साथ विदेशों में भी रोजगार के बहुत सारे अवसर उपलब्ध होंगे। हर काम के लिए अनुभव जरूरी है। किताबी ज्ञान से कुछ हासिल नहीं हो सकता है। लंबे समय तक सरकारी सहायता भी देना संभव नहीं होता है। आत्मनिर्भरता के लिए हर व्यक्ति को लाभार्थी नहीं कामार्थी बनाने की जरूरत है। हर व्यक्ति में विशेष योग्यता होती है। हर व्यक्ति की सोच अलग होती है। हर व्यक्ति का ज्ञान भी अलग होता है। हर व्यक्ति की रुचि भी अलग होती है। जब विविधता के साथ ज्ञान होगा, तभी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। सामाजिक व्यवस्था में विविधता होती है। चीन की बढी हुई आबादी में प्रतिस्पर्धा कामगारों के बीच में उत्पन्न की गईं थी। उत्पादन से आर्थिक आधार को जोड़ा गया था। उसके कारण चीन का उद्योग और व्यापार सारी दुनिया में फैल गया। भारत सरकार को भी इस दिशा में गंभीरता के साथ विचार करने की जरूरत है। वर्तमान स्थिति में लापरवाही बरती गई, तो आने वाले समय में स्थिति विस्फोटक हो सकती है।

भगवान राम ही पूज्य है राम भक्त ही महान

आज साईं बाबा को लेकर सियासत हो रही है लेकिन कुछ प्रश्न जरूर है जो संदेह पैदा करती है साईं बाबा का समाधि स्थल जैसा लगता नहीं और भगवान राम से क़ोई ऐसी खास चीज नहीं मिली है जो भगवान राम के आदशों से जोड़ता हो आदर्शो राम केवल एक नाम भर नहीं , बल्कि वे जन-जन के कंठहार हैं, मन-प्राण हैं, जीवन-आधार हैं| उनसे भारत अर्थ पाता है| वे भारत के प्रतिरूप हैं और भारत उनका| उनमें कोटि-कोटि जन जीवन की सार्थकता पाता है| भारत का कोटि-कोटि जन उनकी आँखों से जग-जीवन को देखता है| उनके दृष्टिकोण से जीवन के संदर्भों-परिप्रेक्ष्यों-स्थितियों-परिस्थितियों-घटनाओं-प्रतिघटनाओं का मूल्यांकन-विश्लेषण करता है| भारत से राम और राम से भारत को विलग करने के भले कितने कुचक्र-कलंक रचे जाएँ, भले कितनी *वामी-विदेशी* चालें चली जायँ, यह संभव होता नहीं दिखता| क्योंकि राम भारत की आत्मा हैं| राम भारत के पर्याय हैं| राम निर्विकल्प हैं, उनका कोई विकल्प नहीं|जिस प्रकार आत्मा को शरीर से और शरीर को आत्मा से कोई विलग नहीं कर सकता, उसी प्रकार राम को भारत से विलग नहीं किया जा सकता| राम के सुख में भारत के जन-जन का सुख आश्रय पाता है, उनके दुःख में भारत का कोटि-कोटि जन आँसुओं के सागर में डूबने लगता है और वे अश्रु-धार भी ऐसे परम-पुनीत हैं कि तन-मन को निर्मल बना जाते हैं।

अश्रुओं की उस निर्मल-अविरल धारा में न कोई ईर्ष्या शेष रहती है, न कोई अहंकार, न कोई लोभ, न कोई मोह, न कोई अपना, न कोई पराया| कैसा अद्भुत है यह चरित-काव्य, जिसे बार-बार सुनकर भी और सुनने की चाह बची रहती है और रसपान की प्यास बनी की बनी रह जाती है! कैसा अद्भुत है यह नाम जिसके स्मरण मात्र से नयन-चकोर उस मुख-चंद्र की ओर टकटकी लगाए एकटक निहारते रह जाते हैं! उस चरित्र को अभिनीत करने वाले, उस चरित्र को जीने वाले, लिखने वाले हमारी आत्यंतिक श्रद्धा के सर्वोच्च केंद्रबिंदु बन जाते हैं| उसके सुख-दुःख, हार-जीत, मान-अपमान में हमें अपना सुख-दुःख, हार-जीत, मान-अपमान प्रतीत होने लगता है| उसकी प्रसन्नता में सारा जग हँसता प्रतीत होता है और उसके विषाद में सारा जग रोता| टेलीविजन पर आज के प्रसारण में लव-कुश द्वारा रामायण का सस्वर गायन सुनकर आज मेरे चित्त की ऐसा दशा हुई कि वर्णन नहीं कर सकता| बस इतना कह सकता हूँ कि स्मरण नहीं, इससे पूर्व कब इन नयनों की कोरों से अश्रुओं की ऐसी धार उमगी-उमड़ी थी | लाख प्रयासों के पश्चात भी जिसे परिजनों की दृष्टि से ओझल न रख पाया जाय, भावनाओं के उस तीव्रतम वेग का अनुमान आप सहज ही लगा सकते हैं| और क्या यह केवल मेरे चित्त की अवस्था है अतः जो भी महापुरुष साधु संत हुए सबने भगवान राम के बारे में अवश्य ही उसे ईश्वर का रूप बताया है यहाँ तक की सिख धर्म में भी भगवान राम का कई जिक्र है साई बाबा राम भक्त नहीं थे, वे अल्लाह मालिक जरूर बोलते थे.. और वे एक संत फकीर थे, उन्हें भगवान मानना या भगवान के बराबर उनका नाम लेना बहुत गलत है। साई एक इंसान थे और श्री राम साक्षात भगवान हरि हैं अतः आप भगवान राम की पूजा करें इधर उधर भटकने की जरुरत नहीं है साईं बाबा का कहना है सबका मालिक एक, लेकिन सबका मालिक भगवान राम है जो ईश्वर है और अंतर्यामी है।

महान गणितज्ञ रॉबर्ट सिमसन

आम तौर पर यह माना जाता है कि रॉबर्ट सिमसन ने 1710 तक लगभग आठ साल की अवधि के लिए एक छात्र के रूप में विश्वविद्यालय में भाग लिया, यह उस समय अध्ययन की एक असामान्य अवधि नहीं थी। 1710 में प्रोफेसर रॉबर्ट सिंक्लेयर ने इस्तीफा दे दिया, और सिमसन को कुर्सी की पेशकश की गई। वह इसे तुरंत स्वीकार करने के लिए अनिच्छुक थे, और उन्होंने लंदन में कुछ समय बिताने की अनुमति मांगी, जहाँ उन्हें इंग्लैंड के कुछ सबसे प्रतिष्ठित गणितज्ञों से परिचित होने का अवसर मिल सकता था।

संजय गोस्वामी

रॉबर्ट सिमसन एक स्कॉटिश गणितज्ञ थे, जिनका जन्म 14 अक्टूबर 1687 वेस्ट किलब्राइड, आयरशायर, स्कॉटलैंड में हुआ जो त्रिभुज की सिमसन रेखा के लिए सबसे ज़्यादा जाने जाते थे, हालाँकि वे इसके पहले खोजकर्ता नहीं थे। रॉबर्ट सिमसन जॉन सिमसन और एग्नेस सिमसन (नी सिमसन) के सबसे बड़े बेटे थे। सिमसन की माँ के 17 बच्चे थे, सभी लड़के थे, जिनमें से केवल छह ही वयस्क हो पाए। सिमसन ने 3 मार्च 1702 को एक छात्र के रूप में ग्लासगो विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया, उस समय उनकी आयु 14 वर्ष थी, और उन्होंने रीजेंट जॉन ट्रान के अधीन अध्ययन किया। उन्होंने क्लासिक्स, प्राच्य भाषाओं और वनस्पति विज्ञान में खुद को प्रतिष्ठित किया। उनके पिता का इरादा था कि रॉबर्ट चर्च में प्रवेश करें, और यह केवल संयोग से हुआ कि उनकी रुचि गणित में बदल गई। धर्मशास्त्र के छात्र के रूप में उन्हें अपने शिक्षकों के लिए लिखित कार्य तैयार करने की आवश्यकता थी। यह उन्हें असंतोषजनक लगा, क्योंकि उन्हें लगा कि तर्क अनिर्णायक और अटकलबाज़ी वाले थे। मनोरंजन के लिए उन्होंने सबसे पहले प्राच्य भाषाविज्ञान पर एक पुस्तक पढ़ी, जहाँ उन्हें ऐसे कथन मिले जिन्हें सत्य या असत्य सिद्ध किया जा सकता था, लेकिन यह पूरी तरह से संतोषजनक नहीं था और उस स्तर पर उन्होंने गणित और यूक्लिड के तत्वों का सहारा लिया। फिर उन्होंने गणित का गंभीरता से अध्ययन करने के लिए काम करना शुरू किया, लेकिन उन्हें यह अपने आप ही करना पड़ा, क्योंकि उस समय, किसी कारण से, प्रोफेसर रॉबर्ट सिंक्लेयर द्वारा इस विषय पर कोई व्याख्यान नहीं दिया गया था। ग्लासगो में एक छात्र के रूप में अपने पहले वर्ष के दौरान रॉबर्ट सिमसन एक दिलचस्प घटना में शामिल थे, जो दर्शाता है कि संसदों के संघ से पहले भी, स्कॉटिश और साथ ही अंग्रेजी छात्रों ने 5 नवंबर को आतिशबाजी के साथ मनाया था। उस रात एक बंद कमरे से बाहर निकलते समय रॉबर्ट को एक साथी छात्र आर्थर ट्रान की पिस्तौल से गोली लगने से चेहरे पर चोट लग गई, जो अन्य छात्रों के एक समूह के साथ पिस्तौल से फायर कर रहा था और स्क्विब छोड़ रहा था। उन्हें संकाय के समक्ष पेश किया गया, जहाँ ट्रान ने माना कि उसने पिस्तौल चलाई थी, और उसने कहा था कि वह इसे किसी बूढ़ी औरत की पीठ में मार देगा। ट्रान पर खुद आधा क्राउन का जुर्माना लगाया गया, उसके दोस्तों पर कम जुर्माना लगाया गया और कॉमन हॉल में सार्वजनिक रूप से फटकार लगाई गई। ट्रान शायद रीजेंट जॉन ट्रान का बेटा था। आम तौर पर यह माना जाता है कि रॉबर्ट सिमसन ने 1710 तक लगभग आठ साल की अवधि के लिए एक छात्र के रूप में विश्वविद्यालय में भाग लिया, यह उस समय अध्ययन की एक असामान्य अवधि नहीं थी। 1710 में प्रोफेसर रॉबर्ट सिंक्लेयर ने इस्तीफा दे दिया, और सिमसन को कुर्सी की पेशकश की गई। वह इसे तुरंत स्वीकार करने के लिए अनिच्छुक थे, और उन्होंने लंदन में कुछ समय बिताने की अनुमति मांगी, जहाँ उन्हें इंग्लैंड के कुछ सबसे प्रतिष्ठित गणितज्ञों से परिचित होने का अवसर मिल सकता था। यह मंज़ूर हो गया और वह तुरंत लंदन चले गए जहाँ उनकी मुलाकात कई जाने-माने गणितज्ञों से हुई, जैसे एडमंड हैली, जॉन कैसवेल (मृत्यु 1712), ऑक्सफोर्ड में ज्यामिति के सेविलियन प्रोफेसर, विलियम जोन्स और अंत में हम्फ्री डिट्टन (1675-1715), क्राइस्ट हॉस्पिटल में गणितीय मास्टर, जिनके साथ सिमसन विशेष रूप से मित्रवत थे। लंदन में रहते हुए उन्हें बताया गया कि 8 मार्च 1711 के फैकल्टी मिनट द्वारा उन्हें ग्लासगो चेयर के लिए नामित किया गया था, बशर्ते कि वह अपने प्रवेश से पहले गणित में अपने कौशल का संकाय को संतोषजनक प्रमाण दें। वह ग्लासगो लौट आए, जहाँ 10 नवंबर 1711 को उन्हें हल करने के लिए दो ज्यामितीय समस्याएँ दी गईं। इन विषयों को उन्होंने संकाय की संतुष्टि के अनुसार निपटाया जिसके बाद उन्होंने गणित में अपने कौशल और ज्यामिति तथा बीजगणित पढ़ाने में निपुणता का संतोषजनक नमूना पेश किया, उन्होंने ऑक्सफोर्ड में खगोल विज्ञान के प्रोफेसर श्री कैसवेल और लंदन में गणित में कुशल अन्य लोगों से पर्याप्त प्रशंसापत्र भी प्रस्तुत किए, जिसके आधार पर संकाय ने उन्हें इस तत्काल नवंबर के उन्नीसवें दिन प्रवेश देने का निर्णय लिया। अपने प्रवेश से तीन दिन पहले उन्होंने कला में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। जब वे इंग्लैंड में थे, तब एडमंड हैली ने उन्हें सुझाव दिया कि वे अपनी काफी प्रतिभा को यूक्लिड और पेर्गा के अपोलोनियस जैसे प्रारंभिक ग्रीक ज्यामितिज्ञों के काम को जारी रखें । ये ऐसे कार्य हैं जो केवल बाद के गणितज्ञों जैसे कि अलेक्जेंड्रिया के पप्पस द्वारा दिए गए संक्षिप्त विवरणों में प्रकाशित था । उन्होंने सबसे पहले यूक्लिड के तथाकथित पोरिज्म का अध्ययन किया। प्लेफेयर की 1792 में दी गई पोरिज्म की परिभाषा 70 से ज़्यादा अलग-अलग संस्करण, संशोधन या अनुवाद 1756 में पहली बार ग्लासगो में प्रकाशित हुए, जबकि अन्य ग्लासगो, एडिनबर्ग, डबलिन, लंदन, कैम्ब्रिज, पेरिस और कई अन्य यूरोपीय और अमेरिकी शहरों में प्रकाशित हुए। हाल के संस्करण 1933 में लंदन और टोरंटो में इसहाक टॉडहंटर के संपादन में और 1944 में साओ पाओलो में प्रकाशित हुए। सिमसन के व्याख्यान लैटिन में दिए गए थे, कम से कम उनके करियर की शुरुआत में। उनके सबसे महत्वपूर्ण लेखन उसी भाषा में लिखे गए थे, हालाँकि, लैटिन में इसके पहले प्रकाशन के बाद यूक्लिड का उनका संस्करण अंग्रेजी में प्रकाशित हुआ, जैसा कि उन्होंने अपने छात्रों के लाभ के लिए शंकु वर्गों पर एक ग्रंथ लिखा था। 1761 में सेवानिवृत्त होने से पहले सिमसन ने शर्त रखी कि उनके सहायक जेम्स विलियमसन को उनका उत्तराधिकारी बनाया जाए, और इस पर सहमति बन गई। एक प्रस्ताव है जो ऐसी स्थितियों को खोजने की संभावना की पुष्टि करता है जो किसी निश्चित समस्या को अनिश्चित बना देगा, या असंख्य समाधानों में सक्षम होगा। यूक्लिड के पोरिज्म पर सिमसन का काम 1723 में रॉयल सोसाइटी के फिलॉसॉफिकल ट्रांजेक्शन में प्रकाशित हुआ था, और अपोलोनियस के लोकी प्लैनी की उनकी बहाली 1749 में सामने आई थी।

रामलीला का बदलता स्वरूप समाज के लिए खतरा

वाल्मीकि रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम और रावण की सेना के बीच 84 दिनों तक युद्ध लड़ा गया। युद्ध में सफलता के लिए स्वयं भगवान श्रीराम ने शक्ति की उपासना की थी। जिसके बाद लगातार 9दिनों तक युद्ध के बाद दसवें दिन रावण का अंत कर दिया। इसलिए हिन्दू धर्म में नौ दिनों तक शक्ति की उपासना की जाती है और दसवें दिन दशहरा मनाया जाता है। रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम और रावण के बीच लगातार 8 दिनों सीधे युद्ध हुआ था। अश्विन शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को दोनों के बीच शुरू हुआ संग्राम दशमी को रावण वध के साथ समाप्त हुआ। रावण का अंत करने के बाद भगवान श्रीराम को वापस अयोध्या पहुंचने में करीब 20 दिन लगे थे।

विनोद कुमार सिंह

दिल्लीवासियों का सम्बन्ध राम लीलाओं से काफी ही पुराना है। जिसका जीता जागता उदाहरण दिल्ली का ऐतिहासिक। रामलीला मैदान है। जिसके जुड़ी हुई कुछ किस्से आज भी सुनने को मिलती रहती है। पिछले दिनों दिल्ली व एन सी आर राम भक्तों व रामलीलाओं मंचन व जयश्री राम व हर हर महादेव के नारे से पुरा वातावरण गुंजायमान हो रहा था। दिल्ली व एन सी आर वाले शाम होते हीअपने परिवार के सदस्यो के संग रामलीला का आनंद लेने घर से निकल पड़ते थे। मुझे भी कुछ रामलीलाओं को अवलोकन का सुअवसर मिला। इस दौरान मुझे एक जिज्ञासु व दर्शक की पैनी नजर से रामायण के कई पात्रओ के बारे में बारीकी से जानने का अवसर मिला। रामलीलाओं स्थलों व मंचों के कई क्षण व दृश्य ऐसे आयें जिसने मुझे ना प्रभावित किया बल्कि कुछ सोचने को मजबूर कर दिया। इन में दो उल्लेखनीय पहलू है। रामलीला कर राम -रावण युद्ध का प्रसंग। आप को बता दें राम - रावण का युद्ध काफी ही शिक्षाप्रद व रोचक है। आज रामलीलाओं में मर चुका है रावण का शरीर,सुनसान है किले का परकोटा,चारो दिशाओं में उदासी पसरी है,किसी के घर में नही जल रहा दीया। विभीषण के घर छोड़ कर सागर के तट पर बैठ है विजय श्री राम। विभीषण को लंका का राज्य पाठ सौंपते हुए ताकि सुबह हो सके निर्विघ्न राज्याभिषेक,स्वयं राम लक्ष्मण से पुछते अपने सहयोगियों के कुशल क्षेम,चरणो में हनुमान बैठे। लक्ष्मण मन से क्षुब्द है। भ्राताश्री राम सीता माता को अशोक बाटिका मे क्यों नही लेने जाते है।

विभीषण का राज्याभिषेक हो गया है। लंका में राम प्रवेश कर एक भव्य भवन पहुंच गये है। हनुमान को अशोक वाटिका में संदेश देने भेजते है कि रावण मारा गया है और अब विभीषण लंकापति है। हनुमान का यह संदेश सुनकर माँसीता खामोश है,निहारती है उस रास्ते को। उनके मन में प्रश्न उठते है कि रावण का वध करते ही वनवासी राम,राजा राम बन गये क्या। लंका पहुंच कर वे क्यूं नही जानना चाहते है,एक वर्ष कहाँ रही सीता,कैसे रही उनकी सीता। मॉ सीता के नयनों से अविरल बहते हए अश्रुधार। ना राम भक्त हनुमान नही समझ पाते, ना रामायण के रचयिता बाल्मिकी कह नही पाते है। माँ सीता आज सोचती है कि अगर राम आते मै उन्हें यहाँ के परिचायिकाओं से, जिन्होने रावण के आदेश पर मुझे भयभीत तो किया,लेकिन नारी के पूर्ण गरिमा प्रदान की,वे रावण की अनुचरी थी लेकिन मेरे लिए माताओं के समान थी। अगर स्वयं राम आते यहाँ मै उन्हें इसे मिलवाते,यहाँ के अशोक के वृक्षों से जिन्होंने मुझे अपने विश्वास पर अड़े की आपर शक्ति देती रही,यहाँ की पुष्प व लताओं से जिन्होनें उनकी सीता कीआँसुओं को ओंस के कणों की तरह सहेज कर रखा। लेकिन वे अब तो वे राजा राम है कैसे आते अपनी सीता को लेने के लिए। देखते देखते कई पहर बीत गए,लंकापति विभीषण के नेतृत्व में माता सीता जी का श्रंगार की गई। भव्य पालकी मे बैठी हुई माँ सीता आज मन मन सोच रही है कि राजा जनक जी ने उन्हें इसी तरह से घर से विदा किया था। तभी वातावरण में स्वर गुंजता है कि सीता को मेरे पास पैदलआने दो। भुमि सुता माँ सीता जमीन पर कॉपती हुई चलते मन में ज्वलंत प्रशन उठते है कि मैंने स्वयंवर में जिसका वरण किया था क्या ये वही है यह पुरुष,जिसके प्रेम में अयोध्या का महल छोड़ कर उनके संग वन वन भटकी थी। हाँ रावण नें गोद मे उठाया था। मुझसे क्या था प्रणय निवेदन वह स्वयं में राजा था,चाहता तो बल पूवर्क ले जाता राजमहल में,लैकिन उसने मेरे स्त्रीत्व का अपमान कभी नही किया। रावण के विषय में सही जानकारी से आज बहुत लोग अपरिचित है। रावण कौन था,क्या रामायण का एक पात्र मात्र था आपके मन में भी कुछ ऐसे सवाल होंगे तो मै बता दूँ कि रावण एक महाज्ञानी,महा पराक्रमी और महाबलशाली था। रावण चारों वेदों का जानकार था। वह धरती पर मौजूद सबसे बुद्धिमान व्यक्तियों में से एक था। हालांकि उसके अहंकार के कारण उसका अंत हुआ। रावण भगवान शिव का परम भक्त था और उसे यह वरदान था कि कोई भी देवी-देवता का उसका अंत नहीं सकता। यही कारण है कि रावण का वध करने के लिए भगवान विष्णु को मानव रूप में अवतार लेना पड़ा। भगवान विष्णु के अवतार भगवान श्रीराम ने रावण की नाभि में तीर मारकर उसका अंत किया। रावण के अंत से पहले भगवान श्रीराम और रावण की सेना के बीच कई दिनों तक युद्ध चला। धर्म और अधर्म के बीच हुआ यह युद्ध कितने दिनों तक चला,इस बार में बहुत कम लोगों को जानकारी है।

वाल्मीकि रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम और रावण की सेना के बीच 84 दिनों तक युद्ध लड़ा गया। युद्ध में सफलता के लिए स्वयं भगवान श्रीराम ने शक्ति की उपासना की थी। जिसके बाद लगातार 9दिनों तक युद्ध के बाद दसवें दिन रावण का अंत कर दिया। इसलिए हिन्दू धर्म में नौ दिनों तक शक्ति की उपासना की जाती है और दसवें दिन दशहरा मनाया जाता है। रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम और रावण के बीच लगातार 8 दिनों सीधे युद्ध हुआ था। अश्विन शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को दोनों के बीच शुरू हुआ संग्राम दशमी को रावण वध के साथ समाप्त हुआ। रावण का अंत करने के बाद भगवान श्रीराम को वापस अयोध्या पहुंचने में करीब 20 दिन लगे थे। शास्त्रों के अनुसार रावण की सेना में करोड़ो लोग थे,बावजूद इसके भगवान श्रीराम और उनकी वानर सेना ने बहुत पराक्रम के साथ युद्ध किया और श्रीराम ने रावण का अंत कर दिया। सिर्फ रावण ही नहीं बल्कि उसकी सेना में ऐसे कई पराक्रमी योद्धा थे,जिन्हें किसी मनुष्य के लिए हराना असंभव था। इसलिए भगवान विष्णु के अवतार के साथ-साथ भगवान शिव और अन्य देवताओं ने भी अवतार लिए थें। श्रीराम-रावण के युद्ध में रावण के चार भाइयों कुम्भकर्ण,खर,दूषण और अहिरावण ने हिस्सा लिया था। इनमें से अहिरावण का अंत हनुमानजी ने किया था जबकि बाकी तीन भाइयों का अंत श्रीराम के हाथों हुआ। युद्ध में रावण के सात शूरवीर पुत्र भी उतरे थे। इनमें से मेघनाद, प्रहस्त और अतिकाय का अंत लक्ष्मणजी ने किया जबकि नरान्तक, देवान्तक और अक्षय कुमार का अंत हनुमान के हाथों हुआ।

रतन टाटाः देश की आर्थिक-सामाजिक प्रगति के संवाहक

मुस्ताअली बोहरा

देश ही दुनिया के सबसे बड़े कारोबारियों में से एक रतन टाटा अब आसमान में सितारे बनकर चमक रहे हैं। उनकी विदाई से न सिर्फ उद्योग जगत बल्कि समूचे समाज में जो शून्य उभरा है उसकी पूर्ति कभी नहीं हो पाएगी। पूंजीवाद और प्रतिस्पर्धा के इस दौर में रतन टाटा सरीखा परोपकारी कारोबारी होना मायने रखता है। उन्होंने करीब दो दशक से अधिक वक्त तक देश के सबसे बड़े कारोबारी समूह का नेतृत्व किया। सन 1991 में जेआरडी टाटा से रतन टाटा को करीब तीन दर्जन कंपनियां विरासत में मिलीं थीं। इन कंपनियों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा मोटर्स और टाटा स्टील से ही अन्य कंपनियों की तुलना में आय और लाभ का बड़ा हिस्सा आता था। रतन टाटा ने इस पूरे समूह को एकजुटता के साथ मजबूत बनाया। नमक से लेकर बस तक टाटा के प्रोडक्ट इतने है कि गिनते गिनते थक जाएं। आजादी के पहले से लेकर और अब तक टाटा परिवार का इस देश में खासा योगदान रहा है। रतन टाटा ने भी औद्योगिक तरक्की करते हुए ना कभी अपने समूह को निराश किया और ना कभी देश को। जिस मुकाम पर वो थे उसे हासिल करने के लिए रतन टाटा को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। नेल्कों में रहते हुए उन्हें समूह के भीतर ही विरोध का सामना करना पड़ा। उसी दौरान टाटा मोटर्स की पुणे इकाई में सबसे बड़ी हड़ताल हुई। लेकिन रतन टाटा ने अपनी उर्जा ज़ाया नहीं की बल्कि समूह के दूसरे कारोबारों को चमकाने में लगाई। सौंदर्य-प्रसाधन, पर्सनल केयर, औषधि, कंप्यूटर हार्डवेयर और सीमेंट जैसे कारोबारों में एनर्जी खर्च नहीं की। वर्ष 2007 में एंग्लो-डच कोरस स्टील और 2008 में वित्तीय संकट से पहले जगुआर-लैंड रोवर के अधिग्रहण ने समूह की वित्तीय स्थिति पर असर डाला। लेकिन इन बड़े अधिग्रहणों ने वैश्विक स्तर पर समूह को काफी उचांई पर पहुंचा दिया। प्रौद्योगिकी और दूरसंचार, विमानन और मोबाइल कलपुर्जा निर्माण पर जोर दिया अपनी दूरंदेशी साबित की। रतन टाटा ने प्रौद्योगिकी की क्षमता को बहुत पहले ही पहचान लिया था। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने भारत में एक मजबूत आइटी सेवा उद्योग स्थापित करने में सहायता की, जिससे देश को वैश्विक आइटी हब के रूप में पहचान मिली। उनके प्रयासों से टीसीएस साफ्टवेयर डेवलपमेंट और कंसल्टेंसी में एक प्रमुख नाम बनी, जिसने दुनिया भर में व्यवसायों के डिजिटल परिवर्तन में योगदान दिया। रतन टाटा के मार्गदर्शन में टाटा टेली सर्विसेज की शुरुआत भारत के दूरसंचार क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई। इसने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ाने में मदद की। वो रतन टाटा ही थे जो एक समय में 1 लाख रूपये वाली कार बेच रहे थे और 1 करोड़ रूपये वाली कार भी। उन्होंने ही आम आदमी को कार मालिक बनने का सपने दिखाया और उस सपने को पूरा करने के लिए जददोजहद की। रतन टाटा ही टाटा ग्रुप का प्रतिष्ठित चेहरा रहे। करीब डेढ़ सौ साल से भी ज्यादा पुरानी विरासत को आगे ले जाने में उनकी महती भूमिका रही।

अपनी परोपकारी प्रवृत्ति, विनम्रता, सरल-सहज स्वभाव और दूरदर्शी नेतृत्व के लिए पहचाने जाने वाले रतन टाटा ने भारतीय व्यापार परिदृश्य को नई दिशा प्रदान की। ये रतन टाटा ही थे जिनकी कंपनियां विश्वस्तरीय थीं और वो खुद बेहद साधारण और सरल। उन्होंने टाटा गुरप को ग्लोबल या वैश्विक स्तर पर स्थापित किया। उन्होंने टाटा टी को टेटली, टाटा मोटर्स को जगुआर, लैंड रोवर तथा टाटा स्टील को कोरस का अधिग्रहण करने में मदद की, जिससे यह समूह भारत-केंद्रित समूह से वैश्विक व्यवसाय में परिवर्तित हो गया। इसी के चलते उनके दो दशकों के कार्यकाल में टाटा ग्रुप का राजस्व चालीस गुना से अधिक बढ़ गया और मुनाफा भी पचास फीसदी तक। रतन टाटा ने ओला और पेटीएम सहित विभिन्न स्टार्टअप कंपनियों में भी खासा निवेश किया। दुनिया भर के सबसे बड़े दानदाताओं की सूची में टाटा ग्रुप के संस्थापक जमशेदजी टाटा का नाम सबसे पहले लिया जाता रहा है। रतन टाटा भी दान के मामले में पीछे नहीं थे। टाटा समूह ने कोविड महामारी से लड़ने के लिए भारत सरकार को डेढ़ हजार करोड़ रुपये का दान किया था, जो भारतीय कारोबारी घरानों द्वारा किया गया सबसे बड़ा दान था। रतन टाटा के लिए कारोबार महत्वपूर्ण तो रहा लेकिन उनकी प्राथमिकताओं में देश सबसे उपर रहा। ये कभी नहीं भूला जा सकता कि जब देश भर में कोरोना फैला हुआ था और कई छोटे-बड़े कारोबारी सौ का सामान हजार में बेच रहे थे तब रतन टाटा ने प्रोडक्शन रोककर देश को ऑक्सीजन देने का बीड़ा उठाया था।

भिंडी की उन्नत खेती करने की सम्पूर्ण जानकारी

हमारे देश में किसान कई तरह की सब्जियों की खेती करते हैं. जिनमें भिंडी काफी लोकप्रिय है. यह सब्जियों की सूची में सबसे ऊपर आती है. इसे अंग्रेजी में लेडी फिंगर व ओकरा के नाम से भी जाना जाता है. गर्मी के मौसम में बाजार में इसकी कीमत काफी ज्यादा बढ़ जाती है. क्योंकि ज्यादातर लोग तरह -तरह से भिंडी की सब्जी को बनाते हैं.

यह अपने स्वाद के साथ-साथ कई तरह के पोषक तत्वों से भी भरपूर होती है. जैसे- विटामिन ए, सी आदि. वर्तमान समय में कृषि वैज्ञानिकों की मदद से किसान कई तरह की नई तकनीकों से भिंडी की खेती कर रहे हैं. इसके साथ ही इसकी कई प्रकार की उन्नत किस्में भी विकसित हो चुकी हैं, जिनकी खेती करके किसान भिंडी की फसल से ज्यादा से ज्यादा उपज प्राप्त कर सकते हैं. तो ऐसे में आज हम आपको बतायेंगे कि भिंडी की खेती करने के लिए क्या- क्या जरुरी कदम हैं. जैसे- उपयुक्त जलवायु, उपयुक्त भूमि, खेत की तैयारी, उन्नत किस्में, निराई-गुड़ाई, बीज और बीजोपचार, रोग नियंत्रण, बुवाई, सिंचाई, तोड़ाई और उपज.

भिंडी की खेती करने के लिए उपयुक्त जलवायु

भिंडी की खेती के लिए उष्ण और नम जलवायु की आवश्यकता पड़ती है. इसके बीजों के जमाव के लिए करीब 20 से 25 डिग्री सेन्टीग्रेट तापमान चाहिए होता है. ध्यान दें कि गर्मी में 42 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान इसकी फसल को काफी हद तक नुकसान पहुंचाता है, क्योंकि ऐसे में इसके फूल गिरने लगते हैं. जिस वजह से इसका सीधा असर उपज पर पड़ता है.

भिंडी की खेती करने के लिए उपयुक्त भूमि

भिंडी की खेती किसान सभी प्रकार की मिट्टी में कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए हल्की दोमट मिट्टी काफी अच्छी मानी जाती है. क्योंकि इस मिट्टी में जल निकास काफी अच्छी तरह हो जाता है. इसके अलावा इसकी खेती के लिए भूमि में कार्बनिक तत्व का होना बेहद ज़रूरी है. इसके साथ ही इसका पी.एच.मान लगभग 6 से 6.8 तक होना चाहिए. आपको बता दें कि किसान खेती के पहले एक बार मिट्टी की जांच जरुर करवा लें. ताकि बाद में उन्हें खेती करते समय किसी प्रकार की परेशानी न हो और वे अच्छे से खेती कर सकें.

भिंडी की खेती करने के लिए खेत की तैयारी

भिंडी की खेती करते समय किसान सबसे पहले खेत की 2 से 3 बार अच्छे से जुताई कर लें. इसके साथ ही खेत को भुरभुरा करके उसपर पाटा चला लें, ताकि खेत अच्छी तरह से समतल हो जाए.

भिंडी की खेती करने के लिए उन्नत किस्में

आजकल कृषि वैज्ञानिकों द्वारा भिंडी की कई प्रकार की उन्नत किस्में विकसित हो चुकी हैं. इन किस्मों की खेती कर किसान फसल की उपज को काफी हद तक बढ़ा सकते हैं. किसानों को भिंडी की किस्मों का चयन अपने क्षेत्र की जलवायु और मिट्टी के अनुसार ही करना चाहिए.

पूसा द्वारा विकसित भिंडी की प्रमुख किस्में

वर्षा उपहार
अर्का अभय
परभनी क्रांति
पूसा मखमली
पूसा सावनी
वी.आर.ओ.
हिसार उन्नत
पूसा ए-4

भिंडी की खेती करने के लिए निराई-गुड़ाई

भिंडी की खेती करते समय किसान भाइयों को अपने खेतों को खरपतवारों से मुक्त रखना चाहिए, इसलिए इसकी फसल की बुवाई करने के करीब 15 से 20 दिनों के बाद पहली निराई-गुड़ाई कर देनी चाहिए. आपको बता दें कि भिंडी के खेत में खरपतवार नियंत्रण के लिए किसान रासायनिक उत्पादों का भी इस्तेमाल कर सकते हैं.

भिंडी की खेती करने के लिए बीज और बीजोपचार

भिंडी की फसल बुवाई करने के लिए 1 हेक्टेयर खेत में करीब 3 कि.ग्रा से 10 कि.ग्रा बीज की ज़रूरत पड़ती है. इसलिए ध्यान दें कि इसके बीजों को बोने से पहले करीब पानी में 24 घंटे तक डुबाकर रखें. इस तरह बीजों का अंकुरण अच्छा होगा. इसके अलावा इसके बीजों को थायरम या कार्बेन्डाजिम से भी उपचारित किया जा सकता है.

भिंडी की खेती करने के लिए रोग नियंत्रण

भिंडी की फसल में अधिकतर येलो मोजेक यानी पीला रोग होने का खतरा काफी हद तक बना रहता है. इस रोग में फल, पत्तियां और पौधा पीला पड़ने लगता है. अगर इस रोग से फसल को समय रहते बचाना है, तो उसके लिए आवश्कयतानुसार मेलाथियान को पानी में घोलकर खेतों में समय -समय पर छिड़कते रहें. इससे पीला रोग का खतरा काफी कम हो जाता है.

प्ररोह एवं फल छेदक रोग यह छोटे कीट फसल के फलों में छेद करके उनमें घुस जाते हैं. फिर धीरे -धीरे पूरे फल को खा लेता हैं. इससे बचने के लिए आप जिस भी फल, फूल और कोपलों पर ये कीट लगा हुआ है. उसको इकट्ठा करके पूरी तरह नष्ट कर दें. ताकि उसकी वजह से बाकि फसल न ख़राब हो. अगर यह कीट ज्यादा फसल पर फ़ैल रहे हैं तो किसान भाई आवश्यकतानुसार कार्बोरिल को पानी में घोलकर फसल पर छिड़क दें. या फिर आवश्यकतानुसार नीम ऑयल और लहसुन को पानी में घोलकर छिड़कें.

रस चूसक कीट रोग इससे बचने के लिए आप भिंडी की फसल में मोयला, हरा तेला, सफेद मक्खी आदि कीट का प्रकोप हो सकता है, जो फसल की फूल-पत्तियों का पूरा रस चूस लेते हैं. जिस वजह से पौधों का विकास रुक जाता है. इसके साथ ही पत्तियां मुरझाकर पीली पड़ने लगती हैं और कमजोर हो कर गिर जाती हैं. इसके लिए आप पौधों के बढ़ते समय नीम के तेल को पानी में अच्छे से मिलाकर छिड़क दें. यह प्रक्रिया हर 10 दिन के बाद करे. इसके अलावा आवश्यकतानुसार डायमेथोएट, मोनोक्रोटोफोस, ऐसीटामीप्रीड, एसीफेट 2 में से किसी एक को पानी में अच्छे से घोलकर छिड़क दें. इस प्रक्रिया को हर 10 दिन के बाद 5 से 6 बार करें.

भिंडी की खेती करने के लिए बुवाई

भिंडी की बुवाई किसान भाइयों को कतारों में करनी चाहिए. इसके लिए ध्यान दें कि खेत में कतारों की दूरी करीब 25 से 30 से.मी तक होनी चाहिए. इसके साथ ही पौधों की दूरी भी करीब 15 से 20 से.मी तक की रखनी चाहिए.

भिंडी की खेती करने के लिए सिंचाई

गर्मियों के मौसम में भिंडी की फसल सिंचाई लगभग 5 से 7 दिनों के अंतराल पर करते रहना चाहिए. अगर खेत में नमी न हो, तो फसल की बुवाई से पहले भी आप एक बार सिंचाई कर सकते हैं.

भिंडी की फसल तोड़ाई

भिंडी के फलों की तुड़ाई उसकी किस्म पर निर्भर करती है. वैसे इसकी तुड़ाई लगभग 45 से 60 दिनों में शुरू कर देनी चाहिए. ध्यान दें कि इसकी 4 से 5 दिनों के अंतराल पर रोजाना तुड़ाई करें.

भिंडी की खेती करने के लिए उपज

अगर किसान भाई भिंडी की खेती उन्नत किस्मों और अच्छी देखभाल के साथ करते हैं, तो वे इससे प्रति हेक्टेयर लगभग 120 से 170 क्विंटल उपज प्राप्त कर सकते हैं. क्योंकि एक फसल की कीमत बाजार में भी अच्छी ही मिलती है. बस ध्यान रहें कि सस्ते और जहरीले रासायनिकों का इस्तेमाल खेतों में न किया जाए. क्योंकि इससे पहले उत्पादन तो अच्छा मिल जायेगा पर इसके सेवन से लोगों की सेहत के साथ -साथ खेतों की मिटटी पर भी इसका काफी असर पड़ेगा. इसलिए जितना हो सके जैविक उत्पाद का इस्तेमाल करें.

प्याज-सब्जी की खेती को चौपट कर रही पार्थेनियम घास

किसान भाई अपनी फसल को लेकर हमेशा परेशानी में रहते हैं. कहीं बारिश अच्छी ना होने की वजह से तो कहीं फसल में उगाने वाली पार्थेनियम घास से किसान बहुत परेशान हैं. आपको बता दें कि सब्जी और प्याज की खेतों में उगा पार्थेनियम घास किसानों की फसल को बर्बाद कर रहा है. लाख बचाव के बाद भी किसान अपनी फसल को इस घास से छुटकारा नहीं दिला पा रहे हैं. पार्थेनियम घास ने दिन पर दिन किसानों की मुश्किलें बढ़ती जा रही है. जहां एक तरफ दियारांचल में प्याज की खेती सहित सिमरी, डुमरी, चक्की, काजीपुर, भेड़िया, अरक, धनंजयपुर, कठार, जवही आदि की खेती अच्छी हुई है. वहीं उत्तरी इलाका में पार्थेनियम घास ने इनकी खेती को बुरी तरह से अपना प्रभाव डाला है.

प्याज के साथ अन्य फसल भी आई चपेट में

उत्तरी इलाकों के किसानों का कहना है कि फसलों में पार्थेनियम घास के उगने से प्याज के साथ-साथ अन्य फसल भी धीरे-धीरे इसकी चपेट में आ रही है. अपनी इस परेशानी का हल निकालने के लिए किसानों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी बात की है, कि वह किसानों को पार्थेनियम की इस समस्या से जल्द ही निजात दिलाए. किसानों का कहना है कि दियारांचल में एक चौथाई फसल से अधिक इसकी चपेट में आ चुकी है.

किसानों का कहना है, कि पार्थेनियम घास पिछले चार दशक से किसानों के लिए परेशानी बनी हुई है. अपनी इस परेशानी को किसानों ने बिहार विधानसभा तक उठाया है, लेकिन इसके उन्हें अभी तक कोई फायदा नहीं प्राप्त हुआ है. पार्थेनियम घास को लेकर किसानों का कहना हैं, कि जब हम इसे फसल के बीच से उखाड़ते है, तो इसे हाथों में खुजली व एलर्जी हो जाती है. कृषि वैज्ञानिकों के पास भी इस परेशानी का अभी तक कोई ठोस हल नहीं मिला है.

दियारांचल के किसानों की परेशानी को लेकर किसान युवराज चंद्रविजय सिंह ने भी मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री, कृषि विभाग के प्रधान सचिव तथा वीर कुंवर सिंह कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को पत्र भी लिखा है, लेकिन अब तक सरकार की तरफ से इससे जुड़ी किसी भी की भी परेशानी पर कोई काम शुरू नहीं किया गया है.

क्या है पार्थेनियम घास ?

पार्थेनियम घास को लेकर वीर कुंवर सिंह कृषि कॉलेज के वैज्ञानिकों द्वारा बताया गया है कि यह घास उत्तरी अमेरिका के उष्ण भागों में सबसे अधिक पाई जाती है और भारत में यह घास गेहूं के बीज के साथ मिलकर आया है. यह एक शाकीय पौधा है, जो लगभग 90 सेमी लेकर एक मीटर तक ऊंचा है. फिलहाल के लिए इसके बचाव के लिए किसानों को समय रहते पार्थेनियम घास को फूल आने से पहले ही नष्ट कर दें, ताकि यह अपने बीज ना फैला पाए और साथ ही छोटे पौधों को अपने हाथों से उखाड़ दें. ध्यान रहे कि पौधों को उखाड़ते वक्त अपने हाथों में दस्ताने जरूर पहने. जिससे की यह आपके हाथों को नुकसान ना पहुंचा सके.

मई में यह समय है कपास की बुवाई के लिए उपयुक्त

किसानों के लिए अधिक लाभ कमाने के लिए कपास की बुवाई का समय शुरू होने वाला है. ऐसे में किसान भाई अपने खाली पड़े खेतों में अगली फसल लगाने के लिए तैयार हैं. अगर आप भी अपने खेत में कपास की बुवाई करना चाहते हैं, तो आपको इसकी बुवाई की प्रक्रिया अभी से करना शुरू कर देनी चाहिए.

किसानों के लिए कपास की बुजाई का उचित समय 15 अप्रैल से 15 मई तक माना जाता है. इस दौरान आप कपास की बुवाई कर अधिक पैदावार प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन गर्मी अधिक होने के कारण कपास के पौधे झुलसने लगते हैं. देखा जाए, तो अगेती बुजाई में गर्मी की मार से कपास के पौधे को बचाया जा सकता है. जब तब गर्मी अपना प्रकोप दिखाना शुरू करेंगी कपास की फसल अच्छे से तैयार हो चुकी होगी और साथ ही समय पर सिंचाई करने से भी कपास को गर्मी से बचाया जा सकता है. अगर आप रेतीले इलाके में रहते है, तो आपको कपास की अगेती बिजाई करनी चाहिए. इससे आपको अधिक लाभ प्राप्त होगा.

भूमि की तैयारी

कपास की अच्छी पैदावार के लिए खेत का भी अच्छे से तैयार होना बेहद जरूरी होता है. वैसे तो कपास की खेती सभी तरह की मिट्टी में की जा सकती है, लेकिन रेतीली, लूणी व सेम वाली मिट्टी को इसके लिए उत्तम नहीं माना जाता है. कपास की खेती के लिए खेत में लगभग 2 से 3 बार अच्छे से गहरी जुताई करें. पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल की सहायता से करें और फिर दूसरी जुताई हैरो से करें. अधिक पैदावार प्राप्त करने के लिए प्रत्येक जुताई के बाद सुहागा जरूर लगाएं.

ऐसे करें कपास की बिजाई

कपास की बिजाई हमेशा बीज-उर्वरक संयुक्त ड्रिल या प्लांटर की सहायता से करनी चाहिए या फिर एक कतार वाले ड्रिल की सहायता से भी आप कर सकते हैं. बीजों को लगभग 4 से 5 सेंटीमीटर गहरा बोंए और साथ ही कतार की दूर लगभग 67.5 सेंटीमीटर तक होनी चाहिए. इसके अलावा पौधे से पौधे की दूसरी 30 सेंटीमीटर तक रखें. ठीक इसी प्रकार से संकर व बीटी कपास की बिजाई एक कतार में 67.5 सेंटीमीटर और पौधों की दूरी 60 सेंटीमीटर तक होनी चाहिए. जैसे कि हमने आपको ऊपर बताया ही कपास की बिजाई का उपयुक्त समय 15 अप्रैल से 15 मई तक होता है. इसके किसान अभी से अपने खेतों में कपास की बुवाई करना शुरू कर दें. ताकि अधिक गर्मी होने तक आपको कपास से नुकसान की बजाए अधिक मुनाफा होगा.

ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमला करेगा इजराइल, ईरान ने अरब देशों से कहा- हम पलटवार करेंगे

तेलअवीव(ईएमएस)। ईरान ने हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत का बदला लेने के लिए 1 अक्टूबर को इजराइल पर 200 मिसाइलें दागी थीं। अमेरिका को शक है कि इसका बदला लेने के लिए इजराइल अब ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बना सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका को नहीं लगता कि इजराइल पलटवार में ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों को निशाना बनाएगा। हालांकि, ईरान के एनर्जी इंफ्रास्ट्रकचर पर अटैक की आशंका भी जताई गई है।

वहीं, ईरान ने अमेरिका और मिडिल ईस्ट के कुछ देशों को कहा है कि अगर इजराइल ने हमला किया तो वे जवाब जरूर देंगे। ईरान से तनातनी के बीच नेतन्याहू आज फिर से कैबिनेट की मीटिंग करेंगे। इसमें ये चर्चा की जाएगी कि ईरान के 1 अक्टूबर को किए गए हमले पर पलटवार कैसे करें। इससे पहले शुक्रवार को भी एक बैठक हुई थी। हालांकि, उसमें कोई फैसला नहीं हो पाया था।

इजराइली हमले में लेबनान के 13 लोगों की मौत

इजराइल ने शनिवार को लेबनान के 2 कस्बों पर हमले किए। इनमें एक बारजा बेरूत से 32 किलोमीटर दूर है, जहां ज्यादातर सुन्नी आबादी वाले लोग रहते हैं। इजराइल के हमले में यहां 4 लोग मारे गए। हिजबुल्लाह शियाओं का संगठन हैं इसके चलते लेबनान जंग में इजराइल ने अब तक शिया इलाकों को निशाना बनाया था। सुन्नी कस्बे पर हमला पहली बार हुआ है। वहीं, उत्तरी लेबनान के मायसरा में भी इजराइली हमले में 9 लोगों की मौत हुई है। दूसरी तरफ इजराइल ने दावा किया है हिजबुल्लाह ने शनिवार को उन पर 300 प्रोजेक्टाइल (छोटी मिसाइलें) दागी हैं।

इजराइल के खिलाफ हृ के बयान पर सहमत भारत

यूएन और 40 देशों की अपील के बावजूद लेबनान में तैनात पीसकीपिंग फोर्स पर इजराइल के हमले जारी हैं। पिछले 2 दिनों में 5 सैनिक घायल हो चुके हैं। इस बीच हृ में भारत ने कहा है कि हम पीसकीपिंग मिशन में सैनिकों के जरिए योगदान देने वाला एक अहम देश हैं। पीसकीपर्स की सुरक्षा सबसे अहम है, हृस्ष्ट के प्रस्तावों के तहत इसे सुनिश्चित किया जाना चाहिए। भारत ने कहा-हम शांति के लिए लेबनान में सैनिक तैनात करने वाले 34 देशों के उस साझा बयान का समर्थन करते हैं, जिसमें सैनिकों की सुरक्षा की मांग की गई है। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने भी शनिवार को इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट से इस मुद्दे पर बात कर जल्द कोई समाधान निकालने की मांग की है।

हिज्बुल्लाह, इजराइल के हमलों का दे रहा जवाब, दागी मिसाइलें, बजने लगे सायरन

येरुशलम,(ईएमएस)। लेबनान से हिज्बुल्लाह ने इजराइल पर पांच प्रोजेक्टाइल दागे, जिसे इजराइली सेना ने नाकाम कर दिया। ये घटना अपर गैलीली, सेंट्रल गैलीली, वेस्टर्न गैलीली, हाइफा, और कार्मेल क्षेत्रों में रविवार सुबह हुई। प्रोजेक्टाइल दागने के साथ ही इन क्षेत्रों में सायरन भी बजने लगे।

हाल ही में 1 अक्टूबर को इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में हिज्बुल्लाह के खिलाफ एक जमीनी अटैक किया था। इस संघर्ष में दोनों पक्ष एक-दूसरे पर हवाई और रॉकेट हमले कर रहे हैं। इजराइली हवाई हमलों में लेबनान में मरने वालों की संख्या दो हजार से ज्यादा पहुंच चुकी है, लेकिन इसके बावजूद हिज्बुल्लाह के लड़ाके इजराइली सैनिकों के सामने डटे और इजराइली सेना को जवाब दे रहे हैं।

इजराइल का कहना है कि उसका प्रमुख मकसद 60 हजार लोगों की वापसी कराना है जो उत्तरी इजराइल में बमबारी के चलते पलायन कर गए थे। इस बीच इजराइली सेना भी लेबनान में हवाई हमले कर रही है। इजराइल पर ईरानी खतरा भी मंडरा रहा हैं, जिससे बचाव के लिए अमेरिका हर संभव कोशिशों कर रहा है।

अमेरिका इजराइल को एक अडवांस्ड एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम भेजने की तैयारी कर रहा है, जिसे अमेरिकी सेना संचालित करेगी। ईरान द्वारा इजराइल पर 200 बैलिस्टिक मिसाइलें दागने के बाद अमेरिका इजराइल के साथ बातचीत कर रहा है। इजराइल ने इस हमले का अब तक जवाब नहीं दिया है, लेकिन उसने चेतावनी दी है कि ईरान पर वे हमला जरुर करेगा। वहीं ईरान भी इजराइल का साथ देने वालों को चेतावनी दे चुका है। ईरान की तरफ से बैलिस्टिक मिसाइल का खतरा है, जिसे बेसर करने के लिए अमेरिका एयर डिफेंस सिस्टम को तैनात करेगा।

बांग्लादेश सरकार सभी अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों की सुरक्षा करे: भारत

ढाका(ईएमएस)। बांग्लादेश में ढाका के तांतीबाजार में पूजा मंडप पर हमले और जेशोरेश्वरी काली मंदिर में चोरी की घटना पर भारत ने चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेश में मंदिरों और देवी-देवताओं को अपवित्र करने की साजिश हो रही है। इन घटनाओं को सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया जा रहा है।

भारत ने मांग की है कि बांग्लादेश सरकार सभी अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों की सुरक्षा करे। भारत के इन आरोपों के बीच बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने ढाकेश्वरी मंदिर का दौरा किया। उन्होंने कहा कि हम बांग्लादेश को ऐसा देश बनाना चाहते हैं जहां सभी धर्मों के लोगों के अधिकारों की सुरक्षा हो। वहीं, बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद से अल्पसंख्य समुदाय पर हमले की कई खबरें सामने आई हैं। दुर्गा पूजा के दौरान ही कई मंदिरों पर हमले और चोरी हुई हैं।

पहली घटना ढाका के तांतीबाजार में शुक्रवार रात को एक शख्स ने दुर्गा पंडाल में बम फेंका। हालांकि बम फटा नहीं। पंडाल की सिक्योरिटी में लगे लोगों ने आरोपी को पकड़ने की कोशिश की तो उसे बचाने कई लोग आ गए। इन्होंने आरोपी को बचाने के लिए चाकूबाजी शुरू कर दी। इसमें 5 लोग घायल हो गए। दूसरी घटना बांग्लादेश के जेशोरेश्वरी मंदिर से मां काली का मुकुट चोरी हो गया। यह सोने की परत चढ़ा चांदी का मुकुट है। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया। पीएम मोदी 2021 में बांग्लादेश दौरे के दौरान जेशोरेश्वरी मंदिर दर्शन के लिए गए थे। इस दौरान उन्होंने यह मुकुट मंदिर में चढ़ाया था।

जापान में लोग हिरोशिमा पीस मैमोरियल पार्क में एटम बम डोम को देखते हुए।

लिस्बन में छात्र गिनीज बुक रिकार्ड के लिए सबसे बड़.कम्पयूटर प्रोग्रामिंग के एक इवेंट में भाग लेते हुए।

ब्रिक्स सैन्य संगठन नहीं, समान विचार वाले देशों का एक बहुराष्ट्रीय संगठन हैः रुस

मास्को,(ईएमएस)। रूसी विदेश मंत्रालय ने ने कहा कि ब्रिक्स सैन्य संगठन नहीं है, कभी नहीं रहा है और न ही बनने जा रहा है। ब्रिक्स एक अंतरराष्ट्रीय संगठन या एकीकरण संरचना भी नहीं है, बल्कि समान विचार वाले सदस्यों वाला एक बहुराष्ट्रीय संगठन है।

मीडिया रिपोर्ट में एक लेख (जिसमें सुझाव दिया गया था कि ब्रिक्स के विस्तार से नाटो को चिंतित होना चाहिए।) पर टिप्पणी करते हुए रुसी मंत्रालय ने कहा कि ब्रिक्स एक बहु-विषयक रणनीतिक साझेदारी है, जो तीन स्तंभों राजनीति और सुरक्षा, अर्थशास्त्र एवं वित्त और संस्कृति एवं मानवीय संबंध पर टिका है। रिपोर्ट में रुसी मंत्रालय ने बयान में कहा कि ब्रिक्स भागीदारों के बीच संबंध समानता, आपसी सम्मान, खुलेपन, व्यावहारिकता, एकजुटता और सबसे महत्वपूर्ण बात किसी के विरोध न करने पर आधारित हैं। मंत्रालय ने कहा कि ब्रिक्स का एक मुख्य उद्देश्य निष्पक्ष और बहुपक्षीय विश्व आर्थिक प्रणाली बनाना है। इसके साथ ही मंत्रालय ने कहा कि अपनी स्थापना के बाद से ही इस ब्लॉक ने अंतरराष्ट्रीय कानून और सभी देशों की संप्रभुता के सम्मान के आधार पर अंतरराष्ट्रीय विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है।

मंत्रालय ने कहा कि ब्रिक्स का विस्तार विश्व अर्थव्यवस्था में बदलावों को दर्शाता है और अंतरराष्ट्रीय मामलों में विकासशील राज्यों की भूमिका को मजबूत करने में योगदान देता है। ब्रिक्स एक अंतर-सरकारी संगठन है, जिसकी स्थापना 2006 में की गई थी। रूस ने 1 जनवरी, 2024 को ब्रिक्स की अध्यक्षता संभाली। इस साल की शुरुआत रूस, ब्राज़ील, भारत, चीन और दक्षिण अफ़्रीका के अलावा अब इसमें मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब शामिल हो गए हैं। रूस की ब्रिक्स अध्यक्षता निष्पक्ष वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मज़बूत करने पर केंद्रित है।

श्रीलंका सरकार फिर कराएगी हाई-प्रोफाइल मामलों की जांच, आदेश किए जारी, जांच में आतंकवादी हमले और एक पत्रकार की हत्या का मामला भी शामिल

कोलंबो,(ईएमएस)। श्रीलंका सरकार ने पुलिस को कुछ हाई-प्रोफाइल मामलों की फिर से जांच करने का आदेश दिया है, जिसमें 2019 के 'ईस्टर संडे' आतंकवादी हमले और 2005 में एक तमिल अल्पसंख्यक समुदाय के पत्रकार की हत्या का मामला भी शामिल है। पिछले महीने राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने वाली सत्तारूढ़ नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) ने इन मामलों की फिर से जांच करने का वादा किया था, जिनका समाधान नहीं हो सका था। सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय ने यह फैसला इसलिए किया है, ताकि जांच में किसी भी तरह की चूक की पहचान की जा सके।

श्रीलंका मंत्रालय के कार्यवाहक पुलिस प्रमुख से कहा है कि इन मामलों की फिर जांच की जानी चाहिए। उनमें 2015 में सेंट्रल बैंक बॉण्ड जारी करने में कथित घोटाला शामिल है, जिसके लिए पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की तत्कालीन सरकार को दोषी ठहराया गया था। इसके अलावा 2019 के 'ईस्टर संडे' आतंकवादी हमले की भी जांच की जानी है, जिसमें 11 भारतीयों समेत 270 से ज्यादा लोगों की मौत् हो गई थी। आतंकवादी हमले का गवाह बना कैथोलिक चर्च इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग करता रहा है। उसका आरोप है कि पिछली सरकारों ने राजनीति से प्रेरित होकर इस हमले पर पर्दा डाल दिया था। जिन अन्य मामलों की जांच की जानी है उनमें तमिल अल्पसंख्यक समुदाय के पत्रकार डी. शिवराम की 2005 में हुई हत्या और उस समय पूर्वी विश्वविद्यालय के प्रमुख एक तमिल अल्पसंख्यक शिक्षाविद का 2006 में अपहरण किए जाने और लापता होने का मामला भी शामिल है।

उत्तरी कैरोलिना में कमला हैरिस , दरहम मेयर लिनार्डो , के साथ नजर आयीं।

अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के लिए फिट हैं कमला हैरिस, मेडिकल रिकॉर्ड जारी किया, ट्रम्प को हेल्थ कार्ड सार्वजनिक करने का चैलेंज दिया

वाशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से 23 दिन पहले डेमोक्रेटिक पार्टी की कैंडिडेट कमला हैरिस अपना मेडिकल रिकॉर्ड जारी किया है। इसमें उन्हें पूरी तरह से फिट घोषित किया है। कमला ने अपना फिटनेस रिकॉर्ड जारी कर रिपब्लिकन पार्टी के कैंडिडेट डोनाल्ड ट्रम्प से भी मांग की है कि वे अपना हेल्थ रिकॉर्ड सार्वजनिक करें। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रम्प ये नहीं चाहते कि अमेरिकी लोगों को ये पता चले कि वे राष्ट्रपति बनने के लिए फिट हैं या नहीं। इस पर ट्रम्प की टीम ने उनके मेडिकल रिकॉर्ड जारी किए बिना बयान जारी कर कहा कि ट्रम्प की सेहत बिल्कुल ठीक है। कमला में राष्ट्रपति बनने का स्टैमिना नहीं हैं। एकतरफ जहां व्हाइट हाउस ने उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस को राष्ट्रपति बनने के लिए फिट घोषित किया है। वहीं उनके डॉक्टर जोशुआ सिमोंस ने बताया है कि कमला हैरिस के परिवार में कोलोन कैंसर की हिस्ट्री रही है। उन्हें कुछ चीजों से एलर्जी भी है। इसके चलते वे लगातार कोलोनोस्कॉपी कराती रहती हैं और अपना ध्यान रखती हैं।

शक्तिशाली तूफान ने ली सात की जान, बिजली गुल, अंधेरे में रहने को मजबूर लोग

साओ पाउलो,(ईएमएस)। ब्राजील के साओ पाउलो में आए शक्तिशाली तूफान से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दक्षिण अमेरिका के बड़े महानगर के 14 लाख घरों की बिजली गुल हो गई। लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हो गए। मीडिया रिपोर्ट में साओ पाउलो के अधिकारियों ने बताया कि 108 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आए तूफान से बिजली पारेषण लाइन प्रभावित हुईं और बड़ी संख्या में पेड़ उखड़ गए, जिसके कारण कुछ हिस्सों में गंभीर क्षति हुई।

जानकारी के मुताबिक तूफान के चलते कई हवाई अड्डों को भी बंद कर दिया गया और कई क्षेत्रों में पेयजल सेवा भी बाधित हुई। अधिकारियों ने बताया कि एक व्यक्ति की मौत उस वक्त हुई जब एक पेड़ उखड़कर दुकान पर गिर गया। इस तूफान के कारण साओ पाउलो के आसपास के क्षेत्रों में कम से कम छह अन्य लोगों की मौत हो गई।

रिपोर्ट में अधिकारियों को उम्मीद थी कि वे तूफान समाप्त होने के बाद के कुछ घंटों में बिजली को बहाल कर लेंगे, लेकिन लोग शनिवार को भी अंधेरे में ही रहे, इतना ही नहीं संबंधित अधिकारी स्थानीय निवासियों से पानी की सीमित खपत का आग्रह करते नजर आए। इस महानगरीय क्षेत्र में कम से कम दो करोड़ 10 लाख लोग रहते हैं। अब प्रशासन के सामने बिजली पानी की सप्लाई की समस्या खड़ी है।

हमास के इजराइल पर किए गए हमले को ईरान से जोड़ना गलत, यूएन में ईरान के स्थायी मिशन ने इन दावों को किया खारिज

तेहरान,(ईएमएस)। ईरान ने हमास के 7 अक्टूबर 2023 की इजराइल की सीमा में घुसकर और गाजा पट्टी से बड़े पैमाने पर रॉकेट हमले से ईरान को जोड़ने के दावे को खारिज कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट में संयुक्त राष्ट्र में ईरान के स्थायी मिशन ने शनिवार को हमास द्वारा गत वर्ष 7 अक्टूबर को इजराइल पर किए गए हमले से ईरान को जोड़ने के दावों को खारिज कर दिया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एक बयान में, ईरानी मिशन ने हमास की गुप्त बैठकों के मिनटों तक पहुंच के इजरायल के दावे के बारे में कई सवालों के जवाब दिए, जिसमें संकेत दिया गया था कि ईरान को गत वर्ष 7 अक्टूबर के हमले के लिए समूह की योजना के बारे में सूचित किया गया था। मिशन ने कहा कि जबकि दोहा में स्थित हमास के अधिकारियों ने घोषणा की है कि उन्हें अभियान के बारे में कोई जानकारी नहीं थी और केवल गाजा में स्थित हमास की सैन्य शाखा ही अभियान की योजना बनाने, फैसला लेने और निर्देशन के लिए जिम्मेदार थी, ऐसे में अभियान को आंशिक रूप से या पूरी तरह से ईरान या हिजबुल्लाह से जोड़ने का कोई भी दावा सही नहीं है और यह फर्जी दस्तावेजों पर आधारित है।

रिपोर्ट में दावा था कि 7 अक्टूबर 2023 के हमले की साजिश दो साल तक रची गई। इसे 2022 में ही अंजाम देना था, लेकिन इस हमले में साथ देने के लिए हमास को ईरान और हिजबुल्लाह को मनाने में लगा रहा, जिस कारण देरी हुई। इजराइली मिलिट्री की ओर से जनवरी में गाजा से जब्त किए गए एक कंप्यूटर में इसकी डिटेल आई है।

उल्लेखनीय है कि हमास ने 7 अक्टूबर, 2023 को इजराइल की सीमा में घुस कर और गाजा पट्टी से बड़े पैमाने पर रॉकेट से हमला किया था, जिसमें करीब 1200 लोग मारे गए थे। इस दौरान हमास के लड़ाकों ने करीब 250 लोगों को बंधक बना लिया था। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में इज़राइली सेना गाजा में बड़े पैमाने पर हमला कर रही है।

जर्मनी में सेकंड वर्ल्ड वॉर का बम मिला, 5 हजार लोगों को सुरक्षित निकाला गया, डिफ्यूज करने में आधा घंटा लगा

हैम्बर्ग (ईएमएस)। जर्मनी के हैम्बर्ग प्रांत में सेकंड वर्ल्ड वॉर के टाइम का बम मिला है। शनिवार को स्टर्नशांजे जिले में बम की सूचना मिलने के बाद 300 मीटर के दायरे में रहने वाले करीब 5 हजार लोगों को सुरक्षित निकाला गया। इसके अलावा पुलिस ने इलाके के रेस्तरां और बार भी बंद करा दिए थे। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक एक प्राइमरी स्कूल के कंस्ट्रक्शन के दौरान ये मिला था। अधिकारियों ने बताया कि बम को सुरक्षित तरीके से डिफ्यूज कर दिया गया है। इसे डिफ्यूज करने में करीब आधे घंटे का वक्त लगा था। बम मिलने की वजह से जिले में रेल सर्विस को भी रोकना पड़ा। जर्मनी में सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बमों का मिलना आम बात है, जिन्हें बाद में डिफ्यूज कर दिया जाता है।

पिछले हफ्ते जापान में फटा था बम

जापान के दक्षिणी हिस्से में मियाजाकी एयरपोर्ट पर 3 अक्टूबर को एक बम विस्फोट हुआ था। इस बम को अमेरिका ने सेकंड वर्ल्ड वॉर के दौरान जापान पर गिराया था। हालांकि जब इसे गिराया गया, तब इसमें विस्फोट नहीं हो पाया था। इसकी वजह से ये दबा रहा। ये बम विस्फोट एयरपोर्ट के टेक्सी-वे की साइड में हुआ था। बम विस्फोट के बाद एयरपोर्ट पर उड़ानों को रद्द कर दिया गया था।

कनाडा में सरकार के 40 सांसद करेंगे खेला, गिर सकती है जस्टिन ट्रूडो की सरकार

मॉन्ट्रियल(ईएमएस)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की मुश्किलें बढऩे वाली हैं। कनाडा में सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी के सांसदों का एक ग्रुप जस्टिन ट्रूडो पर पद छोडऩे का दबाव बना रहा है। स्थिति से जुड़े करीबी सूत्रों ने बताया कि टोरंटो और मॉन्ट्रियल में हाल के उपचुनावों में हार के बाद असंतोष चरम पर पहुंच गया है। इसके बाद असंतुष्ट सांसदों के बीच गुप्त बैठक शुरू हो गई, जिससे जस्टिन ट्रूडो की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कम से कम 30 से 40 सांसद एक पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं। हालांकि अगर इतने सांसद खिलाफ जाते हैं तो भी ट्रूडो सरकार नहीं गिरेगी। कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स में लिबरल पार्टी के पास 153 सीटें हैं। टोरंटो सेंट में हार के बाद से कम से कम 20 नेताओं ने नेतृत्व में बदलाव के लिए दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए हैं। जून में उपचुनाव के बाद से लिबरल पार्टी के अंदर असंतोष पनप रहा है। यह अशांति मॉन्ट्रियल उपचुनाव में हार के बाद और बढ़ गई। एशिया में हाल के शिखर सम्मेलन में ट्रूडो और उनके चीफ ऑफ स्टाफ केटी टेलफोर्ड की अनुपस्थिति ने निराश सांसदों को एकजुट होने और आगे बढऩे की रणनीति बनाने में मदद की।

आगे चल रहे वाहन से टकराई कार, दो विदेशी युवतियों समेत 3 की मौत

इटावा,(ईएमएस)। यूपी के इटावा जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर माइलस्टोन-125 के पास एक भीषण सड़क हादसे में दो विदेशी महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई। तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा खरगुआ गांव के पास हुआ, जब एक कार अपने आगे चल रहे वाहन से टकरा गई। एसएपी ग्रामीण अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। हादसे के बाद क्षतिग्रस्त कार को क्रेन से कुदरेल चौकी लाया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस हादसे में कार चालक संजीव कुमार और तीन सगी बहनें कैटरीना उर्फ तबस्सुम (20), आतिफा (25), नाज (30) गंभीर रूप से घायल हुए। बाद में उपचार के दौरान नाज, कैटरीना और संजीव कुमार की मौत हो गई। मृतकों में से दो विदेशी महिलाएं थीं, जिनमें से एक रूस की और एक अफगानिस्तान की रहने वाली थी।

मृतकों के परिवारजनों ने बताया कि वे लखनऊ घूमने गए थे और वापस लौटते समय यह हादसा हुआ। हादसे की सूचना मिलने के बाद दिल्ली से पीड़ित परिवार के सदस्य अस्पताल पहुंच गए। जानकारी के मुताबिक ओवरस्पीड के कारण उनकी गाड़ी आगे चल रहे अज्ञात वाहन से टकरा गई जिससे यह हादसा हुआ। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

इंडोनेशिया में स्पीड बोट में विस्फोट के बाद लगी आग, 5 की मौत, कई गंभीर

जकार्ता,(ईएमएस)। इंडोनेशिया में एक स्पीड बोट में आग लग गई जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और नौ गंभीर रुप से घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस हादसे में कुछ और लोगों के मारे जाने की आशंका जताई जा रही है। यह दुर्घटना तब हुई जब गवर्नर पद के उम्मीदवार बेनी लाओस और उनके समर्थक तालीबू क्षेत्र के समुद्री बंदरगाह पर नाव में ईंधन भरवा रहे थे। मीडिया रिपोर्ट में आपदा प्रबंधन अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के बाद कुछ लोग नाव में फंसे हुए थे और वीडियो फुटेज से भी साफ हुआ कि आग ने नाव को अपनी चपेट में ले लिया था। आग लगने से ठीक पहले एक विस्फोट हुआ था, जिसके बाद नाव में आग फैल गई। हादसे में पांच लोगों की मौत हुई है, जबकि नौ लोग घायल हुए हैं और कुछ लोग नाव में फंसे थे। हालांकि, नाव पर कितने लोग सवार थे इसकी सही जानकारी नहीं लग सकी है। सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिपोर्ट में प्रांतीय आपदा प्रबंधन के प्रमुख ने बताया कि विस्फोट के बाद आग ने पूरे नाव को अपनी चपेट में ले लिया था। अधिकारियों की टीम राहत कार्य में जुटी गई और बचे लोगों को बचाने की कोशिश की।

पाकिस्तान में दो आदिवासी गुटों में भिड़ंत, 11 की मौत, कई घायल

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तान में दो आदिवासी गुटों की आपसी लड़ाई में 11 लोगों की जान चली गई। खैबर पख्तूनख्वाह प्रांत के कुर्रम जिले में हुई इस लड़ाई में आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनका इलाज चल जारी है। हालांकि, विवाद की वजह पता नहीं चल पाई है। कुर्रम के डिप्टी कमिश्नर जाविदुल्लाह महसूद ने बताया कि पाक-अफगान बॉर्डर के पास कुंज अलिजाई पहाड़ों के पास गोलीबारी में दो लोग घायल हुए, जिसके बाद इलाके में तनाव फैल गया। इसके बाद गाड़ियों को रोककर उन पर हमला किया गया। पुलिस स्थिति को सामान्य बनाने की कोशिश कर रही है। मीडिया रिपोर्ट में पूर्व सांसद और ट्राइबल काउंसिल के सदस्य पीर हैदर अली शाह ने कहा कि, समाज के बुजुर्ग नेता कुर्रम में मामला शांत करने पहुंचे हैं। दोनो ही आदिवासी गुटों के बीच समझौता करवाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि गोलीबारी की घटनाएं दुखद है। इनसे समाज पर बुरा असर पड़ता है।

इजरायल ने दिया 22 गांवों को खाली करने का आदेश

आदेश के बाद 10 मिनट में दक्षिण लेबनान पर ताबड़तोड़ 3 एयर स्ट्राइक

बेरूत (ईएमएस)। इजरायली सेना ने शनिवार को 22 दक्षिणी लेबनानी गांवों के निवासियों को अवाली नदी के उत्तर के इलाकों को खाली करने का आदेश दिया। अवाली नदी पश्चिमी बेका घाटी से भूमध्य सागर में बहती है। इजरायली सेना के एक बयान में दक्षिणी लेबनान के उन गांवों का नाम दिया है जो हाल ही में इजराइली हमलों के निशाने पर रहे हैं, जिनमें से कई पहले से ही लगभग खाली हो चुके हैं। इजरायली सेना ने कहा कि हिजबुल्लाह की बढ़ती आतंकी हरकतों के कारण आम निवासियों की सुरक्षा के लिए निकासी जरूरी थी. इसके साथ ही इजरायल ने केवल 10 मिनट के भीतर इलाके में ताबड़तोड़ 3 एयर स्ट्राइक को अंजाम दिया है। इजरायली सेना का दावा है कि आतंकी समूह हिजबुल्लाह हथियारों को छिपाने और इजरायल पर हमले करने के लिए इन जगहों का उपयोग कर रहा है, जबकि हिजबुल्लाह ने नागरिकों के बीच अपने हथियार छिपाने से इनकार किया है। इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच संघर्ष, एक साल पहले तब शुरू हुआ था जब ईरान समर्थित आतंकी समूह ने गाजा युद्ध की शुरुआत में हमास के समर्थन में उत्तरी इजरायल पर रॉकेट दागना शुरू किया था। पिछले महीने में इस तरह की वारदातें नाटकीय रूप से बढ़ गई है। लेबनान सरकार के मुताबिक 23 सितंबर से दक्षिणी लेबनान, बेका घाटी और बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में इजरायल के बढ़ते हमलों ने लगभग 12 लाख लोगों को अपने घरों से निकलने पर मजबूर कर दिया है। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने कहा कि 2006 में इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच पिछले बड़े युद्ध के दौरान की तुलना में अब अधिक लेबनानी विस्थापित हुए हैं।

कैंपस प्लेसमेंट के लिए इस प्रकार करें तैयारी

कैंपस प्लेसमेंट करीब आते ही अंतिम वर्ष के छात्र तनाव में आ जाते हैं। इस दौरान उनके दिमाग में कई सवाल दौड़ रहे होते हैं। जैसे कौन सी कंपनी आएगी? कौन साक्षात्कार लेगा? और तो और ये सवाल आपको अपने लक्ष्य से भी भटका देते हैं। परिवार का दबाव भी आपके सताता रहता है। इन तमाम मुश्किलों से निपटने का एक ही तरीका है- खुद को साक्षात्कार के लिए अच्छी तरह तैयार किया जाए। यहां जानते हैं कैसे आप अपने को तैयार करें।

पहले पहले अपने रिज्यूमे पर ध्यान दें-

आपका रिज्यूमे आपके बारे में काफी कुछ बताएगा। इसमें आपकी प्रमुख उपलब्धियां बोल्ड हेडिंग के साथ होनी चाहिए। आप अपनी पसंद के अलग-अलग रोल के हिसाब से अलग-अलग रिज्यूमे भी बना सकते हैं। अपने फेसबुक और लिंक्डिन अकाउंट से भी ऐसी अनावश्यक सामग्री हटा लें जो कि जॉब मिलने में दिक्कत पैदा कर सकती है। रिज्यूमे एक या दो पेज का ही होना चाहिए। अच्छा होगा कि एक ही पेज में हो।इसी में आपनी पेशेवर और अकादमिक योग्यता लिखें। संस्थान और साक्षात्कार लेने वाले की जानकारी हासिल करें।

किसी भी साक्षात्कार का सामना करने से पहले उस कंपनी के बारे में जानें। साक्षात्कार के बारे में रिसर्च करें। ऐसा करने से आप उन कुछ सवालों की तैयारी कर पाएंगे जो इंटरव्यू के दौरान पूछे जा सकते हैं।

गलतियों न करें-

साक्षात्कार हॉल में प्रवेश करने के बाद कुछ सामान्य गलतियां करने से बचें। साक्षात्कार लेने वाले से आई-कॉन्टेक्ट होना जरूरी है। हमेशा विनम्र और सहनशील बने रहें। साक्षात्कार लेने वाला कई बार अटपटे सवाल पूछकर धैर्य की परीक्षा लेता है।

साक्षात्कार में पेंसिल का पीछे वाला हिस्सा चबाना, नर्वस होना और कैजुरल रहना, जैसी चीजों से बचें। इसके साथ ही अति आत्मविश्वासी भी न बनें।

बॉडी लेंग्वेज और प्रॉपर ड्रेस

साक्षात्कार में खुद को पेश करना भी काफी मायने रखता है। इस बीच आपकी बॉडी लेंग्वेज बहुत कुछ कहती है। फॉर्मल ड्रेस आपको हमेशा फायदा देगी। साक्षात्कार लेने वालों से गर्मजोशी के साथ हाथ मिलाकर मिले। आपके हाथ मिलाने का अंदाज आपके जोशीले व्यक्तित्व को बताएगा। एक परिपक्व व्यक्ति की तरह पेश आएं।

जॉब के प्रति दिखाएं दिलचस्पी

साक्षात्कार के उन 5 से 10 मिनट के दौरान आपके ये साबित करना होगा कि उस जॉब में आपकी काफी दिलचस्पी है।ऐसा करने से साक्षात्कार लेने वाला शख्स इस बात को लेकर आश्वस्त हो जाएगा कि आपकी प्राथमिकताएं बहुत जल्दी बदलने वाली नहीं हैं। जॉब मिलने के बाद उसे आप बहुत जल्दी नहीं छोड़ेंगे। कंपनी अगर आपको ट्रेनिंग देकर काम सिखाएगी तो उसका समय खराब नहीं होगा।

ध्यान रहे आपको उनकी जितनी जरूरत है, उतनी ही उनको भी आपकी जरूरत है। यानी म्यूचुअल कमिटमेंट होनी भी जरूरी है।

अपने विषय पर पकड़ बनाएं लेकिन जिद्दी न बनें आपको अपने विषय की अच्छी पकड़ होना जरूरी है। अगर है, तो अच्छी बात है, लेकिन इसके बावजूद भी हमेशा सीखने वाला रुख ही रखना चाहिए। साक्षात्कार के दौरान यह दिखाएं कि आपको नई-नई चीजें सीखने का जुनून है। अपनी फील्ड में आपको नए-नए इनोवेशन करने और उन्हें जानने की भूख है।

अगर किसी अंक पर आपके और इंटरव्यूवर के बीच मतभेद होते हैं तो आपको दृढ़ता के साथ अपने अंक पर टिके रहना चाहिए पर आप जिद्दी ना रहें।

शुरुआत और अंत के लिए तैयार रहें

साक्षात्कार के शुरुआती तीन मिनट सामने वाले के दिलोदिमाग में आपके प्रति फर्स्ट इम्प्रेशन तैयार करने के लिए काफी होते हैं। इस छोटे से वक्त में इंटरव्यू लेने वाला ये काफी हद तक तय कर लेता है कि आप जॉब के लिए फिट हैं या नहीं। इसलिए शुरुआती तीन मिनट में आप अच्छा बोलें, बॉडी लेंग्वेज पॉजिटिव रखें, आई-कॉन्टेक्ट बनाए रखें, सेन्टेंस और आइडियाज को बेहतर ढंग से शेयर करें। चाहे आपका इंटरव्यू कितना ही खराब क्यों न हुआ हो, आखिर में थैंक्यू कहना कभी न भूलें। ऐसा कहकर आप ये दिखाएंगे कि आप उस जॉब में काफी दिलचस्पी रखते हैं।

जब पूछा जाएं कमजोरी और ताकत का सवाल?

साक्षात्कार में आमतौर पर आपकी ताकत और कमजोरी पूछ ली जाती है। ऐसी चीजों की आपके पास लंबी लिस्ट होती है जिसमें आप परफेक्ट हैं लेकिन जब बात कमजोरियां बताने की आती है तो वहां आप कंफ्यूज हो जाते हैं। सही बात तो ये है कि अपनी कमजोरियां बताने के लिए ये सही जगह नहीं। लेकिन फिर भी अगर बतानी ही पड़े, तो कुछ ऐसी कमजोरियां पहले से ही सोचकर रखें जो कि आपके लिए प्लस अंक बन जाए। ऐसी कमी बताएं जिसे पूरा करने में कंपनी का फायदा हो।

अगर आपको मिल जाए सवाल पूछने का मौका। कई बार साक्षात्कार लेने वाला आपको सवाल पूछने का मौका दे देते हैं। ऐसी स्थिति आने पर अपनी तरक्की और कंपनी आपको भविष्य में क्या देगी, इन सबके बारे में ना पूछें। आपको कंपनी के फ्यूचर प्लान्स के बारे में पूछना चाहिए। इससे उन्हें ये अहसास होगा कि आप लंबे समय तक कंपनी के साथ जुड़े रहना चाहते हैं और आपको सेलेक्ट करना कंपनी के लिए कोई घाटे का सौदा नहीं होगा। तनाव को काबू करें ज्यादातर छात्र प्लेसमेंट इंटरव्यू से बहुत तनाव में होते हैं हालांकि ये स्वाभाविक है लेकिन आपको इसे नियंत्रण में करना आना चाहिए। ऐसी स्थिति में आपको अपना बेस्ट करने पर ध्यान देना चाहिए।

टूर ऑपरेटर के क्षेत्र में भी हैं संभावनाएं

अगर आपको घूमने का शौक है तो लोगों को पर्यटन स्थलों पर घुमाने के काम में अपना करियर बना सकते हैं हालांकि इस काम के लिए मार्केटिंग में दक्ष होना जरूरी है, पर थीम आधारित टूरिज्म (पर्यटन) और विभिन्न भाषाओं की जानकारी भी सफल टूर ऑपरेटर बनने के लिए जरूरी है। ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री में टूर ऑपरेटर्स वे पेशेवर होते हैं, जो पर्यटकों को दर्शनीय स्थलों तक घुमाने के लिए होलीडे पैकेज तैयार करते हैं। एक टूर ऑपरेटर के तौर पर यह आपको ही तय करना होता है कि आपके काम करने का दायरा कहां तक होगा। टूर ऑपरेटर के तौर पर आप दुनिया के किसी भी कोने में दिलचस्प और खास जगहों पर पर्यटकों को ले जा सकते हैं, पहाड़ की ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं, मोटर-साइकिल या कार से राज्य, देश या विश्व के भ्रमण का कार्यप्रम तय कर सकते हैं।

टूर ऑपरेटर का काम बड़ा दिलचस्प होता है। वह आकर्षक पैकेज तैयार करता है और उन्हें ट्रैवल एजेंट्स के माध्यम से या सीधे ही लोगों तक पहुंचाता है। यह भी ध्यान रखा जाता है कि जो भी पैकेज तैयार किया जाए, वह इतना आकर्षक हो कि पर्यटक ज्यादा से ज्यादा पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर सकें और जेब पर भी ज्यादा भार न पड़े। वाणिज्य एवं उद्योग मंडल एसोचौम और यस बैंक के संयुक्त अध्ययन में कहा गया है कि जिस तरह से देश-दुनिया में ट्रैवल एवं टूरिज्म का क्षेत्र बढ़ रहा है, उसे देखते हुए लगता है कि 2019 तक यह क्षेत्र रोजगार उपलब्ध कराने के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा क्षेत्र बन जाएगा।

योग्यता : टूर ऑपरेटर के तौर पर करियर बनाने के इच्छुक अभ्यर्थियों को यह बात पता होनी चाहिए कि केवल कोई विशेष कोर्स कर लेने भर से विशेषज्ञता हासिल नहीं हो जाती। हां, डिग्री, डिप्लोमा जैसी योग्यताएं हासिल करने के बाद इस रूप में काम जरूर किया जा सकता है। आप में बेहतर तरीके से चीजों को व्यवस्थित करने की योग्यता होनी चाहिए, घूमने-फिरने का शौक और अधिक से अधिक भाषाओं की जानकारी हो तो और बेहतर। बतौर टूर ऑपरेटर आपको खास राज्य, खास किस्म के थीम में विशेषज्ञता हासिल करनी होगी, मसलन यदि धार्मिक पर्यटन में आपकी महारत है तो बाजार में इस तरह के पर्यटन के लिए तुरंत आपका नाम लोगों के जेहन में आना चाहिए।

कोर्स : आप विभिन्न संस्थानों से डिग्री, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। इसके प्रमुख कोर्स में शामिल हैं एडवांस डिप्लोमा इन ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट, बेसिक कोर्स इन एयरलाइन ट्रैवल, फेयर्स एंड टिकटिंग मैनेजमेंट, पीजी डिप्लोमा इन टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट और एयर ट्रैवल फेयर एंड टिकटिंग जैसे कोर्स प्रमुख रूप से किए जा सकते हैं।

अवसर : यहां आप सरकारी, निजी और मल्टीनेशनल कंपनियों में भी रोजगार तलाश सकते हैं। कुछ निजी कंपनियों जैसे कॉक्स एंड किंग्स, एयरलाइंस, ताज ग्रुप ऑफ होटल्स, मेक माई ट्रिप डॉट कॉम में नौकरियां हैं। इसके अलावा पर्यटन विभाग, होटल उद्योग, एयरलाइंस और ट्रैवल एजेंसियों में आपके लिए द्वार खुले हैं।

वेतन : टूर ऑपरेटर के तौर पर सबसे बेहतर बात तो यही है कि आप अपनी ट्रैवल एजेंसी शुरू करें, लेकिन आपके पास निवेश योग्य इतना धन जरूर होना चाहिए कि आप पूरे टूर ऑपरेशन को संभाल सकें। अगर ऐसा नहीं हो पाता तो सरकारी या निजी क्षेत्र में बतौर टूर ऑपरेटर काम कर सकते हैं। शुरुआती सैलरी की बात करें तो 12 हजार से 20 हजार की आमदनी हो सकती है।

शेफ की मांग बढ़ी

पिछले कुछ सालों में, बेकरी उत्पादों के ग्राहकों में काफी तेजी से वृद्धि देखने को मिली है। इतना ही नहीं, कुछ घरों में तो सुबह की शुरूआत ही चाय व ब्रेड के साथ होती है। ऐसे में पेस्ट्री शेफ के क्षेत्र में अच्छी संभावनाएं बढ़ रही हैं। समय के साथ अनुभवी व अपने काम में माहिर पेस्ट्री शेफ यानी रसोइएं की मांग बढ़ती ही जा रही है। शादी या पार्टियों में आज हर प्रकार के पकवानों का प्रचलन बढ़ा है। लजीज व्यंजनों के साथ साथ यदि आइसक्रीम और पेस्ट्री शामिल न हो तो पार्टी का मजा ही बिगड़ जाता है। ऐसा लगता है कि किसी चीज की कमी रह गई है। हर मौके पर व्यक्ति कुछ न कुछ मीठा खाने की चाह रखता है। शायद इसलिए जन्मदिन की पार्टी से लेकर शादी तक, मेहमानों के आने से लेकर त्योहारों तक कभी केक तो कभी पेस्ट्री आदि मंगाई जाती है।

कैसे तैयार होती हैं केक और पेस्ट्री :

एक पेस्ट्री शेफ का मुख्य काम स्वादिष्ट केक, पेस्ट्री, कुकीज और ब्रेड आदि को बेक करना होता है। होटल्स इत्यादि में उनकी खास जगह होती हैं। इतना ही नहीं, उनका काम प्रयोग कर कुछ ऐसा नया बेक करना होता है, जो दूसरों से एकदम हटकर व स्वादिष्ट हो। खासतौर से किसी भी बेकरी शॉप की पहचान उसके द्वारा खुद निकाली गई अनोखी रेसिपी से ही होती है। जिसे बनाने का काम एक पेस्ट्री शेफ का होता है।

जरूरी दक्षता :

इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आपका कलात्मक होना बेहद आवश्यक है। साथ ही आपको अपने काम से प्यार भी होना चाहिए, तभी आप कुछ नया व यूनिक बनाने में सक्षम हो पाएंगे। कभी-कभी सिर्फ आपकी इजाद की हुई अलग व अनोखी पेस्ट्री भी आपके कॅरियर को एक मीठा रूख दे सकती है। इन सबके अतिरिक्त एक अच्छी प्रेजेंटेशन खाने को और भी अधिक लाजवाब बनाती है, इसलिए उसमें खाने की प्रस्तुति करने का कौशल भी हो। खाना बनाते समय सिर्फ टेस्ट पर ही ध्यान नहीं देना होता बल्कि सेफ्टी व हाइजीन भी उतना ही जरूरी है। आपके अंदर कड़ी मेहनत करने की क्षमता व लगन होना भी बेहद आवश्यक है। आपका काम सिर्फ किचन तक ही सीमित नहीं है, आपको अपनी पहचान बनाने के लिए लोगों से भी जुड़ना पड़ता है, इसलिए आपके अंदर बेहतर संवाद शैली होने के साथ-साथ अपने ग्राहक को पूर्ण रूप से संतुष्ट करने की कला भी होनी चाहिए। एक पेस्ट्री शेफ को लगातार कई घंटों किचन में खड़े होना पड़ता है, ऐसे में आपका धैर्यवान होना भी आवश्यक है। किसी भी होटल या रेस्टोरेंट में ग्राहक के आर्डर के कुछ क्षण बाद ही उसका ऑर्डर टेबल पर आ जाता है, इसलिए आपको भी अपने काम में समय का पाबंद होना चाहिए। कोशिश करें कि जो केक ग्राहक तक पहुंचे, वह ताजा व ठंडा हो।

शैक्षणिक योग्यता :

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपको 12वीं के पश्चात् बेकिंग व कन्फेक्शनरी में डिग्री या सर्टिफिकेट कोर्स करना बेहद आवश्यक है। तभी आपको बेकिंग, आईसिंग व डेकोरेटिंग आदि की जानकारी प्राप्त हो पाएगी। वैसे इस क्षेत्र में शॉर्ट टर्म या डिप्लोमा कोर्स भी कोर्स भी मौजूद हैं। इन कोर्स की अवधि 4 से 6 महीने तक हो सकती है और इसे आप 10वीं के बाद भी आसानी से कर सकते हैं।

रोजगार के अवसर :

पेस्ट्री शेफ के लिए होटल्स, रेस्टोरेंट व कैसीनो में काम की कोई कमी नहीं है। इसके अतिरिक्त विभिन्न बेकरीज व केटरर को भी हमेशा ही अनुभवी व प्रतिभाशाली पेस्ट्री शेफ की तलाश रहती है। अगर आपको कहीं नौकरी करना पसंद नहीं है तो आप खुद की भी बेकरी शॉप खोल सकते हैं, लेकिन उसके लिए आपको व्यापार संबंधी भी थोड़ा ज्ञान होना चाहिए।

आज करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं यशस्वी

युवा क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल आज भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे हैं। यशस्वी ने अपने शानदार प्रदर्शन से भारतीय क्रिकेट टीम में भी जगह बना ली है। वह टी20 और टेस्ट के एक बेहतरीन खिलाड़ी के तौर पर सामने आये हैं। आज यशस्वी के पास करोड़ों की संपत्ति है पर उनका यहां तक का सफर बेहद कठिन रहा है। यशस्वी आर्थिक रुप से एक बेहद कमजोर परिवार से आते हैं। एक समय क्रिकेट की बारिकियों को सीखने के लिए वह टेंट में भी रहे हैं हालांकि अभी वह क्रिकेट के कारण काफी अच्छी जिंदगी जी रहे हैं। वह अपनी कड़ी मेहनत के बल पर ही यहां तक पहुंचे हैं। यशस्वी ने आईपीएल में अपनी शानदार बल्लेबाजी के दम पर टीम इंडिया में जगह बनाई। वह आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार यशस्वी जायसवाल की इस साल नेट वर्थ बढ़कर 16 करोड़ हो गई है। उन्होंने ये कमाई क्रिकेट के अलावा ब्रैंड के एंडोर्समेंट से की है। जायसवाल की मासिक आय करीब 35 लाख रुपये है जबकि सालाना आय 4 से 4.8 करोड़ के करीब है। कमाई का मुख्य जरिए उनका आईपीएल है। उन्हें आईपीएल से हर सत्र में राजस्थान रॉयल्स की ओर से 4 करोड़ मिलते हैं। यशस्वी जायसवाल के पिता भूपेंद्र जायसवाल की पेंट की दुकान है। वह बचपन में पिता का हाथ बंटाते थे. लेकिन उनका सपना क्रिकेटर बनने का था और उस सपने को लेकर वह 12 साल की उम्र में मुंबई पहुंच गये थे।

यशस्वी को फरवरी 2024 में बीसीसीआई ने अपने सालाना अनुबंध के तहत बी कैटेगरी में रखा था। उन्हें बीसीसीआई से सालाना 3 करोड़ रुपये मिलते हैं। साल 2020 में यशस्वी ने राजस्थान रॉयल्स के साथ 2. 40 करोड़ में करार किया था जबकि 2022 में बढ़कर यह राशि 4 करोड़ पहुंच गई। क्रिकेट के मैदान पर शानदार प्रदर्शन करने के बाद यशस्वी की ब्रैंड वैल्यू भी बढ़ रही है। मौजूदा समय में वह कई बड़ी कंपनियों के विज्ञापनों में नजर आ रहे हैं. उनके पास बोट, जेबीएल इंडिया और फायरबोल्ट जैसी कंपनियों के विज्ञापन हैं। इससे उनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। यशस्वी के पास आज महिंद्रा थार, टाटा हारियर और मर्सिडीज बेंज सीएलए 200 जैसी कारें हैं। इसके अलावा उनके पास एक आलीशान घर भी है।

आईपीएल में एक ही टीम से खेले हैं ये खिलाड़ी

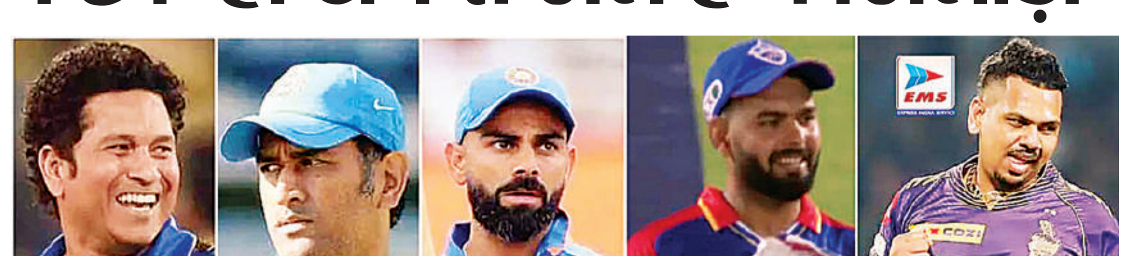

आईपीएल 2025 सत्र के लिए सभी टीमों ने अपनी-अपनी तैयारियां शुरु कर दी हैं। इसी के तहत टीम ये विचार कर रही हैं कि किन खिलाड़ियों को रिटेन किया जाये और किन्हें रिलीज करना ठीक रहेगा। वहीं अब तक आईपीएल इतिहास में केवल 5 खिलाड़ी ऐसे हैं हैं जिन्हें कभी रिलीज नहीं किया गया। ये खिलाड़ी शुरुआत में जिस टीम में शामिल हुए अब भी उसी में बने हुए हैं। इन खिलाड़ियों में सचिन तेंदुलकर , विराट कोहली, महेन्द्र सिंह धोनी, ऋषभ पंत , सुनील नरेन जैसे खिलाड़ी हैं।

सचिन तेंदुलकर : जब 2008 में आईपीएल की शुरुआत हुई तब सचिन तेंदुलकर को मुंबई इंडियंस का आइकॉन प्लेयर चुना गया। आइकॉन प्लेयर का मतलब था कि वह खिलाड़ी नीलामी में नहीं उतरेगा। इसके अलावा आइकॉन प्लेयर को टीम के सबसे महंगे खिलाड़ी से 15 फीसदी ज्यादा रकम मिलेगी। सचिन 2008 से 2013 में संन्यास लेने तक मुंबई इंडियंस में ही थे।

महेंद्र सिंह धोनी : धोनी आईपीएल 2008 में सबसे महंगे खिलाड़ी बने थे। तब चेन्नई सुपरकिंग्स ने धोनी को 15 लाख डॉलर की बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल किया था। तब से सीएसके ने धोनी को कभी रिलीज नहीं किया है

विराट कोहली : विराट आईपीएल की शुरुआत से ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) से खेल रहे हैं. कोहली 2013 से 2021 तक इस टीम के कप्तान भी रहे हैं। विराट भले ही आरसीबी को खिताब नहीं जिता पाए पर वह आईपीएल इतिहास में सबसे अधिक 8004 रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। बेंगलुरू की टीम कोहली की कप्तानी में आईपीएल 2016 का फाइनल खेल चुकी है।

ऋषभ पंत : ऋषभ भी उन क्रिकेटरों में शुमार हैं, जो आईपीएल में डेब्यू करने से लेकर अब तक एक ही टीम से खेल रहेहे हैं। ऋषभ को दिल्ली डेयर डेविल्स ने 2016 में नीलामी के जरिये अपनी टीम में शामिल किया। वह तब से ही इसी टीम से खेल रहे हैं. साल 2021 में श्रेयस अय्यर के चोटिल होने के बाद उन्हें टीम का कप्तान बनाया गया। **सुनील नरेन** : नरेन ने भी आईपीएल में जब से प्रवेश लिया है तब से एक ही टीम के लिए खेल रहे हैं. नरेन को 2012 में कोलकाता नाइटराइडर्स ने 7 लाख डॉलर की बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल किया था।

एचआईएल में पहली बार महिला हॉकी टीमें भी शामिल होंगी

हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) एक बार फिर 28 दिसंबर से शुरु होगी। ये लीग सात साल बाद शुरु हो रही है। इसमें पुरुष और महिला दोनों ही टीमें शामिल होंगी। इसमें पुरुषों की प्रतियोगिता में आठ जबकि महिलाओं की प्रतियोगिता में 6 टीमें खेलेंगी। महिलाओं की स्पर्धा इसमें पहली बार रखी गयी है। लीग मुकाबले राउरकेला और रांची में खेले जाएंगे। पुरुषों की प्रतियोगिता राउरकेला जबकि महिलाओं की प्रतियोगिता रांची में खेली जाएगी। लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 13 से 15 अक्टूबर तक होगी। इसके लिए कुल 10 फ्रेंचाइजी मालिक एकत्र होंगे और खिलाड़ियों की नीलामी 3 श्रेणियों 2 लाख रुपए, 5 लाख रुपए और 10 लाख रुपए में की जाएगी। पहली बार महिला लीग शुरू करने से महिला हॉकी खिलाड़ियों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। इसमें पुरूष वर्ग में फ्रेंचाइजी मालिक चेन्नई (चार्ल्स ग्रुप), लखनऊ (याडु ग्रुप), पंजाब (जेएसडब्ल्यू स्पोटर्स), पश्चिम बंगाल (श्राची स्पोटर्स), दिल्ली (महेश भूपति की एसजी स्पोटर्स एंड इंटरटेनमेंट), ओडिशा (वेदांता लिमिटेड), हैदराबाद (रिसोल्यूट स्पोटर्स) और रांची (नवोयम स्पोटर्स वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड) हैं। वहीं महिला वर्ग में टीमें हरियाणा (जेएसडब्ल्यू स्पोटर्स), पश्चिम बंगाल (श्राची स्पोटर्स), दिल्ली (महेश भूपति की एसजी स्पोटर्स एंड इंटरटेनमेंट) और रांची (नवोयम स्पोटर्स वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड) हैं। हर टीम में 24 खिलाड़ी होंगे जिसमें कम से कम 16 भारतीय खिलाड़ी होंगे। इनमें 4 जूनियर खिलाड़ी और 8 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी होना अनिवार्य है। महिला लीग की बाकी 2 टीमों का ऐलान बाद में किया जाएग। महिला लीग का फाइनल अगले साल 26 जनवरी को रांची में होगा जबकि पुरूष टीम का फाइनल एक फरवरी को राउरकेला में खेला जाएगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और लीग के चेयरमैन दिलीप टिर्की ने कहा कि इस लीग के आयोजन से वह उत्साहित हैं। महासंघ का अध्यक्ष बनने के बाद से उनका सपना इस लीग को फिर से शुरू करने का था जो सभी का पसंद आया।

भारत ने चौकों-छक्कों से 232 रन बनाएःटी-20 में अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया, भारतीय विकेटकीपर की पहली सेंचुरी; 15 रिकॉर्ड्स

नेपाल का सबसे अधिक रनों का विश्व रिकार्ड नहीं तोड़ पायी टीम इंडिया

हैदराबाद : भारत और बांग्लादेश के बीच हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में खेले गए तीसरे टी-20 में 15 रिकॉर्ड्स बने। भारतीय टीम ने पारी में 22 छक्के और 25 चौके लगाकर 232 रन बनाए, जो बाउंड्री के सहारे एक पारी में बने सबसे ज्यादा रन हैं। टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 297 रन बनाए, यह टेस्ट प्लेइंग टीमों में हाईएस्ट टी-20 स्कोर रहा। यह भारत का हाईएस्ट टी-20 स्कोर भी है।

संजू सैमसन ने 40 गेंदों पर सेंचुरी लगाई, वह टी-20 में सेंचुरी लगाने वाले भारत के पहले विकेटकीपर बने। यह भारत के लिए दूसरी फास्टेस्ट सेंचुरी भी रही। भारत ने पावरप्ले में अपना बेस्ट स्कोर भी बनाया।

स्टोरी में भारत-बांग्लादेश तीसरे टी-20 के टॉप रिकॉर्ड्स...

1. भारत ने अपना बेस्ट टी-20 स्कोर बनाया टीम इंडिया ने हैदराबाद के उप्पल स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी और 6 विकेट खोकर 297 रन बना दिए। यह भारत का बेस्ट टी-20 स्कोर है, इससे पहले टीम ने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ 260 रन बनाए थे। यह टेस्ट प्लेइंग टीमों में भी बेस्ट स्कोर रहा। अफगानिस्तान ने 2019 में टी-20 मैच में आयरलैंड के खिलाफ 278 रन का स्कोर बनाया था।

टॉप टीमों में भी यह बेस्ट स्कोर रहा, इंग्लैंड ने पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ 267 रन बनाए थे। टी-20 में हाईएस्ट स्कोर का रिकॉर्ड नेपाल के नाम है, टीम ने 2023 में एशियन गेम्स में मंगोलिया के खिलाफ 314 रन बनाए थे।

2. बाउंड्री के सहारे सबसे ज्यादा रन भारत ने अपनी पारी में 22 छक्के और 25 चौके लगाए। यानी टीम ने 47 गेंद पर बाउंड्री से ही 232 रन बना दिए। यह किसी भी टी-20 पारी में बाउंड्री के सहारे बने सबसे ज्यादा रन है। पंजाब ने पिछले साल भारत के घरेलू टूर्नामेंट में आंध्र प्रदेश के खिलाफ बाउंड्री से 216 रन बनाए थे। इंटरनेशनल में नेपाल ने बाउंड्री के सहारे मंगोलिया के खिलाफ 212 रन बनाए थे।

3. एक पारी में सबसे ज्यादा बाउंड्री भारत ने अपनी पारी में 47 बाउंड्री लगाई, यह एक टी-20 पारी में लगीं सबसे ज्यादा बाउंड्री का रिकॉर्ड भी रहा। इससे पहले 2019 में चेक रिपब्लिक ने तुर्किए के खिलाफ 43 बाउंड्री लगाई थीं। पंजाब ने भी पिछले साल आंध्र प्रदेश के खिलाफ 43 बाउंड्री ही लगाई थीं।

4. भारतीय पारी के 20 में से 18 ओवर ऐसे जिसमें 10 या ज्यादा रन बने भारत ने पारी के पहले ओवर में 7 और 9वें ओवर में 9 रन बनाए। इसके अलावा, टीम ने सभी 18 ओवरों से 10 से ज्यादा रन बटोरे। एक टी-20 पारी में यह सबसे ज्यादा 10 प्लस रन के ओवर का रिकॉर्ड रहा। बांग्लादेश से दोनों बार मेहदी हसन ने ही 10 से कम रन दिए। 2016 में ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका के खिलाफ 17 ओवरों में 10 प्लस रन बनाए थे।

5. संजू सेंचुरी लगाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर भारतीय टीम के ओपनर विकेटकीपर संजू सैमसन ने 40 ही गेंद पर शतक लगा दिया। वे 47 गेंद पर 111 रन बनाकर आउट हुए, इस पारी में 11 चौके और 8 सिक्स शामिल रहे। वह टी-20 में सेंचुरी लगाने वाले भारत के पहले ही विकेटकीपर बने। इससे पहले 2022 में ईशान किशन ने श्रीलंका के खिलाफ 89 रन का बेस्ट स्कोर बनाया था।

6. भारत से सेकेंड फास्टेस्ट सेंचुरी संजू सैमसन की 40 गेंद पर सेंचुरी भारत के लिए दूसरी सबसे कम गेंदों पर सेंचुरी रही। उनसे पहले 2017 में रोहित शर्मा ने श्रीलंका के खिलाफ 35 ही गेंदों पर शतक लगा दिया था।

7. शुरुआती 10 ओवर के बाद बेस्ट स्कोर भारत ने हैदराबाद में शुरुआती 10 ओवर में एक ही विकेट खोकर 152 रन बना दिए। यह शुरुआती 10 ओवर के बाद टीम का बेस्ट स्कोर रहा। इससे पहले शुरुआती 10 ओवर के बाद भारत का बेस्ट स्कोर 2017 में बना था, तब टीम ने श्रीलंका के खिलाफ 117 रन बनाए थे। ओवरऑल यह 10 ओवर के बाद तीसरा बेस्ट स्कोर रहा। ऑस्ट्रेलिया ने इसी साल स्कॉटलैंड के खिलाफ 9.4 ओवर में 156 रन बनाए थे। वहीं, एस्टोनिया की टीम 2024 में साइप्रस के खिलाफ 4 विकेट पर 154 रन बना चुकी है।

8. मिडिल ओवर्स में भी 152 रन बनाए भारत ने 7 से 16 ओवर के बीच मिडिल ओवर्स में 2 विकेट खोकर 152 रन बनाए। यह टी-20 पारी के मिडिल ओवर्स में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर रहा। इससे पहले नेपाल ने मंगोलिया के खिलाफ 1 विकेट खोकर 163 रन बनाए थे। टेस्ट प्लेइंग देशों में यह बेस्ट स्कोर रहा।

9. भारत ने फास्टेस्ट टीम सेंचुरी लगाई टीम इंडिया ने अपने 100 रन 7.1 ओवर में ही पूरे कर लिए थे। यह टी-20 इंटरनेशनल में भारत की फास्टेस्ट टीम सेंचुरी का रिकॉर्ड भी रहा। इससे पहले 2019 में टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 8 ओवर में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में सेंचुरी पूरी की थी।

10. पावरप्ले में अपना बेस्ट स्कोर बनाया भारत ने पावरप्ले के 6 ओवरों में 1 विकेट खोकर 82 रन बनाए। यह टीम का बेस्ट पावरप्ले स्कोर भी रहा। इससे पहले 2021 के टी-20 वर्ल्ड कप में टीम ने स्कॉटलैंड के खिलाफ 6 ओवर में 2 विकेट खोकर 82 रन ही बनाए थे।

11. भारत ने एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाए भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ 22 छक्के लगाए, यह टी-20 में टीम इंडिया की ओर से एक पारी में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने का रिकॉर्ड है। इससे पहले 2017 में टीम ने श्रीलंका के खिलाफ 21 छक्के लगाए थे। मेंस टी-20 में नेपाल ने मंगोलिया के खिलाफ एक पारी में 26 छक्के लगा रखे हैं। टेस्ट प्लेइंग टीमों में भारत ने अफगानिस्तान और साउथ अफ्रीका की बराबरी की।

12. भारत ने सबसे ज्यादा 200 प्लस स्कोर बनाए टीम इंडिया ने सीरीज में दूसरी बार और टी-20 में 37वीं बार 200 से ज्यादा रन का स्कोर बनाया। यह टी-20 क्रिकेट में किसी एक टीम से सबसे ज्यादा 200 प्लस स्कोर का रिकॉर्ड है। भारत ने इंग्लिश टीम समरसेट का रिकॉर्ड तोड़ा, जिनके नाम 36 बार टी-20 में 200 प्लस स्कोर बनाने का रिकॉर्ड है।

13. भारत ने 14 ओवर में 200 रन बनाए टीम इंडिया ने बांग्लादेश के खिलाफ 14 ही ओवर में अपने 200 रन पूरे कर लिए। यह टी-20 पारी में सेकेंड फास्टेस्ट टीम डबल सेंचुरी रही। पिछले साल साउथ अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 13.5 ओवर में 200 रन बनाए थे।

14. सैमसन ने लगातार 5 छक्के लगाए संजू सैमसन ने रिशाद हुसैन के खिलाफ पारी के 10वें ओवर में लगातार 5 छक्के लगाए। वह पहली गेंद पर ही सिक्स लगाने से चूक गए, उन्होंने फिर हर गेंद पर सिक्स लगाया। टी-20 के एक ओवर में यह किसी भारतीय बैटर से लगाए गए सबसे ज्यादा छक्के रहे। 2007 में युवराज सिंह ने टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड के खिलाफ लगातार 6 छक्के लगाए थे।

15. भारत की बांग्लादेश पर सबसे बड़ी जीत भारत ने पहली पारी में 297 रन बनाने के बाद बांग्लादेश को 164 रन के स्कोर पर ही रोक लिया। इसी के साथ टीम ने 133 रन से मुकाबला जीता, जो टी-20 में भारत की बांग्लादेश पर रन के अंतर से सबसे बड़ी जीत रही। इससे पहले सीरीज के दूसरे टी-20 में टीम 86 रन से जीती थी।

ओवरऑल यह भारत की तीसरी सबसे बड़ी जीत रही, इससे पहले टीम इंडिया 2023 में न्यूजीलैंड को 168 रन से हरा चुकी है। टीम ने 2018 में आयरलैंड को भी 143 रन से हराया था। यह बांग्लादेश के खिलाफ किसी भी टीम सबसे बड़ी जीत रही।

नेपाल का सबसे अधिक रनों का विश्व रिकार्ड नहीं तोड़ पायी टीम इंडिया

भारतीय क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में जिस प्रकार की तूफानी बल्लेबाजी की उससे उसने कई रिकार्ड बनाये हालांकि वह सबसे अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय रनों के नेपाल के विश्व रिकार्ड को बना नहीं पायी। भारतीय टीम ने 6 विकेट पर 297 रन बनाये। इस मैच में बांग्लादेश की टीम 7 विकेट पर 164 रन ही बना पाई। इस प्रकार भारतीय टीम ने 133 रन से मैच जीतकर सीरीज 3-0 से अपने नाम की/किया.

टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे बड़ा स्कोर नेपाल ने साल 2023 में मंगोलिया के खिलाफ बनाया था। इस मैच में भारतीय टीम ने 3 विकेट पर 314 रन बनाकर विश्व रिकॉर्ड कायम किया था। वहीं भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ 6 विकेट पर 297 रन बनाए पर वह केवल 18 रन से विश्व रिकॉर्ड नहीं बना पायी।। भारतीय बल्लेबाजों ने इस मैच में 22 छक्के लगाए अगर वे 3 छक्के और लगा देते तो सबसे बड़े टी20 अंतरराष्ट्रीय का रिकॉर्ड उनके नाम होता।

नेपाल की टीम सबसे अधिक स्कोर के मामले में पहले जबकि भारतीय टीम दूसरे नंबर पर है। वहीं अफगानिस्तान की टीम तीसरे नंबर पर फिसल गई है। साल 2019 में अफगान टीम ने आयरलैंड के खिलाफ इस टीम ने 3 विकेट पर 278 रन बनाए थे।

ऑस्ट्रेलिया में पहले या दूसरे टेस्ट में रोहित का खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले माह शुरु हो रही बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले या दूसरे टेस्ट मैच में से किसी एक में शायद ही खेल पायें। एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित व्यक्तिगत कारणों से किसी एक मैच से बाहर रह सकते हैं और इस बारे में उन्होंने भारतीय क्रिकेट बोर्ड को भी जानकारी दे दी है। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में उतरेगी और ऐसी संभावना है कि रोहित एडिलेड में (6-10 दिसंबर) वाले मैच में नहीं खेल पाएंगे। बीसीसीआई के अनुसार अभी इस बारे में साफ तोर पर पता नहीं चला है कि वह किस मैच में नहीं खेलेंगे। रोहित ने बीसीसीआई से कहा है कि एक गंभीर व्यक्तिगत मामले के कारण उन्हें शुरुआत में दो टेस्ट मैचों में से एक को छोड़ना पड़ सकता है। उन्होंने ये भी कहा कि अगर सीरीज शुरू होने से पहले व्यक्तिगत मुद्दा सुलझ जाता है तो वह सभी पांच टेस्ट खेल सकते हैं। आने वाले

दिनों में इस बारे में पूरी जानकारी दे देंगे। यदि रोहित ऑस्ट्रेलिया में कोई एक टेस्ट मैच नहीं खेल पाते हैं, तो बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन को शामिल किया जा सकता है। शुभमन गिल और केएल राहुल के पास भी हालांकि पारी शुरु करने का अनुभव है। ईश्वरन भी भारत ए टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया में होंगे जिसका उन्हें नेतृत्व करना है। इस ऑस्ट्रेलिय दौरे में टेस्ट टीम का उप-कप्तान कौन होगा ये अभी तय नहीं हुआ है। सहायक कोच अभिषेक नायर ने हाल में कहा था कि ऐसे बहुत से खिलाड़ी हैं जिन्होंने आईपीएल में अपनी फ्रेंचाइजी का नेतृत्व किया है। मुझे लगता है कि हमें यह समझने की ज़रूरत है कि इस टीम में हमारे पास बहुत सारे आईपीएल कप्तान हैं। वैसे भी इस भूमिका के लिए 3 उम्मीदवार हैं - शुभमन गिल, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और कीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत। नायर ने कहा था कि मैं अब उन्हें युवाओं के रूप में नहीं देखूंगा। हां, उम्र और उन्होंने जितनी क्रिकेट खेली है, उसके हिसाब से वे युवा हैं। लेकिन, मुझे लगता है कि कुल मिलाकर, मानसिक रूप से या विकास के मामले में उनमें वह क्षमता है जोकि नेतृत्व के लिए चाहिए होती है।

शंघाई में सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच एटीपी विश्व टूर में जीत पर उत्साहित होते हुए।

नेशंस लीग फुटबाल : रोनाल्डो के गोल से पुर्तगाल ने पोलैंड को 3-1 से हराया

बार्सिलोना (ईएमएस)। स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के शानदार गोल से पुर्तगाल ने नेशंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में पोलैंड को 3-1 से हरा दिया। वहीं अन्य मैच में स्पेन ने डेनमार्क को 1-0 से पराजित किया। रोनाल्डो ने पोलैंड के खिलाफ मैच में 37वें मिनट में ही ये गोल किया। वहीं बर्नार्डो सिल्वा ने मैच के 26वें मिनट में एक गोल कर पुर्तगाल को 1-0 की बढ़त दिला दी थी। रोनाल्डो ने अब तक नेशंस लीग में सभी तीन मैचों में गोल किये हैं। इसमें इनमें क्रोएशिया के खिलाफ किया गया गोल भी शामिल है जो उनके करियर का 900वां गोल था। दूसरी ओर पोलैंड की ओर से इस मैच में केवल एक गोल मिडफील्डर पियोत्र जिलिंस्की ने 78वें मिनट में दागा पर तब तक काफी देर हो गयी थी। वहीं उसके डिफेंडर जान बेडनारेक ने खेल समाप्त होने से दो मिनट पहले ही आत्मघाती गोल कर पुर्तगाल की 3-1 से जीत तय कर दी। अभी पुर्तगाल ग्रुप ए1 में तीन मैचों में 9 अंकों के साथ ही नंबर एक पर पहुंच गयी हैं वहीं क्रोएशिया की टीम छह अंक लेकर दूसरे नंबार पर हैं। क्रोएशिया ने स्कॉटलैंड को 2-1 से हराया था। वहीं नेशंस लीग के एक अन्य मैच में स्पेन ने मार्टिन जुबिमेन्डी के 79वें मिनट में किए गए गोल से डेनमार्क को 1-0 से पराजित किया। इस जीत से स्पेन के ग्रुप ए4 में तीन मैचों के बाद सात अंक हो गए हैं। वहीं डेनमार्क छह अंक के साथ ही दूसरे स्थान पर है जबकि सर्बिया के चार अंक हैं। उसने एक अन्य मैच में स्विट्जरलैंड को 2-0 से हराया था।

रियाद में मुक्केबाली मुकाबले में एक दूसरे पर प्रहार करते हुए बेने विटेकर और लियाम कैमरुन।

सूर्या अब टेस्ट और एकदिवसीय प्रारुप में भी अपनी जगह बनाने प्रयास करेंगे

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव अब टेस्ट और एकदिवसीय में भी सफल होना चाहते हैं। सूर्या जहां टी20 में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी रहे हैं। वहीं वह एकदिवसीय और टेस्ट टीम में जगह नहीं बना पाये हैं। इसी को देखते हुए अब सूर्यकुमार रणजी ट्रॉफी में खेलने के लिए तैयार है जिससे एकदिवसीय और टेस्ट प्रारुप के लिए टीम में जगह बना सकें। सूर्यकुमार का यह फैसला हैरानी भरा भी है। इसका कारण है कि श्रीलंका दौरे से पहले मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा था कि हमारे पास सूर्यकुमार टी20 विशेषक्ष हैं और हम उन्हें किसी अन्य प्रारुप में लेकर जाने की नहीं सोच रहे। इसके बाद भी सूर्यकुमार ने टेस्ट प्रारुप में वापसी की इच्छा जताई है। इसी कारण आगामी रणजी ट्रॉफी 2024-25 में वह घरेलू टीम मुंबई के लिए भी खेले। वहीं अब वह भारत की सबसे अहम घरेलू टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी की इस साल 11 अक्टूबर से शुरुआत हो रही है। डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई की टीम एलीट ग्रुप ए का हिस्सा है और उसका पहला मैच बड़ौदा से है। इसके बाद दूसरा मैच 18 अक्टूबर से महाराष्ट्र के खिलाफ है। इसी मैच के लिए सूर्यकुमार ने अपने का उपलब्ध बताया है। सूर्यकुमार महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन को जानकारी दी है कि वह महाराष्ट्र के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच खेलने वाली टीम का हिस्सा रहेंगे। सूर्यकुमार ने अब तक केवल एक टेस्ट खेलकर आठ रन बनाये हैं। वहीं 37 एकदिवसीय में उनके नाम 773 रन हैं जबकि 73 टी20 में उनके नाम 2469 रन हैं। प्रथम श्रेणी के 83 मैच में उनके नाम 5649 रन हैं।

एथलीट हिमा डोपिंग अरोपों से मुक्त हुई

नई दिल्ली (ईएमएस)। एथलीट हिमा दास को डोपिंग मामले में राहत मिली है। डोपिंग रोधी अपील पैनल (एडीएपी) ने हिमा को डेपिंग के आरोंपों से मुक्त कर दिया है। हिमा पर एक साल में तीन बार अपने ठिकाने की जानकारी नहीं देने के कारण साल 2023 में डोपिंग के हिमा दास को नाडा के डोपिंग रोधी अपील पैनल यानी एडीएपी से मंजूरी मिल गई है। अब हिमा सभी मुकाबलों में भाग लें सकेंगी। हिमा ने 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में 400 मीटर व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता था। वह जकार्ता में स्वर्ण और रजत जीतने वाली महिलाओं की 4 गुणा 400 मीटर और मिश्रित 4 गुण 400 मीटर रिले टीम का हिस्सा थीं। इस धाविका को इस वर्ष की शुरुआत में लगी चोट के कारण पिछले वर्ष हांग्जो विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी (वाडा) के नियमों के अनुसार, 12 महीनों के भीतर तीन बार ठहरने की जगह की जानकारी न देने पर आरोपी ठहराया गया था। नाडा नियमों के अनुसार पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में शामिल एथलीटों को अपने रात्रि विश्राम स्थान का पूरा पता, प्रत्येक स्थान का नाम और पूरा पता, जहां वे प्रशिक्षण, कार्य या अन्य नियमित अनुसूचित गतिविधियां करते हैं, तथा प्रत्येक गतिविधि की सामान्य समय-सीमा भी बतानी होती है।

बिश्नोई 50 टी20ई विकेट लेने वाले संयुक्त रुप से तीसरे भारतीय गेंदबाज बने

हैदराबाद (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर रवि बिश्नोई ने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में 50 टी20 विकेट लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। अब बिश्नोई सबसे तेजी से 50 टी20ई विकेट लेने वाले संयुक्त रुप से तीसरे भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। बिश्नोई ने अपने दूसरे ओवर में ही बांग्लादेश के लिटन दास को आउट कर अपनी 33वीं पारी में अपना 50 वां विकेट लिया। इस प्रकार उन्होंने अर्शदीप सिंह के रिकॉर्ड की भी बराबरी की। अर्शदीप ने भी 33 वीं पारी में अपने 50 विकेट लिए थे। मैच के छठे ओवर में ही बिश्नोई ने बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो को आउट कर मेहमान टीम को करारा झटका दिया था। वहीं अब तक सबसे तेज 50 टी20 विकेट विकेट लेने का रिकॉर्ड भारत की ओर से चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव के नाम है। कुलदीप ने 30 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं यजुवेंद्र चहल ने 34 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। 50 टी20 विकेट लेकर उत्साहित बिश्नोई ने कहा कि इस इस रिकार्ड को बनाकर उन्हें बेहद खुशी हुई है। साथ ही कहा कि जब आपकी टीम में प्रतिस्पर्धा होती है तो दबाव रहता ही है। साथ ही कहा कि मैं खेलने को लेकर मिले अवसर के का पूरा लाभ उठाना चाहता था। साथ ही कहा कि मुझे कुछ दिनों का ब्रेक मिला था जिसका मैंने पूरा लाभ उठाया है। बिश्नोई का प्रदर्शन घरेलू क्रिकेट के साथ ही आईपीएल में भी बेहद प्रभावी रहा है।

आक्रामक पारी खेलकर खुशी हुई : सैमसन

हैदराबाद (ईएमएस)। यहां बांग्लादेश के खिलाफ हुए तीसरे टी20 में अपनी आक्रामक पारी से भारतीय टीम को जीत दिलाने वाले बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा है कि वह इस प्रकार की पारी खेलने का प्रयास लंबे समय से कर रहे थे टीम की जीत में योगदान देकर उन्हें खुशी हुई है। सैमसन ने इस मैच में 40 गेंदों पर ही शतक लगाया था। सैमसन ने मैच में 1 ओवर में 5 छक्के भी लगाये थे। इस मैच में भारतीय टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय का अपना सबसे बड़ा स्कोर 297/6 बनाया था। सैमसन ने कहा कि इस मैदान को लेकर उनके अनुभव काफी अच्छे हैं। इसके साथ ही दबाव में भी वह अच्छा प्रदर्शन करना चाहते थे। वह अपने खेल में मूल बातों पर ध्यान देना चाहते थे। टीम प्रबंधन से भी उन्हें सहयोग मिला। मैं इस मैच में एक ओवर में पांच छक्के लगाने का प्रयास कर रहा था जिसमें मुझे सफलता मिली। वहीं भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सीरीज में मिली 3-0 की जीत पर खुशी जताते हुए कहा कि सभी ने जीत के लिए योगदान दिया। हम सभी एकदूसरे की सफलता से खुश होते हैं। हमें याद रखना है कि टीम सबसे बड़ी है और कोई उससे ऊपर नहीं है।

तिलक इमर्जिंग टी20 एशिया कप में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे

मुम्बई (ईएमएस)। बल्लेबाज तिलक वर्मा को इमर्जिंग टी20 एशिया कप के लिए भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया है। एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) ने कहा है कि तिलक एशिया कप के दौरान भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। टीम में तिलक के अलावा अभिषेक शर्मा, राहुल चाहर और साई किशोर जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। इसके अलावा आयुष बडोनी, रमनदीप सिंह, अनुज रावत, नेहल वढेरा और रसिख सलाम को भी इस टीम में शामिल किया गया है। इन सभी खिलाड़ियों का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में अच्छा रहा है। इस प्रतियोगिता के लिए 15 सदस्यीय दल ओमान जाएगा।

पीएम आवास-योजना की सब्सिडी वापस भी ले सकती है सरकारः इससे देनी होगी बढ़ी हुई ईएमआई

प्रधानमंत्री आवास योजना का दूसरा चरण हाल ही में शुरू किया गया है। इसमें पात्र व्यक्तियों को क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी स्कीम के माध्यम से होम लोन पर रियायत मिलती है। लेकिन कई लोगों को ये पता नहीं है कि स्कीम की कुछ शर्तों के उल्लंघन पर सरकार सब्सिडी वापस ले सकती है।

सब्सिडी कब वापस हो सकती है? मोटे तौर पर ऐसी तीन परिस्थितियां हैं, जिनके तहत क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी वापस ली जा सकती है।

पहली स्थितिः अगर कर्ज लेने वाला बैंक को लोन की किस्तें देने में चूक करता है और लोन एनपीए बन जाता है। यानी उसकी वसूली मुमकिन नहीं।

दूसरी स्थितिः जब संबंधित व्यक्ति को क्रेडिट सब्सिडी दी जा चुकी हो, लेकिन कुछ कारणों से मकान का निर्माण रुक गया हो। ऐसे में सब्सिडी की रकम सरकार को लौटानी होगी।

तीसरी स्थितिः मकान के इस्तेमाल का प्रमाण पत्र जमा नहीं करने पर सरकार सब्सिडी वापस ले सकती है। कर्ज देने वाले बैंक को मकान का निर्माण पूरा होने के लिए नोडल एजेंसी को कर्ज राशि की पहली किस्त बांटने की तारीख से एक साल के अंदर या अधिकतम 36 महीनों के भीतर उपयोग/अंतिम-उपयोग का प्रमाण पत्र जमा कराना होता है। इस प्रमाण पत्र के अभाव में बैंक को संबंधित नोडल एजेंसी को सब्सिडी वापस करनी होती है।

परिवार में केवल एक सब्सिडी

योजना के तहत परिवार के प्रत्येक सदस्य को केवल एक ही सब्सिडी दी जाती है। इसमें पति, पत्नी और अविवाहित बच्चे शामिल हैं।

ईएमआई वापस लेने पर क्या होता है? जब सब्सिडी समाप्त हो जाती है, तो लोन लेने वाले को मूल ब्याज दर पर लौटना पड़ता है, जिससे ईएमआई में बढ़ोतरी होती है।

क्या पहले से ही एक होम लोन है तो पीएमएवाई सब्सिडी का लाभ उठा सकते हैं? आप मौजूदा होम लोन पर पीएमएवाई सब्सिडी का लाभ नहीं उठा सकते। पीएमएवाई सब्सिडी उन लोगों के लिए है जो पहली बार मकान ले रहे हैं।

सरकार ने अब तक 11.25 लाख करोड़ डायरेक्ट टैक्स वसूलाः पिछले साल के मुकाबले 18% ज्यादा

केंद्र सरकार ने 1 अप्रैल से 10 अक्टूबर तक 11.25 लाख करोड़ रुपए का नेट डायरेक्ट टैक्स वसूला है। इसमें कॉर्पोरेट टैक्स 4.94 लाख करोड़ रुपए और पर्सनल इनकम टैक्स 5.98 लाख करोड़ रुपए है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने एक साल पहले इसी समय (10 अक्टूबर 2023 तक) 9.51 लाख करोड़ रुपए का डायरेक्ट टैक्स कलेक्ट किया था। सालाना आधार पर इसमें 18.35% की बढ़ोतरी हुई है।

2.31 लाख करोड़ रुपए का रिफंड भी जारी किया

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने इस दौरान 2.31 लाख करोड़ रुपए का रिफंड भी जारी किया है। यह पिछले साल की इसी अवधी के मुकाबले 46% ज्यादा है। पिछले साल 10 अक्टूबर तक सरकार ने 1.58 लाख करोड़ रुपए का रिफंड जारी किया था। सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 22.07 लाख करोड़ रुपए डायरेक्ट टैक्स से जरिए जुटाने का टारगेट रखा है।

डायरेक्ट और इनडायरेक्ट टैक्स में अंतर?: जो टैक्स सीधे आम आदमी से वसूला जाता है उसे डायरेक्ट टैक्स कहते हैं। डायरेक्ट टैक्स में कॉरपोरेट और पर्सनल इनकम टैक्स आता है। शेयर या दूसरे संपत्तियों पर लगने वाला टैक्स भी डायरेक्ट टैक्स कहलाता है। जो टैक्स सीधे आम जनता से नहीं लिया जाता, लेकिन उसकी वसूली भी आम जनता से ही होती है, उसे इनडायरेक्ट टैक्स कहा जाता है। इसमें एक्साइज ड्यूटी, कस्टम ड्यूटी, जीएसटी शामिल हैं। पहले देश में कई प्रकार के इनडायरेक्ट टैक्स होते थे। लेकिन 1 जुलाई 2017 से सभी प्रकार इनडायरेक्ट टैक्स को जीएसटी में शामिल कर लिया गया है।

टीसीएस का मार्केट-कैप 35,638 करोड़ गिराः 7 कंपनियों की वैल्यू 1.22 लाख करोड़ कम हुई

मुंबईः मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देश की टॉप-10 कंपनियों में से 7 की वैल्यू बीते हफ्ते कंबाइंड रूप से 1,22,107.11 करोड़ रुपए कम हुई है। इस दौरान टाटा कंस्ल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) टॉप लूजर रही। हफ्ते भर के कारोबार के दौरान कंपनी का मार्केट कैप 35,638 करोड़ रुपए कम होकर 15.02 लाख करोड़ रुपए रह गया है। टीसीएस के अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज दूसरी बड़ी लूजर रही। कंपनी का मार्केट कैप हफ्ते भर में 21,351.71 करोड़ रुपए गिरकर 18.55 लाख करोड़ रुपए रह गया है। इनके अलावा, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलआईसी, आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप भी कम हुआ है।

एयरटेल, इंफोसिस और एसबीआई की वैल्यू 36,278 करोड़ बढ़ी

वहीं, इस दौरान टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल टॉप गेनर रही कंपनी की वैल्यू इस दौरान 26,330 करोड़ रुपए बढ़कर 9.60 लाख करोड़ पर पहुंच गया। इसके अलावा, इंफोसिस और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की वैल्यू भी बढ़ी है।

पिछले हफ्ते 307 अंक गिरा शेयर बाजार

बीते कारोबारी हफ्ते शेयर बाजार में 307 अंकों की गिरावट रही थी। वहीं, शुक्रवार (11 अक्टूबर) को सेंसेक्स 230 अंक की गिरावट के साथ 81,381 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 34 अंक की गिरावट रही, ये 24,964 के स्तर पर बंद हुआ। बीएसई स्मॉल कैप 246 अंक चढ़कर 56,600 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 16 में तेजी और 14 में गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 28 में तेजी और 22 में गिरावट रही। एनएसई के फार्मा सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.19% की तेजी रही थी।

मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है?

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर, जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की टोटल नंबर को स्टॉक की प्राइस से गुणा करके किया जाता है। मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है, ताकि निवेशकों को उनके रिस्क प्रोफाइल के अनुसार उन्हें चुनने में मदद मिले। जैसे लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां।

रुपया रिकॉर्ड ऑल टाइम लो पर आयाःडॉलर के मुकाबले 11 पैसे गिरकर 84.09 पर बंद हुआ

नई दिल्लीः रुपया अपने रिकॉर्ड ऑल टाइम लो पर पहुंच गया है। इसमें अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे की गिरावट देखने को मिली और यह 84.09 रुपए प्रति डॉलर के अब तक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले 8 अगस्त 2024 को डॉलर के मुकाबले रुपया 83.99 के अपने सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ था। न्यूज एजेंसी रॉयर्स के मुताबिक, रुपए में इस गिरावट की वजह हाल ही में ग्लोबल मार्केट में क्रूड ऑइल की कीमतों में बढ़ोतरी और भारतीय शेयर मार्केट में विदेशी निवेशकों के जरिए की जा रही बिकवाली शामिल है। इसके अलावा, इजराइल की ईरान और लेबनान के साथ जंग की खबरों के कारण भी रुपए पर नेगेटिव असर पड़ा है।

इंट्रा डे में भी रुपया सबसे निचले स्तर पर पहुंचा

इंट्रा-डे में रुपया 84.11 के निचले स्तर पर पहुंच गया, जो डॉलर के मुकाबले सबसे निचला स्तर है। न्यूज एजेंसी रॉयटर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 83.98 रुपए के स्तर पर खुला और एक समय 84.11 के निचले स्तर पर पहुंच गया था। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि रुपया आने वाले दिनों में 84.25 के सबसे निचले स्तर पर पहुंच सकता है।

इंपोर्ट करना होगा महंगा

रुपए में गिरावट का मतलब है कि भारत के लिए चीजों का इंपोर्ट महंगा होना है। इसके अलावा विदेश में घूमना और पढ़ना भी महंगा हो गया है। मान लीजिए कि जब डॉलर के मुकाबले रुपए की वैल्यू 50 थी तब अमेरिका में भारतीय छात्रों को 50 रुपए में 1 डॉलर मिल जाते थे। अब 1 डॉलर के लिए छात्रों को 83.40 रुपए खर्च करने पड़ेंगे। इससे फीस से लेकर रहना और खाना और अन्य चीजें महंगी हो जाएंगी।

करेंसी की कीमत कैसे तय होती है?

डॉलर की तुलना में किसी भी अन्य करेंसी की वैल्यू घटे तो उसे मुद्रा का गिरना, टूटना, कमजोर होना कहते हैं। अंग्रेजी में करेंसी डेप्रिशिएशन। हर देश के पास फॉरेन करेंसी रिजर्व होता है, जिससे वह इंटरनेशनल ट्रांजैक्शन करता है। फॉरेन रिजर्व के घटने और बढ़ने का असर करेंसी की कीमत पर दिखता है। अगर भारत के फॉरेन रिजर्व में डॉलर, अमेरिका के रुपयों के भंडार के बराबर होगा तो रुपए की कीमत स्थिर रहेगी। हमारे पास डॉलर घटे तो रुपया कमजोर होगा, बढ़े तो रुपया मजबूत होगा। इसे फ्लोटिंग रेट सिस्टम कहते हैं।

लॉफिंग ज़ोन

मनु की मम्मी उसे वर्णमाला की पुस्तक पढ़ा रहीं थी। मनु नटखट था वह मन लगा कर पढ़ नहीं रहा था। तंग आकर मम्मी ने उसके गाल पर तमाचा जड़ दिया, 'चुप हो जाओ इतने जल्दी भूल गए। कल मैंने तमसे कहा था कि अच्छे बच्चे मन लगा कर पढ़ते हैं।'

मनु, 'मम्मी आप भी एक बात भूल गई आप ने कहा था कि अच्छे बच्चो को माता-पिता पीटते नहीं।'

□ □ □

दीपू, 'पापा, धरती सूर्य के इर्द-गिर्द कितने समय में अपनी परिक्रमा पूरी करती हैं?'

पापा, 'मुझे नहीं मालूम। किसी और से पूछ लो।'

दीपू, 'पापा कभी तो कुछ बता दिया करें। आप की इसी नासमझी के कारण कल मुझे क्लास में मुर्गा बनना पड़ा।'

□ □ □

टीचर- मैंने तुम्हें कुत्ते पर निबंध लिखने के लिए कहा था।

छात्र- गुरु जी, मैं जिस भी कुत्ते पर पेंसिल रखता हूं वह भाग जाता है।

□ □ □

मालकिन (नई नौकरानी से)'देखो हम लोग सुबह का नाश्ता ठीक आठ बजे करते है, समझ गई।'

नौकरानी, 'जी अगर में कभी आठ बजे तक न पहुंच सकूं, तो नाश्ते पर मेरा इंतजार मत करना।'

आज का इतिहास

1661 विलियम के नेतृत्व में नारमैन्स ने हेस्टिंग्स की लड़ाई में ब्रिटिश फौजों को शिकस्त दी।

1813 बावरिया ने फ्रांस के खिलाफ जंग का ऐलान किया।

1861 नेपोलियन बोनापार्ट ने प्रसियाई फौजों को जेना में शिकस्त दी।

1931 फिनलैंड में फासिस्टों की सत्ता पर कब्जा करने की कोशिश नाकाम हो गई।

1933 जर्मनी निरस्त्रीकरण सम्मेलन औप लीग ऑफ नेशंस से अलग हुआ।

1936 बेल्जियम ने फ्रांस से सैन्य गठबंधन तोड़ लिया।

१९३९ द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटिश युद्धपोत रायल ओक 81 व्यक्तियों सहित डूबो दिया गया।

1944 द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटिश और यूनानी सैनिकों ने एथेंस को मुक्त कराया।

1955 पश्चिम पाकिस्तान प्रांत अस्तित्व में आया।

1956 डॉ. भीमराव आम्बेडकर ने बौद्ध धर्म की दीक्षा ग्रहण की।

1968 अपोलो-7 से पहली बार टेलीविजन प्रसारण किया गया।

1971 फिलीपींस में तूफान से आठ सौ से अधिक लोग मारे गए।

1973 थाईलैंड में छात्रों और सैनिकों के झड़पों के बाद सान्या थम्मसाक प्रधानमंत्री बने।

1988 यूगोस्लाव सरकार ने वेतन में बढ़ोत्तरी की घोषणा की।

1989 जार्डन में राष्ट्रीय चुनावों के लिए अभियान शुरू हुआ।

1991 म्यांमार की नेता आंग सान सू को नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा की गई।

2002 प्रसिद्ध अभिनेता सलमान खान की जमानत याचिका खारिज, एक सप्ताह की जेल

2005 पुलिस मुठभेड़ में कुखअयात डाकू निर्भय गुज्जर घायल व उसके दो साथी मारे गए।

दैनिक पंचांग

14 अक्टूबर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.14 बजे से
चंद्र	कुंभ में	वृश्चिक	08.28 ब.से
मंगल	मिथुन में	धनु	10.44 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.49 बजे से
गुरु	वृष में	कुंभ	14.36 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	मीन	16.09 बजे से
शनि	कुंभ में	मेष	17.39 बजे से
राहु	मीन में	वृष	19.19 बजे से
केतु	कन्या में	मिथुन	21.17 बजे से
राहुकाल		कर्क	23.31 बजे से
7.30 से 9.00		सिंह	01.47 बजे से
बजे तक		कन्या	03.59 बजे से

सोमवार 2024 वर्ष का 288 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** आश्विन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** एकादशी 06.42 बजे तदनन्तर द्वादशी 03.43 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** शतभिषा 00.43 बजे रात्र को समाप्त। **योग** गण्ड 18.01 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 06.42 बजे, बव 17.16 बजे तदनन्तर बालव 03.43 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 11.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 08° 15' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872132 **जूलियन दिन** 2460597.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 10 **विशेष** वैष्णव पापांकुशा एकादशी, पद्मनाभ द्वादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8157

बाएँ से दाएँ

1. घूमना-फिरना-4
4. पक्षियों का शोर-4
7. धोखाधड़ी, मक्कारी-5
9. भस्म, खाक-2
11. आज्ञापालक, कर्मचारी-2
12. मगन, लीन-2
13. नेत्रावरण-3
15. त्याग, दक्षिणा-2
16. जीभ, जिव्हा-3
17. मक्खन-3
18. पेड़ का मध्य व मोट भाग-2
19. गर्भ-3
21. निवास, रहना-2
23. भाग्य (अंग्रेजी-2)
24. पानी, नीर-2
25. इच्छा पूर्ति करना-5
29. एक मुस्लिम महीना-4
30. भाग्य, नसीब-4

ऊपर से नीचे

1. अनबन, झगड़ा-4
2. भालू-2
3. परिणाम-2
4. प्याला-2
5. बालों का गुच्छा-2
6. वर, इच्छापूर्ति-4
8. नीरज, जलज-3
10. भयानक-5
11. दयालु-5
13. आश्रय, शरण-3
14. करिश्मा, करतब-3
18. तहखाना-4
20. मगरमच्छ-3
22. शलवार, पायजामा-4
25. आनंद-2
26. झुका हुआ-2
27. पत्र, चिट्ठी-2
28. नासिका, घ्राणेंद्रिय-2

शब्द पहेली -8156 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 7698

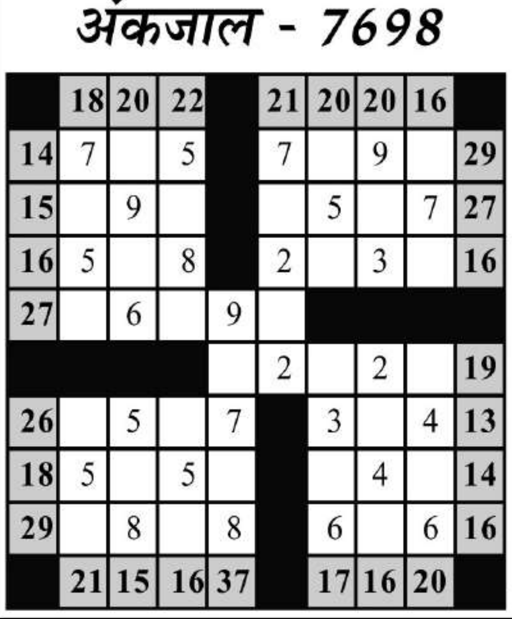

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

अंकजाल 7697 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6642

2	6	4	1			7
	37		28	2	26	
7	5			3	1	4
	31	6	33		28	
3			4			5
	31	3	33	6	36	
5	2			1	6	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6641 का हल

3	6	1	4	7	2	5
6	35	5	30	2	25	1
7	5	2	6	3	1	4
1	33	6	31	4	29	2
2	6	4	1	5	3	7
4	33	3	31	6	37	6
5	2	7	4	1	6	3

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली - 6002

33		62		2		22	=	75
	■		■		■		■	
22		20		5		2	=	8
	■		■		■		■	
2		50		54		10	=	36
	■		■		■		■	
40		75		40		25	=	50
=	■	=	■	=	■	=	■	=
49		17		21		9	=	97 / 20

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 6001

50	÷	2	-	5	x	2	=	40
+	■	x	■	-	■	x	■	+
20	+	45	+	2	-	20	=	47
-	■	-	■	+	■	-	■	-
64	-	55	+	47	-	35	=	21
+	■	-	■	-	■	x	■	-
30	x	3	-	40	÷	2	=	25
=	■	=	■	=	■	=	■	=
36	-	32	+	10	-	10	=	41 / 4

शब्दजाल- 7689

म	क	मु	ग	ल	ए	आ	ज	म	ल	टा
द	वि	ल	प्रे	व	जी	स	द	ह	कां	ड़
र	स	ल	म	दी	छ	स	आ	र्म	ख	क
इं	स	ल	न	दि	वा	स	ध	ल	श	क
डि	आ	दो	ग	ल	ज	ना	तू	ग	झ	क
या	ल	द	र	दि	झ	उ	ती	ण	घ	क
ती	व	ल	मी	या	प	बै	जू	बा	व	रा
क	एं	ऊ	ई	द	ब	क	फ	ए	श	क
क	ड	ल	प	र्द	गी	स	री	औ	प	आ
क	गॉ	ल	प	लि	जी	त	ऐ	ओ	प	द
क	ड	ल	प	या	प	स	व्य	ब	प	म

शब्द जाल में नौशाद द्वारा संगीतबद्ध 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

प्रेमनगर, बैजू बावरा, दीवाना, मदर इंडिया, दिल दिया दर्द लिया, आदमी, धर्मकांटा, लव एंड गॉड, मुगल ए आजम, गीत.

शब्दजाल - 7688 का हल

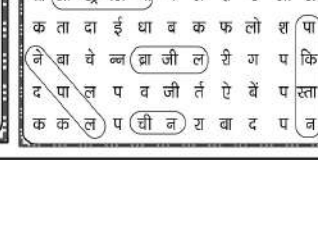

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्नी संग की कन्या पूजा, भोजन कराकर लिया उनका आशीर्वाद

जमशेदपुर । झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने शारदीय नवरात्रि की महानवमी के शुभ अवसर पर कन्या पूजन किया. पत्नी सुधा गुप्ता के संग अपने कदमा स्थित आवास पर स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता नें सर्वप्रथम नौ कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन कराया और उनका आशीर्वाद लिया.
बता दें कि शारदीय नवरात्रि के दौरान पूरे 9 दिनों तक मां दुर्गा की पूजा की जाती है. महानवमी के दिन कुंवारी कन्याओं की पूजा की जाती है. ऐसा माना जाता है कि कन्या में साक्षात देवी का स्वरूप निवास करता है और कन्या की पूजा करने से मन प्रसन्न होता है. कन्याओं की पूजा करने के बाद स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि महानवमी के इस शुभ दिन पर छोटी-छोटी देवियों के श्रीचरणों से आशीर्वाद लिया, जिन्होंने मेरे मन को खुशियों से भर दिया है. उन्होंने कहा कि बेटियां सुख, समृद्धि और प्रगति का आधार हैं. उनकी पूजा सर्वोत्तम पूजा है. बेटियों से ही संसार बढ़ता है. समाज में बेटी का सम्मान सर्वोपरि है. बेटियों की सेवा ही मां की सच्ची पूजा है. बन्ना गुप्ता ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मैंने कन्या पूजन कर उनका आशीर्वाद लिया है.

राज्यपाल से मिले लोजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान

रांची : लोक जनशक्ति पार्टी आर के प्रदेश अध्यक्ष बिरेन्द्र प्रधान ने अपने पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ राज्यपाल संतोष गंगवार से राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष आदित्य विजय प्रधान, प्रवक्ता उमेश तिवारी और आईटी सेल अध्यक्ष अभिषेक राय भी मौजूद थे। मुलाकात के बाद बिरेन्द्र प्रधान ने कहा कि यह औपचारिक भेंट थी, जिसमें राज्य के विकास और रोजगार के मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई। उन्होंने राज्यपाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि संतोष गंगवार एक अनुभवी नेता हैं, जिन्होंने आठ बार लोकसभा चुनाव जीता है और कई बार केंद्रीय मंत्री के रूप में सेवाएं दी हैं। उनके अनुभव से राज्य को फायदा होगा।

ओड़िसा के राज्यपाल रघुवर दास ने भालूबासा शीतला माता मंदिर में सपरिवार शक्तिस्वरूपा 251 कन्याओं का पूजन किया

जमशेदपुर। शारदीय नवरात्रि के पावन दिन महानवमी के अवसर पर ओड़िसा के राज्यपाल एवं झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने जमशेदपुर के भालूबासा स्थित शीतला माता मंदिर में सपरिवार कन्या पूजन किया। उन्होंने धर्मपत्नी रुक्मणि देवी एवं सुपुत्र ललित दास व परिवार के अन्य सदस्यों के संग मंदिर प्रांगण में हवन करने के उपरांत मां दुर्गा की आरती कर शक्तिस्वरूपा कन्याओं का पूजन किया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की प्रतीक नौ कन्याओं के पांव पखारे, श्रृंगार कर चुनरी ओढाई, घंटी बजाकर एवं आरती उतारकर पूरे विधि-विधान से पूजन किया और उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान भैरव बाबा की भी पूजा की गई। वहीं, उन्होंने 251 छोटी कन्याओं को मंदिर प्रांगण में अपने हाथों से हलवा, पूरी-सब्जी, खीर, चटनी, मिठाई के रूप में भोजन परोसा। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कन्या पूजन के पश्चात कन्याओं को दक्षिणा भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं व्यक्त की। इस दौरान राज्यपाल रघुवर दास ने महानवमी के पावन अवसर पर शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए झारखंड के समस्त परिवार के संग देशवासियों के सुख-समृद्धि और उन्नति की कामना की। इस अवसर पर राज्यपाल रघुवर दास ने कन्या पूजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह प्राचीन परंपरा ऋषि-मुनियों द्वारा नारीशक्ति के सम्मान का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि नवरात्र के अवसर पर शक्ति की उपासना के साथ ही समाज में महिलाओं की सुरक्षा और उनके सम्मान की दिशा में समाज को सजग होना होगा। जैसे नौ दिनों तक हम मां दुर्गा की उपासना कर शक्ति का संचय करते हैं, वैसे ही हमें इस शक्ति का उपयोग समाज कल्याण, महिलाओं की सुरक्षा, और सकारात्मक कार्यों में करना चाहिए। दुर्गापूजा का असली सार तभी पूरा होगा जब हम अपनी शक्ति का उपयोग नारीशक्ति के उत्थान और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए करेंगे। दुर्गापूजा का मतलब ही नारी शक्ति की आराधना है। शक्ति की अधिष्ठात्री देवी दुर्गा सभी की मनोकामनाएं पूर्ण करें। इस दौरान पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर मिश्रा, गुंजन यादव, पवन अग्रवाल, कुलवंत सिंह बंटी, टुनटुन सिंह, राकेश सिंह, कमेलश सिंह, प्रेम झा, सुरेश शर्मा, नारायण पोद्दार, मिथिलेश साव, संतोष कुमार, अरुण मिश्रा, सजल गोपाल व अन्य मौजूद रहे।

विजयदशमी पर सिंदूर खेल की धूम , सुहागिन महिलाओं ने मां दुर्गा से अखंड सौभाग्यवती रहने की कामना की

जमशेदपुर । विजयदशमी के पावन अवसर पर जमशेदपुर में महिलाओं ने पूरे उत्साह और भावनाओं के साथ मां दुर्गा को सिंदूर खेलकर विदाई दी। यह पल हर साल की तरह इस बार भी सुहागिन महिलाओं के लिए विशेष रहा, जिन्होंने मां दुर्गा से अखंड सौभाग्यवती रहने की कामना की। इस खास मौके पर, सुहागिन महिलाओं ने पूजा पंडालों में एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर शुभकामनाएँ दीं। सिंदूर खेलने की यह परंपरा बंगाल की पुरानी संस्कृति से जुड़ी हुई है, जिसमें विजयदशमी के दिन महिलाएं मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित कर उनके प्रति अपना आभार व्यक्त करती हैं, और फिर एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर अखंड सौभाग्य की कामना करती हैं। जमशेदपुर के विभिन्न पूजा पंडालों में यह परंपरा बड़े उत्साह के साथ निभाई गई। पहले मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित किया गया, उसके बाद महिलाएं आपस में सिंदूर खेली में शामिल हुईं। पूजा पंडालों में इस आयोजन को देखने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं, जो इस धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा बनीं। विदाई के साथ ही मां दुर्गा को नम आँखों से विदा किया गया और कलश का विधिवत विसर्जन किया गया। विजयदशमी का यह अवसर महिलाओं के लिए न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि आपसी बंधन को और मजबूत करने का भी एक खास मौका है।

विसर्जन जुलूस में कट्टा लेकर पहुंचा युवकःपलामू पुलिस ने जुलूस के दौरान पकड़ा, पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेजा गया

पलामूः पलामू में पुलिस ने एक युवक को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। युवक दुर्गा पूजा के विसर्जन जुलूस में देसी कट्टा लेकर शामिल हुआ था। पुलिस ने विसर्जन जुलूस में ही युवक को पकड़ा और उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देसी कट्टा , दो खोखा और एक जिंदा गोली बरामद किया गया। मामला नवाजयपुर थाना क्षेत्र का है। नावाजयपुर थाना के प्रभारी कमल किशोर पांडेय ने बताया को पुलिस को जानकारी मिली थी कि पचकेडिया इलाके के मूर्ति विसर्जन में एक युवक अपने साथ हथियार लेकर शामिल हुआ है। पुलिस टीम ने जुलूस में शामिल लोगों की तलाशी ली तो एक युवक के पास से हथियार और गोली मिला। गिरफ्तार युवक संतु कुमार महतो नावाजयपुर थाना क्षेत्र के कोल्हुआ भितियाही गांव का रहने वाला है।

गिरफ्त में लेने के बाद पुलिस ने युवक से देसी कट्टा के संबंध में पूछताछ किया है। युवक को हथियार किसने मुहैया कराया और इसका मकसद क्या था, इसे लेकर युवक ने पुलिस को कई जानकारी दी है। थाना प्रभारी पांडेय ने दो खोखा मिलने पर युवक द्वारा फायरिंग की भी आशंका जताई है। उन्होंने बताया कि उससे मिली जानकारी के आधार पर पुलिस आगे का अनुसंधान कर रही है। पूछताछ के बाद युवक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

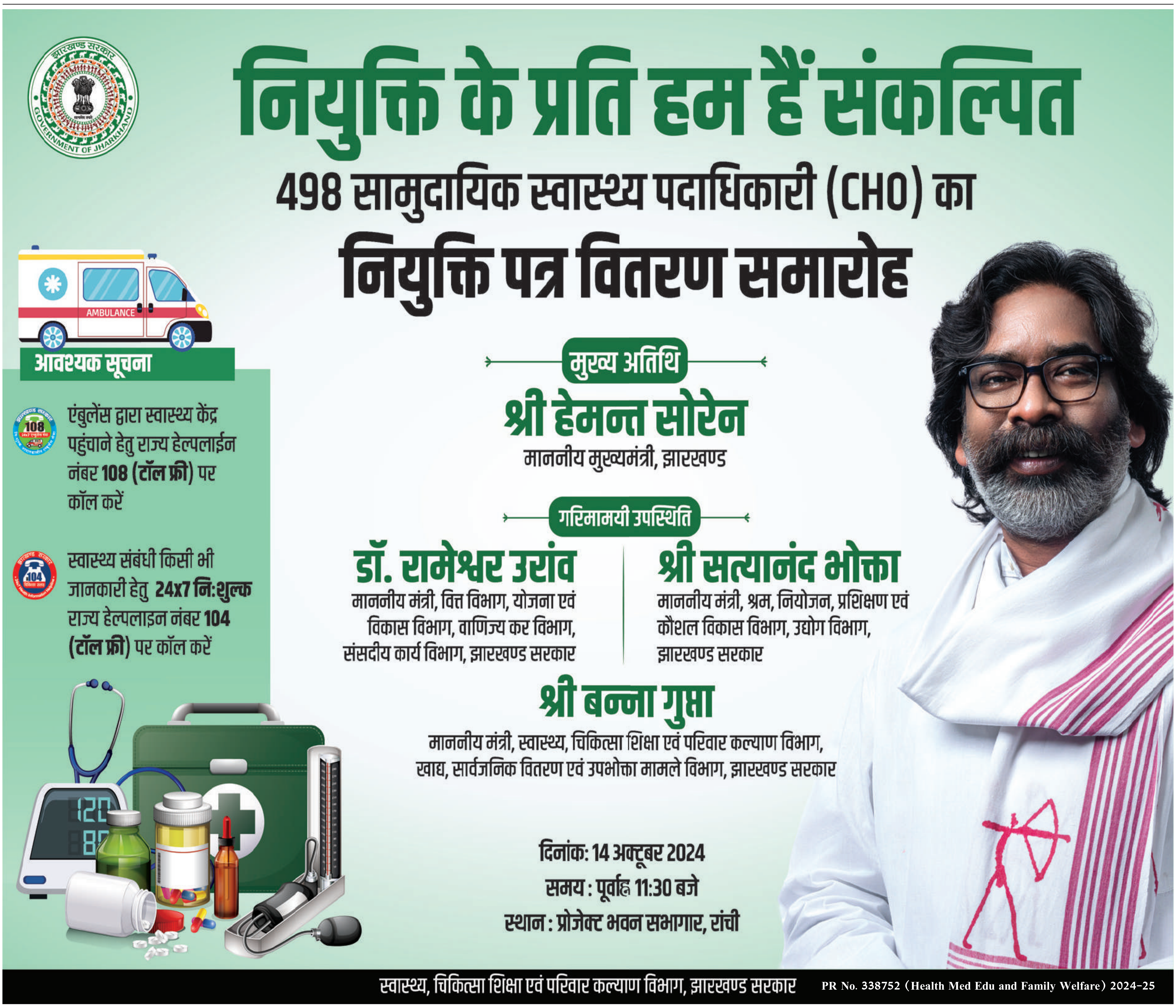

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मदार।